जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

सुविचार

अन्न के कण और आनंद के क्षण, कभी व्यर्थ न जाने दें, दोनों अमूल्य हैं...।

■ वर्ष -01 ■ अंक - 260 ■ जबलपुर,शनिवार 18 अप्रैल 2026 ■ विक्रम संवत् 2083 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

संक्षिप्त समाचार

दम है तो गोरखपुर से चुनाव लड़के दिखाएं अखिलेश : स्मृति इरानी

वाराणसी। लोकसभा में सपा सांसद अखिलेश यादव के बयान के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पुराने विषयों को लेकर सवाल उठाना आसान है। अगर इतना ही दम है तो अपने पैतृक क्षेत्र (कन्नौज) को छोड़कर गोरखपुर से चुनाव लड़कर दिखाएं, लेकिन उनमें इतना दम नहीं। हमने तो कांग्रेस अध्यक्ष को उनके गढ़ (अमेठी) में हराया है। बता दें कि संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान अखिलेश यादव ने बिना नाम लिए स्मृति ईरानी पर 'सास-बहू' सीरियल को लेकर तंज कसा। इस पर स्मृति ईरानी पलटवार किया है।

अशोक खरात के करीबी जितेंद्र शेल्के की सड़क दुर्घटना में मौत

पुणे/नासिक। महाराष्ट्र में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों में अरेस्ट हुए अशोक खरात उर्फ भोंदू बाबा के करीबी डॉ. जितेंद्र शेल्के की एक हादसे में मौत हो गई। वह नासिक के मिरगांव स्थित शिवनिका ट्रस्ट के उपाध्यक्ष थे। वह कई सालों से खरात के करीबी सहयोगी रहे थे। ट्रस्ट द्वारा जमीन खरीदने के मामलों में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। अशोक खरात के करीबी की सड़क हादसे में मौत की घटना पर हड़कंप मच गया है। अशोक खरात मामले की जांच राज्य सरकार के आदेश पर गठित एसआईटी कर रही है। जिसका नेतृत्व आईपीएस तेजस्वनी सातपुते कर रही हैं।

फोन यूज़ करने पर राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के बीच एक बड़ा विवाद सामने आया है, जहां नियमों के उल्लंघन पर बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को फोन लेकर पीएमओए में जाने और डगआउट में उसका इस्तेमाल करने के मामले में 1 लाख का जुर्माना लगाया गया है। यह मामला गुवाहाटी में खेले गए राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबले के दौरान सामने आया। मैच के दौरान रोमी भिंडर को डगआउट में मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया, जो आईपीएल के सख्त नियमों का उल्लंघन है।

फौजियों के कैरेक्टर पर सवाल को लेकर इशिता की मुश्किलें बढ़ीं

सिरमौर। हिमाचल प्रदेश की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर इशिता पुंडीर को फौजियों के कैरेक्टर पर सवाल उठाना भारी पड़ गया है। सोशल मीडिया यूजर उनपर जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। वहीं, उनके खिलाफ कई लोगों ने पुलिस ने शिकायत दर्ज कराई है। मामले के तूल पकड़ने पर इशिता ने एक वीडियो पोस्ट कर माफी भी मांगी है। इसके बावजूद उनके खिलाफ पुलिस को शिकायतें मिल रही है। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य महासचिव यदोपति ठाकुर ने भी इस मामले में एसपी सिरमौर से शिकायत की है। यदोपति ने एसपी सिरमौर को लिखित शिकायत देकर मांग की है कि इशिता पुंडीर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाए।

528 सांसदों में से 298 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में, 230 ने विपक्ष में किया मतदान

महिला आरक्षण बिल 'गिरा'

नई दिल्ली. प्रातः किरण संवाददाता

लोक सभा में महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर लंबी बहस के बाद मतदान हुआ, लेकिन सरकार आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सकी। कुल 528 सांसदों ने मतदान किया, जिनमें 298 ने समर्थन और 230 ने विरोध किया, जबकि विधेयक पारित करने के लिए 352 वोट जरूरी थे। ओम बिरला ने घोषणा की कि पर्याप्त समर्थन न मिलने से विधेयक पारित नहीं हो सका। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे महिलाओं के अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण अवसर बताया और विपक्ष पर सहयोग न करने का आरोप लगाया। वहीं , राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनावी व्यवस्था में बदलाव का प्रयास था। बहस के दौरान अमित शाह ने परिसीमन और आरक्षण पर विपक्ष के रुख की आलोचना की। यह पहली बार है जब हाल के वर्षों में ऐसा कोई संशोधन विधेयक पारित नहीं हो सका।

क्या था प्रस्ताव

इस संविधान संशोधन विधेयक में परिसीमन के बाद लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 तक करने का प्रस्ताव था। साथ ही 2029 के आम चुनावों से पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की योजना शामिल थी। इसके अलावा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं में भी महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण सुनिश्चित करने का प्रावधान रखा गया था। उद्देश्य था कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व में महिलाओं की भागीदारी बढ़े और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान मिल सके, लेकिन यह प्रस्ताव पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा सका।

अमित शाह का आरोप

लोकसभा में परिसीमन और महिला आरक्षण विधेयकों पर बहस के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि 1976 में इंदरा गांधी सरकार ने परिसीमन पर रोक लगाकर देश को इससे वंचित किया और आज भी विपक्ष इसका विरोध कर रहा है। शाह ने कहा कि 'एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य' सुनिश्चित करने के लिए परिसीमन जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि इससे एससी-एसटी सीटों में संतुलन आएगा और जनसंख्या असमानता दूर होगी। साथ ही उत्तर-दक्षिण विवाद को भी निराधार बताया।

राहुल गांधी का आरोप

लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक गिरने के बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे विपक्ष की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह बिल संविधान और चुनावी संरचना पर हमला था, जिसे विपक्ष ने मिलकर रोक दिया। गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार महिलाओं के नाम पर भ्रम फैला रही थी और ओबीसी प्रतिनिधित्व व जातीय जनगणना से बच रही है। उन्होंने दक्षिण व छोटे राज्यों के अधिकारों की रक्षा का आश्वासन देते हुए कहा कि विपक्ष किसी भी तरह प्रतिनिधित्व से छेड़छाड़ नहीं होने देगा।

हरिवंश नारायण सिंह तीसरी बार राज्यसभा के उपसभापति चुने गए

राज्यसभा के मनोनीत सदस्य हरिवंश नारायण सिंह लगातार तीसरी बार उपसभापति निर्वाचित हुए। विपक्ष द्वारा उम्मीदवार न उतारने के कारण उनका चयन निर्विरोध रहा, जिसकी औपचारिक घोषणा शुक्रवार को की गई। उनका पिछला कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हुआ था, जिसके बाद यह पद रिक्त था। सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने नियमों के तहत चुनाव प्रक्रिया तय की थी। विपक्ष ने लोकसभा में उपाध्यक्ष की नियुक्ति न होने के विरोध में इस चुनाव का बहिष्कार किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरिवंश को बधाई देते हुए कहा कि उनका पुनर्निर्वाचन सदन के विश्वास और उनके अनुभव का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास जताया कि हरिवंश के नेतृत्व में सदन की कार्यवाही और प्रभावशीलता और मजबूत होगी।

मप्र में पारा 43 डिग्री पार!

सबसे गर्म नर्मदापुरम

भोपाल। मप्र में भीषण गर्मी ने रफ्तार पकड़ ली है और इस सीजन में पहली बार तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। नर्मदापुरम सबसे गर्म रहा, जहां 43 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि रतलाम, दमोह और मंडला में भी पारा 42 डिग्री के आसपास रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत 28 शहरों में तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है और कई जिलों में गर्म हवाएं चलने की संभावना जताई है। दिन के साथ रात में भी गर्मी कम नहीं हो रही, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ गई है। विशेषज्ञों ने सावधानी बरतने और पर्याप्त पानी पीने की सलाह दी है।

किन जिलों में हीटवेव अलर्ट

मौसम विभाग ने मप्र के कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। इसमें भोपाल, धार, नर्मदापुरम, रतलाम, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला और बालाघाट प्रमुख हैं। इन क्षेत्रों में तेज गर्म हवाएं चलने की संभावना है, जिससे तापमान 41 डिग्री या उससे अधिक रह सकता है। विभाग ने चेतावनी दी है कि दोपहर के समय धूप में निकलना स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है। लगातार बढ़ती गर्मी के चलते स्थिति और गंभीर हो सकती है, इसलिए लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है।

निगम मंडलों की ताजपोशी के नाम तय

जबलपुर विकास प्राधिकरण से संदीप जैन का नाम लगभग तय!

जबलपुर. प्रातः किरण संवाददाता

मप्र की राजनीति में निगम, मंडल और प्राधिकरणों में संभावित नियुक्तियों को लेकर हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, सरकार संगठनात्मक संतुलन साधने के लिए अनुभवी नेताओं, पूर्व मंत्रियों और विधायकों को जिम्मेदारी देने की तैयारी में है। जबलपुर विकास प्राधिकरण के लिए संदीप जैन का नाम लगभग तय माना जा रहा है। वहीं अनुसूचित जाति आयोग के लिए कैलाश जाटव, जनजाति आयोग के लिए भगत सिंह नेताम और युवा आयोग के लिए प्रवीण शर्मा के नाम चर्चा में हैं। लघु उद्योग निगम में विनोद गोटिया, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन में संजय नगाइच और वित्त विकास निगम में दीपक सक्सेना की संभावनाएं जताई जा रही हैं। क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए भोपाल, इंदौर और जबलपुर से भी नाम सामने आए हैं। हालांकि अंतिम निर्णय पर अभी आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

संभावित नियुक्तियों की सूची इस प्रकार है

सूत्रों के मुताबिक कई प्रमुख पदों के लिए नाम लगभग तय माने जा रहे हैं। जबलपुर विकास प्राधिकरण में संदीप जैन, अनुसूचित जाति आयोग में कैलाश जाटव, जनजाति आयोग में भगत सिंह नेताम और युवा आयोग में प्रवीण शर्मा के नाम प्रमुख हैं। इसके अलावा लघु उद्योग निगम के लिए विनोद गोटिया, वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन के लिए संजय नगाइच और कटनी व ओरछा विकास प्राधिकरण में भी नए चेहरों को जिम्मेदारी मिल सकती है। इन नामों को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है और अंतिम सूची का इंतजार किया जा रहा है।

दिग्गजों की दावेदारी

सरकार वरिष्ठ नेताओं को भी समायोजित करने की रणनीति पर काम कर रही है। संभावित दावेदारों में अरविंद भदौरिया, रामनिवास रावत, उमाशंकर गुप्ता, कमल पटेल, रामपाल सिंह और इमरती देवी जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा कई पूर्व विधायक और वर्तमान विधायक भी सूची में बताए जा रहे हैं। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए भोपाल, इंदौर और जबलपुर से अध्यक्ष नियुक्त करने की योजना है। खास तौर पर कोल विकास प्राधिकरण के पद पर रामलाल रौतेल का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है।

15 लाख का इनामी नक्सली सहदेव समेत 4 ढेर, मिसिर बेसरा की घेराबंदी

हजारीबाग. एजेंसी

झारखंड में नक्सलियों के खिलाफ शुक्रवार को सुरक्षाबलों को बड़ा कामयाबी हाथ लगी। इंटेलिजेंस ब्यूरो के सटीक इनपुट के बाद सुरक्षाबलों ने चतरा और हजारीबाग जिले के बॉर्डर पर घेराबंदी की। इसी दौरान हुई मुठभेड़ में पुलिस और सुरक्षाबलों की टीम ने चार खूंखार नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में एक 15 लाख रुपए का इनामी कमांडर सहदेव महतो भी शामिल है। झारखंड पुलिस मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इंटेलिजेंस ब्यूरो को चतरा और हजारीबाग जिले की सीमा पर नक्सलियों के एक बड़े दस्ते की मौजूदगी की सटीक सूचना मिली थी। इस इनपुट के आधार पर स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबलों ने संयुक्त घेराबंदी शुरू की। खुद को घिरा देख नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने मोर्चा संभाला और घंटों चली इस भीषण मुठभेड़ में चार कुख्यात नक्सलियों को ढेर कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, कुछ अन्य नक्सलियों के घायल होने की भी प्रबल संभावना है।

दो महीनों से जारी जंग के बाद, ईरान ने सबके लिए खोल दिया होर्मुज

तेहरान. एजेंसी

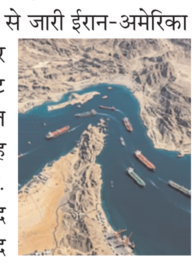

दुनिया के लिए सबसे बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है. लगभग 2 महीनों से जारी ईरान-अमेरिका युद्ध खत्म होने की कगार पर है और इसे पहले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज कॉमर्शियल जहाजों के लिए पूरी तरह से खोल दिया गया है. ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने खुद सोशल मीडिया पर इसका ऐलान करते हुए पूरी दुनिया को चौंका दिया है. लेबनान में हुए संघर्षविराम के बाद ईरान ने अपना वादा निभाते हुए तेल और गैस की सप्लाई का रास्ता साफ कर दिया है।

ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने ट्वीट कर जानकारी

ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने ट्वीट कर जानकारी दी कि लेबनान में सीजफायर के साथ ही होर्मुज की खाड़ी से सभी व्यापारिक जहाजों के गुजरने का रास्ता पूरी तरह खोल दिया गया है। ईरान के 'पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन' द्वारा बताए गए तालमेल वाले रूट से अब दुनिया के किसी भी देश का जहाज बिना किसी डर के गुजर सकेगा। होर्मुज के खुलने का सबसे बड़ा असर तेल की कीमतों पर पड़ने वाला है। पिछले कई दिनों से तेल के जहाज ओमान की खाड़ी में फंसे हुए थे, जिससे दुनिया भर में कच्चे तेल की कमी और महंगाई का डर बैठ गया था।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने 'एकात्म पर्व' का किया शुभारंभ

ओंकारेश्वर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को पांच दिवसीय 'एकात्म पर्व' का शुभारंभ कार्यक्रम। डॉ. मोहन यादव ने श्री द्वारका शारदा पीठ के जगदगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती महाराज अभिवादन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विद्वान सातवधानी ललितादित्य जी श्रृंगेरी का सम्मान किया।

पुलिस ने गुजरात में दी दबिश

सीएम सम्राट चौधरी को मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

पटना. प्रातः किरण संवाददाता

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जान से मारने की धमकी देने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये गिरफ्तारी गुजरात से हुई है।

सीएम को धमकी मिलने के बाद बिहार पुलिस ने मोबाइल नंबर को ट्रेस किया तो लोकेशन गुजरात निकली। इस पर पुलिस गुजरात पहुंची और गुजरात पुलिस के सहयोग से आरोपी शेखर यादव को अहमदाबाद जिले के साणंद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मूल रूप से बिहार के बांका जिले का रहने वाला है। वो गुजरात में ड्राइवर के तौर पर काम कर रहा था। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में आरोपी शेखर यादव ने धमकी देने के पीछे की जो वजह बताई, वो चौंकाने वाली थी। आरोपी ने बताया कि बिहार में उसके साथ मारपीट हुई थी। इस घटना को लेकर उसने पुलिस ने शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की।

FIR में जबरन धर्म परिवर्तन का जिक्र नहीं, निदा के वकील का दावा

मुंबई. प्रातः किरण संवाददाता

महाराष्ट्र के नासिक स्थित टीसीएस से जुड़े बीपीओ यूनिट मामले ने नया मोड़ ले लिया है। इस केस में आरोपी निदा खान की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता बाबा सैय्यद ने कहा कि एफआईआर में कहीं भी जबरन धर्म परिवर्तन का जिक्र नहीं है। बावजूद इसके निदा को मास्टरमाइंड के तौर पर पेश किया जा रहा है, जबकि उनकी भूमिका सिर्फ एक सीआर में ही बताई गई है। वकील बाबा सैय्यद ने कहा कि निदा खान के खिलाफ सिर्फ धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है।

यह लगे हैं आरोप

वहीं, इस मामले में निदा खान के परिवार ने भी सभी आरोपों को खारिज किया है। उनके पिता ने कहा कि यह सब फर्जी है और किसी अन्य मामले को दबाने के लिए उनकी बेटी को फंसाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि निदा ने कभी किसी से धर्म परिवर्तन के लिए नहीं कहा और न ही किसी अन्य धर्म के देवी-देवताओं के बारे में कुछ गलत कहा।

उन्होंने साफ किया कि निदा खान कंपनी में एचआर हेड नहीं थीं, बल्कि एक प्रोसेस एसोसिएट के तौर पर काम करती थीं। कंपनी द्वारा भेजे गए सस्पेंशन लेटर में भी यही पद दर्ज है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर निदा सामने आती हैं तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

कोर्ट सबरीमाला मंदिर केस पर सुप्रीम कोर्ट में बहस जारी, 9 जजों की बेंच के सामने हुई अहम सुनवाई

धार्मिक प्रथा को विज्ञान की कसौटी पर परखा, तो कोई धर्म नहीं बचेगा

नई दिल्ली. प्रातः किरण संवाददाता

सबरीमाला मंदिर केस को लेकर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच में सुनवाई के दौरान धर्म और न्यायपालिका की सीमाओं पर गहन बहस हुई। वरिष्ठ वकील राजीव धवन ने तर्क दिया कि भारत में आस्था विविध है और अलग-अलग संप्रदायों के अपने रीति-रिवाज होते हैं, जिन्हें संविधान के अनुच्छेद 26 के तहत संरक्षण मिल सकता है। उन्होंने 'अभिन्न धार्मिक प्रथा' तय करने के न्यायिक परीक्षण का विरोध करते हुए कहा कि हर परंपरा को विज्ञान की कसौटी पर कसने से धर्म का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाएगा। वहीं, अय्यप्पा भक्त संघ की ओर से पेश वरिष्ठ वकील वी. गिरी ने कहा कि सदियों पुरानी परंपराओं में अदालत का हस्तक्षेप अनुचित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 25 के तहत धार्मिक स्वतंत्रता सीमित परिस्थितियों में ही नियंत्रित की जा सकती है।

'अभिन्न प्रथा' पर विवाद

सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा मुद्दा यह रहा कि अदालत कैसे तय करे कि कौन-सी धार्मिक प्रथा 'अभिन्न' है। राजीव धवन ने इस परीक्षण को गलत बताते हुए कहा कि इससे न्यायपालिका धर्म के मूल स्वरूप में हस्तक्षेप करती है। उन्होंने अमेरिकी न्यायाधीश जज स्कैलिया का हवाला देते हुए इसे 'कब्रिस्तान का पिशाच' कहा, जो बार-बार जटिलताएं पैदा करता है। धवन का मानना है कि आस्था को केवल तार्किक या वैज्ञानिक आधार पर नहीं परखा जा सकता, क्योंकि धर्म का मूल आधार विश्वास है, न कि प्रमाण।

परंपरा-आस्था का पक्ष

अय्यप्पा भक्तों की ओर से वी. गिरी ने कहा कि सबरीमाला मंदिर विवाद की परंपराएं सदियों पुरानी हैं और उन्हें बदलना उचित नहीं। उन्होंने बताया कि भगवान अय्यप्पा 'नैष्ठिक ब्रह्मचारी' माने जाते हैं, इसलिए 10 से 50 वर्ष की महिलाओं का प्रवेश परंपरा के अनुसार वर्जित है। गिरी ने 'देवप्रशनम' जैसी धार्मिक प्रक्रियाओं का भी उल्लेख किया, जिनसे मंदिर की परंपराओं का निर्धारण होता है। उन्होंने कहा कि न्यायालय को धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करना चाहिए और उनमें अनावश्यक हस्तक्षेप से बचना चाहिए।

संविधान और सीमाएं

सुनवाई में अनुच्छेद 25 और 26 की व्याख्या भी प्रमुख मुद्दा रही। वकीलों ने कहा कि धर्म की स्वतंत्रता पूर्ण नहीं है और इसे सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के आधार पर सीमित किया जा सकता है। हालांकि, व्यक्तिगत आस्था में दखल देना उचित नहीं माना गया। सुप्रीम कोर्ट के सामने यह सवाल भी उठा कि क्या याचिकाकर्ता वास्तव में धार्मिक आस्था के तहत मंदिर प्रवेश चाहते हैं या केवल परंपराओं को चुनौती देना उनका उद्देश्य है। यह मामला अब भी संवैधानिक संतुलन की परीक्षा बना हुआ है।

फिजिक्सवाला छात्रों की सीबीएसई 10वीं में रिकॉर्ड सफलता

शहर के कई छात्रों ने भी किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

फिजिक्स वाला पीडब्ल्यू के लिए आज का दिन गर्व और उत्सव का रहा, जब इसके कई विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक प्राप्त किए। इनमें कुछ विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत अंक हासिल किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में पंजाब के फाजिल्का से वैभव अरोड़ा, गुजरात के अहमदाबाद से अमोलिक पंडिता और ओडिशा के भुवनेश्वर से आयुष्मान महापात्रा शामिल हैं, जिन्होंने 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त पीडब्ल्यू विद्यापीठ, जो फिजिक्सवाला के तकनीक-सक्षम ऑफलाइन केंद्र हैं ने जबलपुर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में शहर के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा 2026 में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। प्रमुख प्रदर्शनकर्ताओं में वेद गुप्ता 98.60 प्रतिशत, हर्ष हल्दकर 97.60 प्रतिशत और अर्चना जोगलेकर 97.60 प्रतिशत शामिल रहीं।

अपने अनुभव साझा करते हुए वैभव अरोड़ा ने कहा कि नियमित तैयारी, सतत अभ्यास और स्कूल व पीडब्ल्यू शिक्षकों के मार्गदर्शन ने मुझे पूर्ण अंक प्राप्त करने में मदद की। अमोलिक पंडिता ने बताया नियमित पुनरावृत्ति और नमूना प्रश्न पत्र हल करना मेरे लिए 100 प्रतिशत अंक लाने में बहुत सहायक रहा। आयुष्मान महापात्रा ने कहा कि अनुशासन बनाए रखते हुए एक सुव्यवस्थित अध्ययन योजना का पालन करना मेरी सफलता की कुंजी रहा। परिणामों पर अपने विचार साझा करते हुए अलख पांडेय, संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फिजिक्सवाला ने कहा कि हम परीक्षा में शामिल हुए सभी विद्यार्थियों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हैं।

विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को बधाई, जिन्होंने पूर्ण अंक हासिल किए। ये परिणाम निरंतर प्रयास और सही शैक्षणिक सहयोग प्रणाली को दर्शाते हैं। इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10 परीक्षा में 25 लाख से अधिक विद्यार्थी सम्मिलित हुए। इन विद्यार्थियों का प्रदर्शन यह दर्शाता है कि सुनियोजित ऑनलाइन एवं मिश्रित शिक्षण पद्धति शैक्षणिक सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सफलता का परचम

रेयांश गौड़- होनहार छात्र रेयांश गौड़ ने कक्षा 10 सीबीएसई बोर्ड में 98.2 प्रतिशत अंक हासिल कर सेंट एलॉसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पोलीपाथर का नाम रौशन किया है। रेयांश गौड़ का अपने स्कूल 10 बोर्ड टॉपर लिस्ट में पहला स्थान रहा। रेयांश गौड़ सुखसागर वैली ग्वारीघाट निवासी शिशिर गौड़ और सुनीता गौड़ के सुपुत्र हैं और वे भविष्य में इंजीनियर बनना चाहते है।

आदया साहू: जॉय सीनियर सेकंडरी स्कूल की छात्रा आदया साहू ने 10वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 91.2 प्रतिशत अंक हासिल किया है। सीनियर जर्नलिस्ट मयंक साहू और प्रियंका साहू की सुपुत्री आदया साहू भविष्य में जेईई की तैयारी कर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में करियर बनाना चाहती हैं।

प्रगति तिवारी: छात्रा प्रगति तिवारी ने माध्यमिक शिक्षा मंडल 12वीं बोर्ड परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक हासिल कर उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। प्रगति ने अपनी सफलता का श्रेय सेल्फ स्टडी और नियमित पढ़ाई को दिया। प्रगति तिवारी प्राइवेट कर्मचारी प्रमोद तिवारी और प्राची की सुपुत्री हैं।

शिवानी त्रिपाठी: सीबीएसई 10वीं परिक्षा में शिवानी त्रिपाठी ने 96.1 प्रतिशत अंक प्राप्त करने में सफलता हासिल की है। शिवानी ने मैथ्स और सोशल साइंस में

100 अंक प्राप्त किए हैं। शिवानी की खेल सिंगिंग एवं पेंटिंग में रुचि है। शिवानी वुशु खेल में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त कर चुकी हैं। शिवानी डीआईजी कार्यालय मे पदस्थ निज सहायक मृदुल त्रिपाठी और शोभना त्रिपाठी की पुत्री है।

करियर : विधि के क्षेत्र में तलाशें रोजगार

भारत में विधि के बारे में प्रायः यह सोचा जाता है कि इस क्षेत्र में काफी पैसा मिलता है और इस पेशा से अनेक लोगों से संबंध स्थापित होते हैं।

डॉ. रामप्रकाश चौबे
कुलसचिव
महाकौशल विश्विद्यालय , जबलपुर (म.प्र.)

विधि के क्षेत्र में वर्षों से परिवर्तन होता आ रहा है। कभी यह पेशा संभ्रांत वर्ग का गढ़ समझा जाता था, जो सिविल और फौजदारी मुकदमों पर ही केंद्रित था। लेकिन अब व्यवसाय के रूप में विधि के क्षेत्र में समाज का बहुत बड़ा हिस्सा शामिल हो चुका है और धीरे-धीरे यह विशेषज्ञता-युक्त क्षेत्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। वर्षों से विधि के क्षेत्र में विशेष परिवर्तन नहीं आया है; लेकिन सर्वाधिक संस्थानों में प्रवेश परीक्षा होती है, क्योंकि उम्मीदवारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बंगलौर और सिम्बोसिस, पुणे जैसे कुछ संस्थानों में स्कूली शिक्षा पूरी कर चुके विद्यार्थियों के लिए पांच वर्ष समानता एल.एल.बी. पाठ्यक्रम चलाया जाता है। दिल्ली के विधि संकाय जैसे अन्य संस्थान स्नातक स्तर के विद्यार्थियों को प्रवेश देते हैं। गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, मुंबई पहला संस्थान है, जहाँ देश में सबसे पहले विधि की पढ़ाई आरंभ की गई थी। इसके पूर्व विद्यार्थियों की सूची में मोतीलाल सीतलवाड - प्रथम एटॉर्नी जनरल तथा बी.आर. अंबेडकर जैसे नाम थे। किसी अन्य लोकतंत्र के समान भारत में विधायी प्रणाली में शासन का तीसरा स्तंभ विधानमंडल या कार्यपालिका शामिल है तथा अन्य मजबूत स्तंभ मीडिया क्षेत्र है। न्यायपालिका संविधान की पवित्रता बनाए रखती है और नागरिकों के अधिकार सुरक्षित/सुनिश्चित करती है। इस प्रकार न्यायपालिका की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है। हाल के कुछ वर्षों में न्यायपालिका के प्रति लोगों का विश्वास जगमगाता देखा गया है। विलंब और महंगी मुकदमेबाजी के कारण लोग न्यायालय से बाहर समझौता करने के लिए आधार तलाश करते हैं। स्वयं न्यायपालिका यह अनुभव करती है कि व्यवसाय के रूप में विधि क्षेत्र व्यवसायियों का ही गया है। इसके अलावा अन्य महत्वपूर्ण अंतर यह आया है कि इस क्षेत्र में महिला वकीलों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। विधि अब पुरुषों का ही गढ़ नहीं रहा है। अधिकांश महिलाएं इस क्षेत्र में प्रवेश कर रही हैं तथा पुरुषों के समान पाई गई हैं।

तथापि अधिकांश महिलाएं नियमित प्रैक्टिस की बजाय फर्मों या कॉर्पोरेट क्षेत्र में विधि व्यवसाय अपनाती हैं। महिला वकील फौजदारी मुकदमों की बजाय तलाक के मामलों को प्राथमिकता देती हैं। सबसे बड़ा कारक सूचना प्रौद्योगिकी तथा वर्ल्ड वाइड वेब का प्रभाव है, जिससे देश में वकालत के तरीके में विशिष्ट या उल्लेखनीय बदलाव आया है। भारत में सूचना प्रौद्योगिकी युग आ चुका है, क्योंकि लगभग सभी क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी का गहरा प्रभाव पड़ा है। किसी भी मामले का शोध कार्य अधिक सरल हो गया है। आज डिजिटल दस्तावेज फौजदारी मामलों में साक्ष्य समझे जाते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी विधेयक पारित हो जाने से विधि के क्षेत्र में एक नया अध्याय खुल गया है। इंटरनेट पर कानूनी और गैर-कानूनी पक्ष के बीच विद्यमान सूक्ष्म अंतर रेखा के कारण जरूरी हो गया है कि साइबर विधि का अलग सेट तैयार किया जाए। विशेष रूप से वर्ष 1995 के बाद उदारीकरण प्रक्रिया के कारण देश के वकीलों का कार्य-क्षेत्र बढ़ गया है। सन् 1995 में विश्व व्यापार संगठन की स्थापना तथा बाद में भारत द्वारा इसमें शामिल हो जाने से भारतीय विधि क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। डंपिंग, आई.पी.आर., आर्थिक सहायता से भारतीय विधि क्षेत्र को नया आयाम मिला है। आज अनेक कानून अब प्रयोग में नहीं आते। वैश्वीकरण की वजह से विश्व सिमट गया है और इसलिए जटिल तथा अतिव्याप्त विधायी मुद्दों को पैदा करने वाली समस्याएं भी पूरे विश्व से जुड़ गई हैं। इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय विधि पर्याप्त महत्ता हासिल कर चुकी है। इनमें से किसी भी क्षेत्र में व्यक्ति विशेषज्ञता प्राप्त कर सकता है।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में- कंपनी अधिनियम, साझेदारी वाली फर्मों, कॉर्पोरेट के ड्राइंग विलेख आदि से संबंधित विधायी मुद्दे कॉर्पोरेट विधि को सर्वोत्तम ढंग से परिभाषित करते हैं। सरल शब्दों में, कॉर्पोरेट वकील योजनाकार तथा परामर्शदाता की भूमिका निभाता है। वह कॉर्पोरेट तथा वाणिज्यिक पद्धति में सफलता के लिए अपेक्षित बौद्धिक मूल युक्तियां विकसित करता है। उसके कार्य में मेजर करारों तथा ऐसे दस्तावेजों का विश्लेषण शामिल है, जो सार्वजनिक या प्राइवेट ऋण या इक्विटी शेयर जारी करने, बैंक वित्त पोषण कराने, लाइसेंस करारनामे या शेयर-धारकों के करारनामे से संबंधित है। कॉर्पोरेट विधि में आपको विधायी अधिकारों, देयताओं तथा विशेषाधिकारों के बारे में कॉर्पोरेट को सलाह देनी पड़ती है। भारत में पृथक विषय के अध्ययन के रूप में कॉर्पोरेट विधि को पिछले कुछ वर्षों से ही महत्व समझा जा रहा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियां तथा छोटी फर्में विशेष मामलों एवं कंपनी के व्यवसाय को संभालने के लिए कॉर्पोरेट वकील रखती हैं। कॉर्पोरेट वकील का न्यूनतम प्रारंभिक वेतन काफी ऊंचा है। फौजदारी के क्षेत्र में- फौजदारी वकील मुख्य रूप से विधिक जटिलताओं वाले चोरी, हत्या, बलात्कार, अपहरण, कालाबाजारी, डकैती आदि मामलों को निपटाता है। फौजदारी वकीलों को भारतीय दंड संहिता की तमाम धाराओं तथा अधिनियमों से अवगत होना चाहिए। साथ ही फौजदारी प्रक्रिया संहिता से भलीभांति परिचित होना चाहिए। एडवोकेट के रूप में फौजदारी वकील अपने मुवक्किल के समर्थन में दलीलें देकर आपराधिक परीक्षण में अपने पक्षों का प्रतिनिधित्व करते हैं। सलाहकारों के रूप में फौजदारी वकील अपने मुवक्किल को विधायी अधिकारों व देयताओं के बारे में परामर्श देते हैं तथा संबंधित मुद्दे पर सही और विशिष्ट उपाय का सुझाव देते हैं। फौजदारी वकील बहुत अच्छे पैसा कमा सकता है। यह उसकी बाजार मांग (मार्केट वेल्यू) तथा मुवक्किल और परीक्षण (मुकदमे) की अवधि पर निर्भर करता है। निश्चित रूप से यह विधि का सर्वाधिक रोमांचक विशेषज्ञता-युक्त क्षेत्र है। पर्यावरण के क्षेत्र में- आज ग्लोबल परिदृश्य पर पर्यावरणीय मुद्दे अधिक हावी होते जा रहे हैं।

एमसीआई की कार्रवाई पर कोर्ट सख्त

डॉक्टरों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, 6 महीने का लाइसेंस निलंबन आदेश रद्द

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को बड़ी राहत देते हुए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा जारी लाइसेंस निलंबन के आदेश को निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि यह कार्रवाई बिना उचित मूल्यांकन और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना की गई, इसलिए इसे अवैध माना जाता है। न्यायमूर्ति दीपक खोते की एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि स्ष्टद्ध ने रिकॉर्ड पर उपलब्ध दस्तावेजों का सही ढंग से परीक्षण नहीं किया और जल्दबाजी में निर्णय ले लिया। कोर्ट ने कहा कि किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से पहले निष्पक्ष जांच और सभी पक्षों को सुनना जरूरी होता है।

6 महीने के लिए निलंबित किया गया था लाइसेंस

दरअसल, डॉ. हर्ष सक्सेना, डॉ. आलोक अग्रवाल सहित अन्य डॉक्टरों के लाइसेंस को 6 महीने के लिए निलंबित कर दिया गया था। यह कार्रवाई एमसीआई के निर्देश पर भोपाल स्थित मेडिकल काउंसिल द्वारा की गई थी।

विदेश यात्रा को लेकर लगा था आरोप

मामले की जड़ में वर्ष 2021 की वह विदेश यात्रा है, जब न्यूरोसर्जनों की एक टीम लंदन गई थी। एक सामाजिक संगठन ने आरोप लगाया था कि इस यात्रा को एक निजी फार्मा कंपनी द्वारा प्रायोजित किया गया था, जो नियमों के खिलाफ है।

डॉक्टरों ने पेश किए सबूत

डॉक्टरों की ओर से अधिवक्ता सुमित रघुवंशी ने कोर्ट में पक्ष रखते हुए कहा कि पूरी यात्रा का खर्च डॉक्टरों ने खुद उठाया था। इस संबंध में बैंक चेक और ट्रांजेक्शन के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए गए। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने माना कि एमसीआई के आदेश में कई गंभीर खामियां हैं और यह विधिसम्मत नहीं है। इसी आधार पर कोर्ट ने लाइसेंस निलंबन के आदेश को रद्द कर दिया। हाईकोर्ट के इस फैसले के बाद संबंधित डॉक्टरों को बड़ी राहत मिली है और अब वे बिना किसी प्रतिबंध के अपनी सेवाएं जारी रख सकेंगे।

सरकार ने स्वच्छ ईंधन प्रणाली को किया मज़बूत

जबलपुर। भारत सरकार, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के माध्यम से उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुरक्षा, पारदर्शिता और सिस्टम की अखंडता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाले स्वच्छ ईंधन के सिस्टम को मज़बूत बना रही है। एक राष्ट्व्यापी अभियान के तहत ने जमाखोरी जैसे गलत तरीकों के खिलाफ कार्रवाई तेज़ कर दी गई है, साथ ही देश भर में बिना रूकावट एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा टेक्नोलॉजी के उपयोग एवं वितरण नेटवर्क पर कड़ी निगरानी रखते हुए जवाबदेहिता और सर्विस डिलीवरी में सुधार लाया जा रहा है, जिससे सिस्टम में उपभोक्ताओं का भरोसा और बढ़ रहा है। स्वच्छ ईंधन को सुलभ बनाने के लिए व्यापक नीतियों के तहत पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर के तीव्र विस्तार से इन प्रयासों को और गति मिली है। उपलब्धता के स्थिर होने के साथ पारदर्शिता बढ़ रही है।

प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी — 48 वर्षों से कलविद स्वर्गीय शशिन यादव की स्मृति में मिलन फोटोग्राफिक सोसायटी द्वारा आयोजित

ये जाने अनजाने छायाकार प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

विगत 48 वर्षों से कलविद स्वर्गीय शशिन यादव की स्मृति में मिलन फोटोग्राफिक सोसायटी द्वारा आयोजित फोटो प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी 2026 के परिणाम घोषित कर दिये गये है। इस वर्ष आयोजित प्रतियोगिता में देश भर से छायाकरों के चित्र प्राप्त हुए जिसमें स्श्वेत श्याम वर्ग में प्रथम चिन्मय भट्टाचार्यजी (कोलकाता), द्वितीय - कैलाश मित्तल (इंदौर), तृतीय - प्रवीण रावत (इंदौर), सांत्वना पुरस्कार क्रमशः शैलेश पटेल, मुकेश श्रीवास्तव, संजय जैन पद्माकर गढ़े, उदयन जॉर्डन, सचिन मटकर, डॉ अनिमेष सक्सेना, आर्नत झा, विवेक जोशी, रविंद्र पुनतांबेकर, शिवानी शर्मा, सीतानाथ पॉल, अजय पारिख, हिमांशु रॉय बोस को प्राप्त हुए। रंगीन वर्ग में प्रथम प्रवीण रावत (इंदौर), द्वितीय विजय चंदेल (इंदौर) एवं तृतीय कैलाश मित्तल (इंदौर)एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः चिन्मय भट्टाचार्यजी, मुकेश श्रीवास्तव, प्रकाश हथावले, चेतन सोनी, संजय धाकड़, डॉ निर्मल जैन, संजय जैन, घनश्याम कोठारी, उदयन जॉर्डन, महेंद्र राठौर, देशभूषण जैन, अनुराग बुधौलिया, प्रांजल वर्मा, शैलेश पटेल, अफरोज खान, सिद्धार्थ पटवा, वैशाली शर्मा, अमित सोनी, कमलेश रजक को प्राप्त हुए। वाइल्डलाइफ एवं नेचर कैटेगरी में प्रथम सैयद अदनान(भोपाल), द्वितीय - सुरेश खरे (मुंबई), तृतीय - विजय चंदेल (इंदौर) एवं सांत्वना पुरस्कार क्रमशः गुरविंदर छाबड़ा, राहुल पंडित, अखिल हार्डिया,अनिमेष सक्सेना, चिंताहरण घोष ,देवेंद्र श्रीमाली, डॉ दिलीप कटियार, स्तुति घोष, विप्राश पांडेय, सैयद नैय्यर आलम, करणवीर वाधवा, गार्गी, जीतू बुधौलिया, अमनप्रीत सलूजा, आनंद शिवहरे को प्राप्त हुए। जबलपुर के युवा छायाकारो के लिए इस वर्ष से डॉ केसी सक्सेना की याद में इस वर्ष डॉ रोहित भंडारी एवं समर्थ सिंघई को दिया गया। इस वर्ष का प्रेस छायाकारी के लिए दिया जाने वाला अरविंद स्मृति पुरस्कार सुशील चौबे को दिया गया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों, कुंदन सिंह परिहार, राजेंद्र दानी ,डॉ. हर्ष सक्सेना व एमआईएफओ के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश्वर राव ने शशिन यादव के चित्र पर द्वीप जला कर किया वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन सिंह परिहार ने फोटोग्राफी की विधा को समझाया, शशिन जी पुराने दिनों को कथाकार राजेंद्र दानी ने याद किया, पंकज स्वामी ने शशिन जी का जीवन परिचय दिया मुकुल यादव ने मिफोसो की गतिविधियों पर प्रकाश डाला, कार्यक्रम का संचालन आशुतोष द्विवेदी ने किया।

मोहनिया में बनेगा औद्योगिक केंद्र, युवाओं को मिलेगा रोजगार

कैंट विधायक अशोक रोहाणी ने किया स्थल निरीक्षण, दिए निर्देश

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

कैंट विधानसभा क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए, विधायक श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी ने रांझी क्षेत्र के मोहनिया में प्रस्तावित औद्योगिक केंद्र का स्थल निरीक्षण किया। उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पहुंचे विधायक ने परियोजना की बारीकियों को समझा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह महत्वाकांक्षी परियोजना लगभग 25 एकड़ की विशाल भूमि पर आकार लेने जा रही है। इस औद्योगिक केंद्र की स्थापना से कैंट विधानसभा के परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है यह सिर्फ एक निर्माण नहीं, बल्कि हमारे क्षेत्र के युवाओं के सपनों की उड़ान है। इस केंद्र के माध्यम से हजारों स्थानीय युवाओं के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के द्वार खुलेंगे।

शीघ्र होगा भूमिपूजन-

क्षेत्रवासियों के लिए खुशी की बात यह है कि बहुत जल्द मध्य प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के कर-कमलों द्वारा इस केंद्र का भूमिपूजन संपन्न होगा। भूमिपूजन के तुरंत बाद निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दिया जाएगा, ताकि समय सीमा के भीतर युवाओं को इसका लाभ मिल सके। स्थल निरीक्षण के इस महत्वपूर्ण अवसर पर विधायक जी के साथ विकास कार्यों के प्रति समर्पित जन प्रतिनिधि और कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से सदस्य दामोदर सोनी, पार्षद सावित्री शाह, संतोषी ठाकुर, अनुराग दहिया, आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर ने मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित सत्र 2025-26 की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की राज्य तथा जिला स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान अर्जित करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए आज शासकीय मॉडल स्कूल में जिला स्तरीय सम्मान समारोह का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत अभिषेक सिंह गहलोत उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने जिले के प्रगतिशील परीक्षा परिणामों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 73.42 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का परिणाम 77.26 प्रतिशत रहा है, जिसमें शासकीय विद्यालयों का प्रदर्शन विशेष रूप से उत्कृष्ट रहा है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कलेक्टर ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए कड़ी मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने छात्र-छात्राओं को निरंतर अध्ययनशील रहते हुए राष्ट्र एवं समाज के उत्थान में योगदान देने तथा गुरुजनों के प्रति सम्मान का भाव रखने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने परीक्षा में असफल रहे विद्यार्थियों को भी निराश न होकर पुनः पूर्ण मनोयोग एवं कठिन परिश्रम के साथ प्रयास करने की सीख दी। कार्यक्रम के दौरान राज्य स्तरीय मेरिट सूची में स्थान प्राप्त 12 तथा जिला स्तरीय सूची के 27 विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

रोजगार मेले में 119 आवेदकों का चयन

जबलपुर। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में तथा जिला प्रशासन जबलपुर के मार्गदर्शन में जिला रोजगार कार्यालय जबलपुर द्वारा स्थानीय बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के सुअवसर उपलब्ध कराने हेतु युवा संगम कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया। जिला रोजगार कार्यालय परिसर में आयोजित इस रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कुल 08 कंपनियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस कार्यक्रम के दौरान कुल 206 इच्छुक आवेदकों द्वारा अपना पंजीयन कराया गया। जिनमें से विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए योग्यता के आधार पर कुल 119 आवेदकों का प्राथमिक चयन सुनिश्चित किया गया है।

बिरसिंगपुर पावर प्लांट की यूनिट नंबर 5 ने रचा नया इतिहास

जबलपुर। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अंतर्गत बिरसिंगपुर स्थित संजय गांधी ताप विद्युत गृह की 500 मेगावाट क्षमता वाली यूनिट नंबर 5 ने विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में एक नया इतिहास रच दिया है। इस इकाई ने तकनीकी दक्षता और बेहतर प्रबंधन के समन्वय से लगातार 150 दिनों तक बिना रुके बिजली उत्पादन करने का लक्ष्य प्राप्त किया है। यह इकाई 16 नवंबर 2025 से निरंतर ग्रिड से जुड़ी हुई है और बिना किसी तकनीकी व्यवधान के अपनी सेवाएं दे रही है। यह उपलब्धि संयंत्र की मशीनों की मजबूती और रखरखाव की उच्च गुणवत्ता को स्पष्ट करती है। विद्युत उत्पादन के तय मानदंडों के आधार पर देखा जाए तो इस 150 दिन के सफर में यूनिट ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। यूनिट नंबर 5 ने इस अवधि के दौरान 98.64 प्रतिशत का प्लांट अवेलेबिलिटी फैक्टर बनाए रखने में सफलता पाई है। यह आंकड़ा बिजली उत्पादन के लिए यूनिट की स्थिरता और उपलब्धता की पुष्टि करता है। इसी तरह प्लांट लोड फैक्टर के मोर्चे पर भी इकाई ने 98.45 प्रतिशत का स्तर दर्ज किया है, जो उत्पादन क्षमता के अधिकतम और कुशल उपयोग को दर्शाता है। ऊर्जा दक्षता के मामले में भी प्रदर्शन सराहनीय रहा है और सहायक विद्युत खपत को 5.52 प्रतिशत के निचले स्तर पर सीमित रखा गया है। संयंत्र की इस बड़ी कामयाबी के पीछे मशीनों के सुचारू संचालन के साथ-साथ मानव श्रम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यूनिट नंबर 5 से जुड़े अभियंताओं, तकनीकी कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने समर्पित कार्यशैली का परिचय दिया है। लगातार निगरानी और समय पर गुणवत्तापूर्ण रखरखाव के कारण ही कठिन परिस्थितियों में भी मशीनरी का संचालन सुनिश्चित हो सका। कर्मचारियों की पेशेवर दक्षता और सक्रियता ने तकनीकी चुनौतियों को समय रहते हल किया जिससे उत्पादन की निरंतरता बनी रही।

50 चाइनीज चाकू के साथ पारस जैन गिरफ्तार

जबलपुर। शहर में अवैध हथियारों की सप्लाई पर शिकंजा कसते हुए पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार रात क्राइम ब्रांच और माढ़ोताल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश देकर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से बड़ी संख्या में चाइनीज चाकू बरामद किए गए हैं। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि माढ़ोताल क्षेत्र के मदर टेरेसा इलाके में एक घर में अवैध रूप से चाकू जमा कर सप्लाई की जा रही है। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी।

मेडिकल अस्पताल के डॉक्टर का वैश्विक मंच पर जलवा

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

अब वैश्विक स्तर पर स्तन कैंसर के उपचार और देखभाल से जुड़े महत्वपूर्ण संवाद का हिस्सा बनता जा रहा है। शहर के लिए यह गर्व का विषय है कि विश्व की प्रतिष्ठित संस्था अमेरिकन सोसाइटी ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स द्वारा आयोजित वैश्विक स्तन देखभाल गोलमेज चर्चा में जबलपुर की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। यह अंतरराष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम 29 अप्रैल से 3 मई तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें दुनिया भर के विशेषज्ञ एक मंच पर जुटकर स्तन कैंसर से जुड़ी नई तकनीकों, उपचार पद्धतियों और अनुसंधान पर चर्चा करेंगे।

इस वैश्विक मंच पर जबलपुर का प्रतिनिधित्व स्तन कैंसर विशेषज्ञ डॉ. संजय यादव कर रहे हैं। उनकी सहभागिता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे शहर के चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक बड़ी पहचान के रूप में देखी जा रही है। डॉ. यादव लंबे समय से स्तन कैंसर के उपचार और जनजागरूकता के क्षेत्र में सक्रिय हैं और उनके अनुभव का लाभ अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी साझा किया जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के वैश्विक मंचों पर भागीदारी से नई चिकित्सा तकनीकों, उन्नत शल्य प्रक्रियाओं और बेहतर मरीज देखभाल के तरीकों की जानकारी मिलती है। इससे स्थानीय स्तर पर भी मरीजों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। खासतौर पर स्तन कैंसर जैसे गंभीर रोग में समय पर जांच और आधुनिक उपचार पद्धतियों की जानकारी जीवन रक्षक साबित हो सकती है।

जबलपुर में पिछले कुछ वर्षों में स्तन कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शहर के चिकित्सकों और स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा किए जा रहे ये प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं, जो इस भागीदारी से स्पष्ट होता है। यह उपलब्धि न केवल जबलपुर के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के चिकित्सा क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक है। इससे आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है, जिससे मरीजों को और अधिक उन्नत और प्रभावी उपचार मिल सकेगा।

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ ब्रेस्ट के संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे डॉ. संजय यादव की भागीदारी

भगवान परशुराम प्रकटोत्सव पर आज निकलेगी भव्य शोभायात्रा

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

श्री भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पूर्व संध्या 18 अप्रैल शनिवार को ब्राह्मण एकता मंच एवं भगवान परशुराम वंशज के संयुक्त तत्वाधान में मालवीय चौक से विशाल शोभायात्रा श्री भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पूर्व संध्या पर आयोजित है। पं. वासुदेव शास्त्री, आशीष दुबे ने बताया शोभायात्रा मार्ग मालवीय चौक से सतना बिल्डिंग, लार्डगंज, घमंडी चौक, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, सराफा बजार होते हुये कोतवाली थाना के सामने सम्पन्न होगी। जिसमें 20 झाकियां तथा 51 प्रतिकात्मक फरसों के साथ वेद पाठी ब्राह्मण, घोंड़े, बधियों पर जीवांत झाँकी, बैल गाड़ी पर भगवान परशुराम जी की प्रतिमा, बैंड होगें एवं शहर के समस्त गणमान्य एवं हजारों की संख्या मे ब्राह्मण बंधु, महिलाऐं, बच्चियों सम्मिलित होंग। उत्तर मध्य विधायक अभिलाष पाण्डे, पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदू ने बताया शोभायात्रा मार्ग पर भिन्न-भिन्न संस्थाओं द्वारा मंच लगाकर भगवान श्री परशुराम जी की मूर्ति का पूजन अर्चन एवं सम्मिलित विप्र बंधुओं को मिष्ठान एवं शीतल पेय के साथ स्वागत किया जायेगा। पं. वीरेन्द्र चौबे, पं. सुधीर नायक ने बताया कि समापन स्थली कोतवाली थाने के सामने आगंतुक समस्त बंधुओं, महिलाओं, बच्चियों एवं गणमान्य नागरिकों के भोग भंडारे की व्यावस्था की गई है।

पं. सतीष उपाध्याय, पं. उमाशंकर दुबे, पं. राम दुबे, श्याम दुबे पं. योगेन्द्र दुबे, सुधीर नायक, पं. सुभाष तिवारी, अमरीष मिश्रा, आयेध्या तिवारी जी, पं. संतोष दुबे, पं. जयकांत दुबे पं. कपिल दुबे पं. विनोद शर्मा, पं. राहुल दुबे, पं. अतुल दुबे, शारंग दुबे, सुजस दुबे ने बता के लिये शहर के समस्त ब्राह्मण संगठन सम्पूर्ण ब्राह्मण मंच, ब्राह्मण मंच, कानकुब्ज सभा, सरयुपारी, सरयुपारी संगम, सनाड संगम, मैथिल ब्राह्मण, गौंड ब्राह्मण, भार्गव ब्राह्मण, राष्ट्रीय ब्राह्मण मंच, एवं अन्य ब्राह्मण संगठन इसमें सादर सम्मिलित है। हजारों की संख्या में शहर उपनगरी क्षेत्रों से ब्राम्हण बंधु इस शोभायात्रा में सम्मिलित होंगे और भगवान परशुराम जी हजारों की संख्या में शहर उपनगरी क्षेत्रों से ब्राम्हण बंधु इस शोभायात्रा में सम्मिलित होंगे और भगवान परशुराम जी का चरित्र का वर्णन करें। ब्राह्मण एकता मंच महिला मंडल गीता शरद तिवारी, रंजना मिश्रा, निशा दुबे, कल्पना मिश्रा, शीवानी दुबे, दीपशिखा मिश्रा, मीनाक्षी मिश्रा, अर्पिता दुबे, ज्योति दुबे, नीतु दबे, सुश्री पल्लवी दुबे, अनवेशा आदि ने ब्राह्मण बंधुओं से शोभायात्रा में अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है।

आईटीआई में रोजगारोन्मुखी शॉर्ट टर्म प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

जबलपुर। शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, जबलपुर में युवाओं में कौशल विकास के उद्देश्य से विभिन्न रोजगारोन्मुखी शॉर्ट टर्म कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। ग्लोबल स्किल पार्क भोपाल के साथ स्पोक एण्ड हब मॉडल के तहत संचालित इन कोर्सेज में बेसिक ड्रोन टेक्नीशियन, बेसिक कम्प्यूटर, बेसिक इलेक्ट्रीशियन और बेसिक ऑटोमोबाइल जैसे महत्वपूर्ण ट्रेड शामिल हैं। प्राचार्य संभागीय आईटीआई के मुताबिक यह विशेष प्रशिक्षण एक माह की अवधि का होगा, जिसमें मध्यप्रदेश के मूल निवासी और न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थी प्रवेश ले सकते हैं। प्रशिक्षण के इच्छुक अभ्यर्थी 29 अप्रैल तक अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। चयनित उम्मीदवारों का प्रशिक्षण 4 मई से 3 जून तक चलेगा। प्राचार्य ने बताया कि रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया के लिए अभ्यर्थियों को अपनी अंकसूची (8वीं, 10वीं या 12वीं), आधार कार्ड और मूल निवासी प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेजों के साथ संस्था के प्लेसमेंट सेल में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए 500 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है, जो अभ्यर्थियों को संस्था में जमा करना होगा। प्रशिक्षण के दौरान आईटीआई के अनुभवी अधिकारियों द्वारा तकनीकी ज्ञान दिया जाएगा। साथ ही युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए विशेषज्ञों द्वारा सॉफ्ट स्किल और पर्सनालिटी डेवलपमेंट की विशेष जानकारी भी प्रदान की जायेगी।

प्रातःकिरण | Help Line
8085755544,9691454060,9300885656

"The main aim of education is the all-round development of the child."
BULBUL KIDS KINGDOM
CBSE PATTERN - ENGLISH MEDIUM SCHOOL
Nursery, L.K.G., U.K.G. & 1st to 10th
Admission Open
Uniform Free
New Ramnagar, Amkhera Road, Adhartal Jabalpur,9301408551,9301408550,6266655219

MAHARISHI VIDYA MANDIR & MAHARISHI KIDS HOME
NAPIER TOWN JABALPUR
(Affiliated to C.B.S.E. Affiliation No. 1030295)
ब्रह्मलीन महर्षि महेश योगी जी
Special Discount in Admission Fee
ADMISSION OPEN 2026-27
* Co-Ed English Medium School
* Play Nursery- XII(12th- All Stream)
756, Napier Town Jabalpur (MP)
Phone : 0761-2411124, 4004988
Mobile No. : 9179701523, 7974333753
E-mail : mvmjabalpur2@mssmail.org
Brahmachari Dr. Girish Ji, Chairman, MVM School Group

गेस्ट्रो न्यूरो क्लीनिक
डॉ. आलोक बंसल
DM Gastroenterology and Hepatology (CMC Vellore) MD General Medicine
समय- सुबह 9:00 बजे से रात्रि 9:00 तक रविवार क्लीनिक बंद रहेगी
बड़े हनुमान मंदिर के सामने, पिलर नंबर 122, राइट टाउन, गेट नं. 3 के पास, जबलपुर
Call 9685314005
सेवाएं: एंडोस्कोपी, गेस्ट्रोस्कोपी, कोलनोस्कोपी, ERCP, आहार नली, पेट, आंत, लीवर, पेनक्रियाज, पित्त थैली एवं नली, मलाशय एवं गुदा

श्री शुभम् हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मल्टी स्पेशियेलिटी हॉस्पिटल
जनरल मेडिसिन * हृदय रोग * नेत्र रोग * अस्थि रोग * जनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी * न्यूरो तथा स्पाइन * नाक-कान-गला रोग * कैंसर रोग * स्त्री एवं प्रसूती रोग * बाल रोग
24/7 आकस्मिक चिकित्सा, भर्ती, एम्बूलेंस, दवाईयां सुविधा उपलब्ध है
स्व. डॉ. सुनंदा डावर शर्मा की पुण्य स्मृति में निःशुल्क ओपीडी का शुभारंभ सोमवार से शनिवार समय : सांय 6 से 7 बजे तक

म.प्र. शासन एवं UGC से मान्यता प्राप्त
महाकौशल यूनिवर्सिटी
ज्ञानं महाकौशलम्
B.Tech, M.Tech, Pharmacy, Agriculture, BBA, MBA, B.Sc, M.Sc, Law, Forensic Sci., BA, B.Com, MA, M.Com
ADMISSION 9109970698, 9981350102, 9109970699, 9109988370
ऐठाखेड़ा, तिलवारा, जबलपुर
सिटी ऑफिस- जौहरी हॉस्पिटल के सामने, गौ माता चौक, राईट टाउन, जबलपुर

About Us THE MEN & KIDS STORE
Ethnic Wear Clothing
Coat Suit, Indowestern, Kurta Paizama
Beside Marhatal Gurudwara, Opp Tilak Raj Battery Jabalpur. Ph.0761-3501164,9713102229
Balaji Gold Complex, Ghamandi Chowk, Bada Fuhara Jabalpur.Ph.0761-3501168,8305227964

स्पर्श आयुर्वेदा रिसर्च
भारत में पहली बार
यदि आपको आराम ना मिले, तो पूरे पैसे वापस किये जाएंगे!
उपलब्ध उपचार: शुगर, किडनी, हार्ट ब्लॉकेज, सिरोसिस, सफेद दाग, लकवा, माइग्रेन, साईटिका, घुटनों में दर्द एवं गेप, सैक्स प्रॉब्लम (स्त्री/पुरुष) अस्थमा
IBS PCOD/PCOS, FATTY LEVER, CANCER
परामर्श के लिए अभी संपर्क करें 8234092477
1013, नरसिंह बिल्डिंग अपना बाजार के सामने, रानीताल चौक, जबलपुर

संक्षिप्त समाचार

संकट मोचन दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में मनाया गया 12 वा मंदिर स्थापना दिवस

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। मंदिर संस्थापक समाज सेवी सुधीर सोनू दुबे ने बताया प्रातः 8:00 बजे भगवान जी का श्रंगार मंदिर आचार्य पंडित धीरज कृष्ण शास्त्री एवं मंदिर के पुजारी सोमनाथ शुक्ल द्वारा किया गया इसके पश्चात सुबह 11:00 बजे से सुंदरकांड का आयोजन किया गया इसके पश्चात मंदिर में भजन कीर्तन के कार्य म हुआ शाम 7:00 बजे हनुमान जी की महा आरती एवं 8:00 बजे से मंदिर परिसर में माता की चौकी का आयोजन किया गया हनुमान जी,राधा कृष्ण, एल्बम काली मैया की झांकी में भक्त ों ने झांकी के साथ भक्ति में लीन होकर नृत्य किया जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भजन संध्या एवं विशाल भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया मंदिर समिति की महिला अध्यक्ष सुधा दुबे, प्रीति शुक्ला, नेहा शुक्ला, करुणा, बीना, सुनीता सिंह, मधु वर्मा, संगीता सिंह, आकांक्षा दुबे, रमेश सिंह, जितेंद्र कुमार, वीरेंद्र श्रीवास, जसवंत बर्मन, उमेश गुप्ता, प्रमोद वर्मा, विजेंद्र तिवारी द्वारा कार्य म में सहयोग किया गया।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। हनुमानताल थानान्तर्गत मंडी मदार टेकरी में आज सुबह 6 बजे के लगभग भारी वाहन ने श्यामाबाई चौधरी को उस वक्त टक्क र मार दी। जब वे अपने नाती कार्तिक को पीलिया की दवा दिलाने जा रही थी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और अज्ञात वाहन के चालक की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस के अनुसार बाबाटोला हनुमानताल निवासी श्यामाबाई चौधरी का नाती पीलिया की बीमारी से पीड़ित रहा, जिसके चलते वे आज सुबह 6 बजे के लगभग नाती कार्तिक को लेकर पैदल मंडी मदार टेकरी दारुल उलूम के सामने भारी वाहन ने टक्क र मार दी। वाहन की टक्क र लगते ही श्यामाबाई के शरीर पर गंभीर चोटें आने के कारण मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना होते देख आसपास के लोग पहुंच गए, लेकिन उस वक्त तक वाहन चालक भाग चुका था। हादसे की खबर मिलते परिजन भी मौके पर पहुंच गए थे। वहीं पुलिस ने पूछताछ के बाद वाहन चालक की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज से वाहन की पहचान करने में जुटी है।

संभाग क्रमांक 9 में पार्षद अविनाश चमकेल की अगुवाई में चला वृहद स्वच्छता अभियान

सफाई करने के दौरान जनभागीदारी का दिखा अनूठा उदाहरण

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छता की राष्ट्रीय रैंकिंग में अग्रणी बनाने के उद्देश्य से %स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान% को निरंतर गति दी जा रही है। महापौर जगत बहादुर सिंह %अन्नू% एवं निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में आज संभाग क्रमांक 9 के अंतर्गत सघन सफाई एवं जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

इस विशेष अभियान से क्षेत्रीय पार्षद अविनाश चमकेल जुड़े और स्थानीय लोगों के साथ झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें निगम के अमले के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में स्थानीय नागरिकों ने स्वतः स्फूर्त होकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

श्रमदान एवं सफाई पार्षद श्री चमकेल एवं निगम अधिकारियों की उपस्थिति में वार्ड के सार्वजनिक स्थलों, पार्कों और मुख्य मार्गों पर व्यापक स्तर पर सफाई की गई। डोर-टू-डोर जागरूकता नागरिकों को %कचरा पृथक्करण% गीला, सूखा एवं हानिकारक कचरा के महत्व को समझाया गया एवं कचरा सीधे कचरा वाहनों में ही डालने हेतु प्रेरित किया गया।

प्लास्टिक मुक्त वार्ड का संकल्प

स्थानीय निवासियों को सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग बंद कर कपड़े के थैलों का उपयोग करने की शपथ दिलाई गई। पार्षद अविनाश चमकेल ने अभियान के दौरान कहा कि महापौर एवं निगमायुक्त के मार्गदर्शन में बेहतर ढंग से स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान का काम कराया जा रहा है।

कलेक्टर के सख्त निर्देश- बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ मंजूर नहीं, जवाबदेही होगी तय

शिक्षा विभाग में हड़कंप: खराब रिजल्ट पर कलेक्टर एक्शन मोड में, कई पर गिरी गाज

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता।

जिले में सरकारी स्कूलों के शैक्षणिक स्तर में आई गिरावट को जिला प्रशासन ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। हाल ही में कक्षा 5वीं और 8वीं के परीक्षा परिणामों का विश्लेषण करने के बाद कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान शैक्षणिक कार्यों में लापरवाही बरतने और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले अधिकारियों और शिक्षकों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में पाया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के कई स्कूलों में परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं रहे हैं, जिसके आधार पर तत्काल प्रभाव से निलंबन और वेतन कटौती की कार्रवाई सुनिश्चित की गई है।

?लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों पर गिरी गाज

?समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने पाया कि चेरीताल संकुल के जनशिक्षक प्रदीप पटेल और अलका कोरी ने अपने दायित्वों के निर्वहन में भारी अरुचि दिखाई है। इन दोनों शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य और स्कूल की मॉनिटरिंग में बरती गई शिथिलता के कारण संबंधित क्षेत्रों का शैक्षणिक ग्राफ नीचे गिरा है। इसी को आधार मानते हुए कलेक्टर ने इन दोनों जनशिक्षकों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई के आदेश जारी किए। प्रशासन का मानना है कि शिक्षकों की शैक्षणिक कार्यों के प्रति उदासीनता ही खराब परीक्षा परिणामों का मुख्य कारण है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

परीक्षा परिणामों का तुलनात्मक विश्लेषण

समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि एक स्कूल का परीक्षा परिणाम मात्र 39 प्रतिशत रहा, जबकि कुंडम के शासकीय स्कूलों ने 70 से 80 प्रतिशत तक परिणाम देकर बेहतर प्रदर्शन किया है। इस अंतर को देखते हुए उन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की रणनीति बनाई गई है जहाँ परिणाम औसत से कम रहे हैं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत, जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी और जिला शिक्षा केंद्र के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। प्रशासन अब 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों की शालावार समीक्षा करने की तैयारी में है ताकि बोर्ड परीक्षाओं में भी जवाबदेही तय की जा सके।

?स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को सुधारने के निर्देश

?शैक्षणिक सुधारों के साथ-साथ कलेक्टर ने स्कूलों की भौतिक स्थिति सुधारने पर भी जोर दिया है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी शासकीय स्कूलों में पेयजल, बिजली और प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा पाठ्यपुस्तकों और साइकिल वितरण की प्रक्रिया को समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का मानना है कि बेहतर शैक्षणिक माहौल और बुनियादी सुविधाएं मिलने से विद्यार्थियों के प्रदर्शन में सुधार होगा। जिन स्कूलों के परिणाम कमजोर रहे हैं, वहाँ सुधार के लिए अब विशेष रणनीति के तहत कार्य किया जाएगा।

अधिकारियों के वेतन में कटौती

बैठक में केवल जमीनी स्तर के शिक्षकों पर ही नहीं, बल्कि ब्लॉक स्तर के अधिकारियों पर भी शिकंजा कसा गया है। कार्यों के प्रति लापरवाही बरतने पर बीआरसी नगर-1 के डीसी अहिरवार और नगर-2 के आशीष के वेतन काटने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी को स्पष्ट निर्देशित किया है कि खराब परीक्षा परिणामों के लिए जिम्मेदार बीआरसी को उनके पदों से हटाने का प्रस्ताव तत्काल तैयार किया जाए। प्रशासन का लक्ष्य उन अधिकारियों को चिह्नित करना है जो अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ठीक से नहीं कर पा रहे हैं।

जन-आंदोलन बना स्वच्छता अभियान

स्कूली बच्चों और नागरिकों ने रैली निकाल कर दिया प्लास्टिक मुक्त जबलपुर का संदेश

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। 2026 नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत शहर को स्वच्छ, सुंदर और पॉलीथीन मुक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के दिशा-निर्देशानुसार, संभाग क्रमांक 08 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 45 में एक विशाल स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन की खास बात यह रही कि इसमें स्कूली बच्चों के साथ-साथ शहर के प्रबुद्ध नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता को एक जन-आंदोलन का रूप दिया।

सुंदर दिखे शहर अपना का गूंजा स्वर

रैली के दौरान बच्चों और नागरिकों ने गगनभेदी नारों के साथ क्षेत्र का भ्रमण किया। रैली में मुख्य रूप से स्वच्छता अपनाएं ङ्क बीमारी भगाएं और सिंगल यूज़ प्लास्टिक छोड़ें जैसे संदेशों के माध्यम से आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। निगमायुक्त के निर्देश पर सक्रिय निगम की आई.सी.ई. टीम के सदस्यों ने नागरिकों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कपड़े के थैले के उपयोग के लिए प्रेरित किया। स्वच्छता अभियान को लेकर नागरिकों में दिख रहा उत्साह इस बात का प्रमाण है कि जबलपुर अब स्वच्छता रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। वार्ड 45 में आयोजित इस रैली में बच्चों ने न केवल स्वच्छता की शपथ ली, बल्कि दुकानदारों और राहगीरों से अपील की कि वे कचरा सिर्फ डस्टबिन में ही डालें ।

अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों की अनुमति के नहीं किया जा सकेगा खनन.

30 जून तक सम्पूर्ण जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित, कलेक्टर ने जारी किया आदेश

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की अनुशंसा पर आज एक आदेश जारी कर गर्मियों के दौरान जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में पेयजल का समान वितरण सुनिश्चित करने तथा जनता की आवश्यकता की पूर्ति के मद्देनजर 30 जून तक सम्पूर्ण जिले को ÷जल अभावग्रस्त क्षेत्र÷ घोषित किया है।

जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध ÷म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 की धारा-9 (मध्यप्रदेश पेयजल परिरक्षण (संशोधन) अधिनियम 2022 के द्वारा संशोधित) एवं भारतीय न्?याय संहिता की धारा 223 के तहत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने भू-गर्भीय जल का अत्यधिक दोहन होने के कारण जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के नलकूपों एवं अन्य जल स्त्रोतों के जल स्?तर में तेजी से गिरावट आने के कारण गर्मियों के दौरान पेयजल संकट की स्थिति निर्मित होने की अशंका व्?यक्त करते हुए जिला कलेक्टर को प्रस्ताव भेजकर सार्वजनिक पेयजल स्त्रोतों की क्षमता प्रभावित न हो, इसके लिये निजी नलकूप के खनन पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की थी। जिला दंडाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार कोई भी व्यक्ति बिना अनुमति के ÷जल अभावग्रस्त क्षेत्र÷ में किसी भी शासकीय भूमि पर स्थित जल स्त्रोतों में पेयजल तथा घरेलू प्रयोजनों को छोड़कर अन्य किसी भी प्रयोजनों के लिये नहरों में प्रवाहित जल के अलावा अन्य स्त्रोतों का जल दोहन किन्ही भी साधनों द्वारा जल का उपयोग नही करेगा।

जिले के समस्त विकास खण्डों एवं नगरीय क्षेत्रों के समस्त नदी, नालों, स्टापडैम, सार्वजनिक कुओं तथा अन्य जल स्त्रोतों का उपयोग एवं घरेलू प्रयोजन हेतु तत्काल प्रभाव से सुरक्षित किया गया है। जिले के जल अभावग्रस्त क्षेत्र में कोई भी व्यक्ति स्वयं अथवा प्राईवेट ठेकेदार अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के पूर्व अनुज्ञा प्राप्त किये बिना किसी भी प्रयोजन के नवीन नलकूप का निर्माण नही करेगा। यह प्रावधान शासकीय नलकूप खनन पर लागू नही होगा। आदेश में कहा गया है कि जिन व्यक्तियों को अपनी निजी भूमि पर नलकूप खनन कार्य कराना है, उन्हें ऐसा करने के लिये निर्धारित प्रारूप में निर्धारित शुल्क के साथ, संबंधित अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को आवेदन करना होगा। इस कार्य के लिए जिले के ÷जल अभावग्रस्त क्षेत्र के समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को उनके क्षेत्राधिकार के अंतर्गत सक्षम अधिकारी प्राधिकृत किया गया है। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी अनुमति देने के पूर्व आवश्यक जांच एवं परीक्षण की कार्यवाही पूर्ण कर तथा अनुमति दिये जाने के संबंध में संबंधित क्षेत्र के सहायक यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से अभिमत प्राप्त करेंगे। आदेश के मुताबिक खनित नलकूप असफल होने पर नलकूपों में से केसिंग नहीं निकाली जायेगी।

बार काउंसिल चुनाव में नामांकन प्रक्रिया पर कानूनी जंग

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल के चुनाव प्रक्रिया शुरू होते ही विवादों के घेरे में आ गई है। जबलपुर में चुनाव समिति द्वारा 12 प्रत्याशियों के नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के बाद वकीलों में गहरा रोष व्याप्त है। नामांकन रद्द होने का मुख्य कारण प्रत्याशियों का किसी अन्य बार एसोसिएशन में पदाधिकारी होना बताया गया है। इस निर्णय को नियम विरुद्ध बताते हुए प्रभावित प्रत्याशियों ने अब देश की सर्वोच्च अदालत का दरवाजा खटखटाया है, जिस पर आगामी सोमवार को सुनवाई होना तय है। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीके जैन ने वर्तमान परिस्थितियों पर अपनी बात रखते हुए कहा कि चुनाव समिति स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के बजाय स्टेट बार के वर्तमान पदाधिकारियों के प्रभाव में काम कर रही है।

विश्व धरोहर दिवस- जबलपुर की विरासत को सहेजने की पहल

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। अपनी समृद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए जाना जाता है, जहाँ प्राचीन काल से लेकर औपनिवेशिक समय तक के अनेक स्थल आज भी विद्यमान हैं। इन धरोहरों को समझने और संरक्षित करने के उद्देश्य से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षक का ÷स्टडी सर्किल÷ समूह सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

यह समूह समय-समय पर हेरिटेज वॉक का आयोजन करता है, जिसके माध्यम से मदन महल किला, रानी दुर्गावती समाधि स्थल और चौसठ योगिनी मंदिर जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर उनकी ऐतिहासिक विशेषताओं को समझा जाता है और आम लोगों को इनके संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाता है।

समूह के सदस्य नवीन धनवार (प्राचीन इतिहास विभाग) को ग्वालियर में आयोजित राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में श्रेष्ठ शोध पत्र के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं कन्हैया चौकसे प्रत्येक रविवार नियमित रूप से हेरिटेज वॉक का आयोजन कर स्थानीय स्तर पर इस पहल को आगे बढ़ा रहे हैं। इस समूह का संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. आशीष यादव द्वारा किया जा रहा है, जिनके मार्गदर्शन में शोधार्थी श्री संतोष सेंगर, श्रीमती शालिनी सिंह, श्री दीपांश गुप्ता तथा छात्राओं में मिस खुशी पटेल, मिस साक्षी सहवाल और मिस पल्लवी यादव जैसे सदस्य भी सक्रिय रूप से धरोहर संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने में लगे हुए हैं।

विधायक सुशील तिवारी ने डिजिटल माध्यम से दर्ज की अपनी जानकारी

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। प्रदेश में जारी स्व-गणना अभियान के दूसरे दिन पनागर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक सुशील तिवारी इन्दु भैया ने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। विधायक श्री तिवारी ने स्वयं डिजिटल माध्यम से अपनी गणना कर शासन की इस महत्वपूर्ण मुहिम में सहभागिता निभाई और तकनीक के माध्यम से व्यवस्था को सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

विधायक की अपील सटीक गणना, बेहतर विकास का आधार-अपनी गणना पूर्ण करने के पश्चात विधायक सुशील तिवारी ने क्षेत्रीय नागरिकों से उत्साहपूर्वक इस प्रक्रिया में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा स्व-गणना केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में हमारी सक्रिय भागीदारी है। जब शासन के पास सटीक डेटा होगा, तभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक सुचारु रूप से पहुँच सकेगा। डिजिटल गणना सरल और सुरक्षित है, अतः सभी नागरिक स्वयं आगे आकर इसे पूर्ण करें।

अभियान को गति देने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों ने भी मैदान में सक्रिय हैं। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संयुक्त रूप से नागरिकों से अपील की है कि वे समय सीमा के भीतर अपनी स्व-गणना सुनिश्चित करें। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि डिजिटल माध्यम से की जाने वाली यह गणना पूरी तरह गोपनीय और पारदर्शी है। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे तकनीकी का उपयोग कर शासन के इस अभियान में सहयोग करें। इस मौके पर निगम की ओर से उपायुक्त अंकिता जैन और उनकी टीम ने तकनीकी जानकारी दी और सहयोग प्रदान की।

अनियमितताएं

कार्रवाई कब होगी? सिस्टम कटघरे में

परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपों पर सन्नाटा

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। परिवहन विभाग में कथित भ्रष्टाचार, अवैध वसूली और गंभीर अनियमितताओं को लेकर उठे सवाल अब पूरे प्रशासनिक तंत्र को कठघरे में खड़ा कर रहे हैं। लगातार सामने आ रहे आरोपों और सबूतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से व्यवस्था की पारदर्शिता और जवाबदेही पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है।

मामला अब केवल विभागीय लापरवाही तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सीधा सवाल बन चुका है। अधिवक्ता धर्मराज सिंह द्वारा लगातार की गई शिकायतें, दस्तावेजी साक्ष्य और अधिकारियों को बार-बार दी गई जानकारी के बावजूद भी कार्रवाई का अभाव चर्चा का विषय बना हुआ है।

सबसे ज्यादा सवाल परिवहन आयुक्त उमेश जोगा की भूमिका को लेकर उठ रहे हैं। आरोप है कि उन्हें पूरे मामले की विस्तृत जानकारी दी गई, यहां तक कि मोबाइल और व्हाट्सएप के माध्यम से भी प्रमाण साझा किए गए, लेकिन न तो कोई जवाब सामने आया और न ही कोई ठोस कदम उठाया गया।

इस बीच 25 मार्च 2026 को लोकायुक्त संगठन द्वारा की गई कार्रवाई ने मामले को और गंभीर बना दिया। परिवहन विभाग से जुड़े आरक्षक श्वेता अहिरवार और निजी कर्मचारी मोहित साहू को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। यह घटना इस बात का संकेत मानी जा रही है कि विभाग में भ्रष्टाचार केवल आरोप नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत बन चुका है। इसके बावजूद, जिन अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए थी, वे अब भी कार्रवाई से दूर नजर आ रहे हैं। फ्लाइंग प्रभारी राजेंद्र साहू पर लगे आरोप-अनाधिकृत व्यक्तियों को शासकीय कार्रवाई में शामिल करना, निजी लोगों के माध्यम से वसूली कराना और राजस्व को नुकसान पहुंचाना-अब भी जांच के अभाव में अधर में लटके हुए हैं। प्रशासनिक गलियारों में यह चर्चा तेज हो गई है कि आखिर कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है। जब निचले स्तर पर त्वरित कार्रवाई हो जाती है, लेकिन उच्च स्तर पर बैठे अधिकारी चुप्पी साध लेते हैं, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सिस्टम खुद अपने खिलाफ कदम उठाने से बच रहा है। अधिवक्ता धर्मराज सिंह ने पूरे मामले में उच्चस्तरीय स्वतंत्र जांच, दोषियों की पहचान और सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जब शीर्ष स्तर पर ही जवाबदेही तय नहीं हो रही, तो आम नागरिक न्याय की उम्मीद किससे करे।

यह मामला अब केवल जबलपुर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे की विश्वसनीयता की परीक्षा बन चुका है। जनता के बीच यह सवाल लगातार गूंज रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती केवल कागजों तक सीमित है, या वास्तव में जिम्मेदारों पर भी कार्रवाई होगी।

संक्षिप्त समाचार

मप्र में पैक्स समितियों का होगा विस्तार

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। भारत सरकार की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश में सहकारिता का विस्तार गांव-गांव तक किया जाएगा। छह सौ रुपये शेयर कैपिटल लेकर सहकारी समितियों में दस लाख नए सदस्य बनाए जाएंगे। इसके लिए 15 मई तक शिविर लगाए जाएंगे, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) प्रति शिविर एक हजार रुपये देगा। अभी प्रदेश में 60 लाख किसान समितियों के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 600 नई समितियां बनाई जा रही हैं। प्रदेश में साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) हैं, जिनसे 68 लाख किसान जुड़े हैं। लगभग दस लाख किसान और हैं, जो समिति का सदस्य बनने की पात्रता रखते हैं। उन्हें भी समितियों से जोड़ने के लिए सहकारिता विभाग का अभियान 15 मई तक चलाया जाएगा। इसमें छोटे, सीमांत, महिला एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के किसानों को प्राथमिकता दी जाएगी। भूमि के आधार पर इनकी साख सीमा निर्धारित कर बिना ब्याज के अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। खाद-बीज-कीटनाशक भी मिलेगी। सहकारी संस्था को लाभ मिलने पर किसानों को लाभांश भी दिया जाता है। अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में सहकारी समितियों का विस्तार किया जा रहा है। नई समितियां बनाई गई हैं। पात्र सभी किसानों को समितियों से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान शुरू किया गया है।

असंतुष्ट नेताओं की कुंडली तैयार करेगी कांग्रेस

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। मध्यप्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी और चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले असंतुष्ट नेताओं की कुंडली तैयार करेगी। इसके लिए विधानसभा प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। विधानसभा प्रभारी को अपनी रिपोर्ट में बताना होगा नेता- कार्यकर्ता क्यों असंतुष्ट, नाराजगी के कारण, नाखुश नेता, किस नेता से जुड़ा हुआ है ये सब बताना होगा। इसका उद्देश्य वक्त रहते भीतरघातियों और असंतुष्ट नेताओं को पहचाना जिसका चुनाव में प्रभाव न पड़े। समर्पित कार्यकर्ताओं के फोन नंबर, निरंतर संवाद, सामाजिक और जाति का समीकरण, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रभावशाली व्यक्ति , सामाजिक संगठन से संपर्क करने के निर्देश दिए हैं। अक्सर देखा जाता है कि चुनाव में कई कांग्रेसी पार्टी के खिलाफ भीतरघात कर देते हैं जिससे पार्टी को नुकसान होता है।

विधानसभा प्रभारी को दी गई जिम्मेदारी, कहा गया- जो काम करेगा वही पद पर

जो काम करेगा वही पद पर रहेगा

प्रभारियों को विधानसभा में प्रवास करने के निर्देश भी दिए है। कांग्रेस में चल रही तीन दिन की बैठक में पदाधिकारियों से सीधा कहा गया जो काम करेगा वही पद पर रहेगा। आगामी दिनों में सक्रिय कार्यकर्ताओं को संगठन में बड़ी जिम्मेदारी और जगह मिलेगी। सिर्फ तमगा लेकर चलने वाले नेताओं को महत्त्व कम मिलेगा।

अब बागेश्वर धाम में विदेशों से भी आएगा दान...

धीरेंद्र शास्त्री की संस्था को केंद्र सरकार की मंजूरी

● भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित बागेश्वर धाम को अब विदेश से पैसा (दान) लेने की सरकारी मंजूरी मिल गई है। यह मंजूरी भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के तहत दी है। यानी अब बागेश्वर धाम से जुड़ी संस्था विदेश में रहने वाले लोगों से भी कानूनी तरीके से दान ले सकेगी। पहले ऐसा करने के लिए खास अनुमति जरूरी होती थी, जो अब मिल गई है।

धीरेंद्र शास्त्री की देखरेख में काम करने वाली धार्मिक संस्था बागेश्वर जन सेवा समिति ग्राम गड़ा जिला छतरपुर मध्य प्रदेश में स्थित है। यह संस्था धार्मिक (हिंदू), सामाजिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और आर्थिक क्षेत्रों में काम करती है। अब विदेश से मिलने वाले फंड का उपयोग इन सभी कामों को आगे बढ़ाने में किया जा

सकेगा। बागेश्वर धाम के प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पिछले कुछ समय से काफी चर्चा में हैं। उनके कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं और उनके अनुयायी भारत ही नहीं, विदेशों में भी मौजूद हैं। ऐसे में यह मंजूरी उनके लिए एक बड़ा कदम मानी जा रही है। हालांकि, इस मंजूरी के साथ कुछ जरूरी नियम भी जुड़े होते हैं। एफसीआरए के तहत जो भी संस्था विदेश से पैसा लेती है, उसे पूरा हिसाब रखना होता है। यानी पैसा कहां से आया और कहां खर्च हुआ, इसकी जानकारी सरकार को देनी होती है। साथ ही, एक तय बैंक खाते के जरिए ही यह लेन-देन करना होता है और समय-समय पर रिपोर्ट भी जमा करनी पड़ती है। संस्था को सभी नियमों को ध्यान में रखते हुए पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करना होगा। इस फैसले से बागेश्वर धाम की सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। यह संस्था दान के जरिए मिलने वाले फंड से शिक्षा, सेवा और अन्य योजनाओं पर काम करती है।

2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती करने की सरकार की योजना पर पदोन्नति प्रमोशन बड़ी

पदोन्नति की फांस में सरकारी नौकरियां!

● भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

मप्र में बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए सरकार ने सरकारी नौकरियों का पिटारा खोल दिया है। इसके लिए सरकार ने जो प्लान बनाया है उसके अनुसार, प्रदेश में 2028 तक ढाई लाख पदों पर भर्ती करने की योजना है। परंतु सरकार की इस योजना पर पदोन्नति की अड़चन भारी पड़ रही है। पदोन्नति नहीं होने से पद रिक्त नहीं हो रहे हैं, जिससे भर्ती की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। उधर, पदोन्नति नियम 2025 को लेकर परिदृश्य साफ नहीं है। जबलपुर हाई कोर्ट में मामले की सुनवाई 17 फरवरी को पूरी हो चुकी है और फैसला सुरक्षित रखा गया है। इस कारण सरकार चाहकर भी आगे कदम नहीं उठा पा रही है।

उधर, सेवानिवृत्त होते जा रहे कर्मचारी नाराज हैं कि पदोन्नति का पात्र होने के बावजूद वे आठ साल से प्रतीक्षा ही कर रहे हैं। सरकार ने पदोन्नति नियम 2025 तैयार करने के साथ यह योजना बनाई थी कि चरणबद्ध तरीके से तीन वर्ष में ढाई लाख पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए बाकायदा वित्त विभाग से सामान्य प्रशासन विभाग ने सहमति ली और दिशा-निर्देश जारी हुए मगर सारी तैयारी धरी की धरी रह गई। दरअसल, पदोन्नति नियम कानूनी प्रक्रिया में उलझ गए।

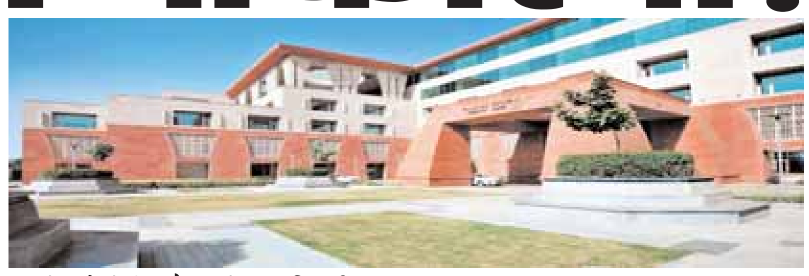

हाई कोर्ट के फैसले पर टिकी सरकार की अगली तैयारी

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाई कोर्ट ने निर्णय सुरक्षित रखा है। हमारी तैयारी पूरी है और निर्णय के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। इस बीच, पदोन्नति नियम को लेकर निर्णय शीघ्र आने की संभावना को देखते हुए गृह सहित अन्य विभागों ने उच्च पद का प्रभार देना बंद कर दिया था लेकिन अब यह व्यवस्था फिर प्रारंभ कर दी गई है। सूत्रों का कहना है कि निर्णय में विलंब के कारण काम प्रभावित हो रहा था, इसे देखते हुए राजस्व सहित कुछ विभागों में उच्च पद का प्रभार पदोन्नति के पात्र अधिकारियों को दिया गया है।

केवल नए स्वीकृत पदों पर ही हो पा रही हैं भर्ती

कानूनी उलझनों से जो पद पदोन्नति के कारण उपलब्ध होने थे वे अब तक नहीं मिले। इसका असर यह हो रहा है कि केवल उन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया की जा रही है जो नए स्वीकृत हैं। इसमें शिक्षक, पुलिस आरक्षक, स्वास्थ्य कर्मी सहित अन्य पद शामिल हैं। उधर, पदोन्नति से वंचित कर्मचारी नाराज हैं क्योंकि पात्र होने के बाद भी उच्च पदनाम नहीं मिल पा रहा है। प्रतिमाह सेवानिवृत्ति होती जा रही है। मंत्रालय अधिकारी-कर्मचारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक का कहना है कि नियमों को अखिल भारतीय सेवा संवर्ग के समान बनाया जाता तो कोई उलझन ही नहीं होती।हमने कई बार इसके लिए ज्ञापन भी दिए पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। यही कारण है कि यह मामला खिंचता जा रहा है, जिसका असर कामकाज पर भी साफ दिखाई दे रहा है।

स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग में अनुकंपा के सबसे अधिक मामले लंबित

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। प्रदेश की सरकार हमेशा दावे करती है कि वह कर्मचारियों और उनके परिवारों के बड़ी हितैषी है। उनके हर दुख दर्द में सरकार सदैव साथ खड़े रहती है। इसी प्रकार अनुकंपा नियुक्ति को लेकर भी बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। लेकिन अनुकंपा नियुक्ति के लिए आश्रितों को परेशान होना पड़ रहा है। आश्रित परेशान होकर दफ्तर,अफसर और मंत्री के चक्कर लगा-लगाकर अधेड़ हो जाता है लेकिन उसे अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिलती। सरकार की लाख कोशिशों के बाद भी शासकीय विभागों में अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है।

हर विभाग में लंबी अवधि गुजरने के बाद भी दिवंगतों के आश्रितों को सेवा में नहीं लिया गया है। मप्र राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हेमंत श्रीवास्तव का कहना है कि अनुकंपा नियमों में शिथिलीकरण जरूरी है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा गया है। चीफ सेक्रेटरी के समक्ष भी मुलाकात में इस मुद्दे को रखा गया है। नियमों की जटिलता से प्रकरण उलझे हैं। जानकारी के अनुसार, स्कूल शिक्षा और पंचायत विभाग में सबसे अधिक मामले लंबित पड़े हैं। अनुकंपा प्रकरणों का समाधान करने विभागवार अभियान चलाने के निर्देश सीएम दे चुके हैं, लेकिन किसी भी विभाग में इसका गंभीरता से पालन नहीं हो रहा है। पंचायत विभाग में पांच सौ प्रकरण अनुकंपा के लंबित पड़े हैं। साल 2011 से एक भी प्रकरण का विभाग में समाधान नहीं हो पाया है।

पूर्व और मौजूदा विभागीय मंत्री और प्रमुख सचिव को भी दिवंगतों के आश्रित अपनी पीड़ा बता चुके हैं। स्कूल शिक्षा विभाग में सात सौ प्रकरण लंबित पड़े हैं। ज्यादातर उन दिवंगत अध्यापकों के यह प्रकरण हैं, जिनका शिक्षा विभाग में संविलियन हुआ था। इसमें विभाग द्वारा बनाया गया जटिल नियम अनुकंपा में भारी पड़ रहा है। इस नियम में डीएड-बीएड करना अनिवार्य है। स्वास्थ्य विभाग में चार सौ प्रकरणों का चार साल बाद भी समाधान नहीं हो पाया है। अकेले भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज में देखें तो साल 2018 के पूर्व जिनकी मृत्यु हुई उनके आश्रितों को अनुकंपा नहीं मिल पाई है। लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी, तकनीकी शिक्षा जैसे विभागों में बड़ी संख्या में दिवंगतों के आश्रितों को समय से अनुकंपा नहीं मिल पाई है।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी, मस्तूरी गोलीकांड में 'बेंच हंटिंग' का बताया मामला

बिलासपुर, प्रातः किरण संवाददाता। मस्तूरी गोलीकांड के एक सह आरोपी की याचिका और उसके कृत्य को लेकर हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने कड़ी और तल्ख टिप्पणी की है। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के साथ ही महाधिवक्ता कार्यालय के एक पूर्व विधि अधिकारी के कृत्य को लेकर भी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा, इन सब तथ्यों को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह बेंच हंटिंग का मामला है। इस तरह के कृत्य की कतई सराहना नहीं की जा सकती।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा है, तथ्यों से स्पष्ट है, यह बेंच हंटिंग का स्पष्ट मामला है, जिसे इस न्यायालय द्वारा प्रोत्साहित या सराहा नहीं जा सकता है। इस संबंध में वकील रणबीर सिंह मरहास द्वारा पूछे गए स्पष्ट प्रश्न का वे उचित उत्तर नहीं दे सके, इसलिए सह-आरोपी देवेश सुमन उर्फ ??निक्कू का आचरण, जिसने उक्त मामले को उस बेंच से अपवाद बनाने के

लिए दायर की है, जिसने किशोर द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया था, अत्यंत निंदनीय है। उसे कड़ी निंदा का पात्र माना जाना चाहिए और उसे किसी भी हालत में क्षमा नहीं किया जा सकता है।

रिकॉर्ड से यह स्पष्ट होता है कि सह-आरोपियों में से एक जो नाबालिग है, ने किशोर न्याय (देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 102 के तहत अपनी रिहाई के लिए छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में आपराधिक पुनरीक्षण याचिका दायर की है। उसे 29 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था और बिलासपुर के अवलोकन गृह में हिरासत में रखा गया था, जो पुलिस थाना मस्तूरी, जिला बिलासपुर में बीएनएस की धारा 109, 61(2), 3(5) और शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और 27 के तहत दंडनीय है। उसने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश स्त्रञ्जष्ट, बाल न्यायालय, बिलासपुर द्वारा आपराधिक अपील में 31 दिसंबर 2025 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है, जिसमें प्रधान न्यायाधीश, किशोर न्याय बोर्ड बिलासपुर द्वारा 09 दिसंबर 2025 को पारित आदेश को बरकरार रखा गया था। इसके तहत किशोर न्याय अधिनियम की धारा 12 के तहत दायर आवेदन खारिज कर दिया गया और उक्त आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को पंजीकृत किया गया। समन्वय पीठ के समक्ष सुनवाई हुई और उक्त पुनरीक्षण याचिका को पीठ ने 03 फरवरी 2026 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया। इसके बाद सह-आरोपी अकबर खान द्वारा, जिसे उसी अपराध के तहत गिरफ्तार किया गया था, बीएनएसएस, 2023 की धारा 483 के तहत एक अन्य जमानत याचिका दायर की गई, जो उसी पीठ के समक्ष आई, जिसने 13 फरवरी 2026 को खारिज कर दिया। उसी दिन उक्त जमानत याचिका स्वीकार कर ली गई और मामले की डायरी मंगवाई गई। मामले को 23 फरवरी 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया। 23 फरवरी 2026 को एक अन्य सह-आरोपी मोहम्मद मतीन द्वारा दायर एक अन्य जमानत याचिका, जिसे उसी अपराध के संबंध में गिरफ्तार किया गया था, उसी बेंच के समक्ष सूचीबद्ध होने के कारण, उक्त बेंच ने दोनों मामलों को 03 मार्च .2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। 03 मार्च 2026 को दोनों मामले को फिर से सूचीबद्ध किया गया। पीठ ने मामले को 17 मार्च 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था।

11 आरोपियों को उम्रकैद, मामूली विवाद में वारदात को दिया था अंजाम

राजनांदगांव। जिले के नंदई क्षेत्र में 31 अगस्त 2022 को हुआ दोहरा हत्याकांड सिर्फ एक झगड़ा नहीं, बल्कि संगठित और घातक हमले का मामला था। करीब चार साल की सुनवाई और साक्ष्यों की पड़ताल के बाद अदालत ने इस केस में 11 आरोपियों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। घटना चार साल पहले की है। आरोपियों ने एकजुट होकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। आरोपियों ने विकास उर्फ कन्हैया सारथी को निशाना बनाते हुए उस पर चाकू, तलवार और डंडों से लगातार हमला किया था, जिसके चलते मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस बीच झगड़ा रोकने की कोशिश कर रहे जितेंद्र साहू को भी हमलावरों ने नहीं छोड़ा। उसे कन्हैया का साथी समझकर चाकू मार दिया। घायल हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

कर्मचारी का घर में मिला शव कलाई की नस कटी हुई मिली

जगदलपुर, प्रातः किरण संवाददाता। शहर के लालबाग इलाके में रिटायर्ड फॉरेस्ट रेंजर के पुत्र और में कार्यरत अतुल शर्मा का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की है, जहां अतुल शर्मा अपने घर में अकेले रहते थे, जबकि उनके परिजन रायपुर में निवासरत बताए जा रहे हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की गई। प्रारंभिक जांच में घर अंदर से बंद पाया गया, वहीं मृतक की कलाई की नस कटी हुई मिली। अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि घर का केयरटेकर बीते दिन वहां पहुंचा और बेल बजाई, लेकिन काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद वह लौट गया। इसके बाद आज सुबह कॉलोनीवासियों को घर से बदबू आने पर संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना वार्ड पार्षद को दी। पार्षद ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि बेड पर अतुल शर्मा की लाश पड़ी हुई थी और फर्श खून से सना हुआ था। वहीं लाश करीब 2 से 3 दिन पुरानी बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच जारी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

मंत्री बंगला घेरने जा रहे एनएसयूआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की, सीएम हाउस घेराव की चेतावनी

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। छत्तीसगढ़ में छात्रसंघ चुनाव कराने की मांग को लेकर ह्स्ढ्ढ का प्रदर्शन लगातार जारी है। आज ह्स्ढ्ढ नेता और कार्यकर्ता ज्ञापन सौंपने उच्च शिक्षा मंत्री के बंगले जा रहे थे, जिसे पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बंगला से पहले ही रोक दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच धक्का-मुक्की हुई। इस दौरान ह्स्ढ्ढ ने मांग पूरी नहीं होने पर सीएम हाउस का घेराव करने की चेतावनी दी। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय ने कहा, छात्र संघ चुनाव कराने की मांग को लेकर मंत्री बंगला जा रहे थे। इस दौरान पुलिस को आगे कर हमें रोक दिया गया। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में पिछले 10 सालों से छात्रसंघ चुनाव नहीं हुआ है। छात्रसंघ चुनाव कराना ही हमारा मकसद है। यदि हमारी मांग नहीं मानी जाती है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

कल से सभी विधायकों को सौंपेंगे ज्ञापन- नीरज पांडेय ने कहा, कल से सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। 20 अप्रैल को मशाल रैली निकाली जाएगी। अगर फिर भी सुनवाई नहीं हुई तो फिर सीएम हाउस का घेराव करेंगे।

राहत

36 घरों और कब्जों को तोड़ने पर लगी रोक

राजीव गांधी आश्रय योजना मामले में हाईकोर्ट ने दी याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत

बिलासपुर, प्रातः किरण संवाददाता। लिंगियाडीह बस्ती स्थित राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत राशि जमा करने वाले 36 रहवासियों के घरों और कब्जों को तोड़ने पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय की जस्टिस एन.के. चंद्रवंशी की एकल पीठ ने आज सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं को बड़ी राहत देते हुए उनके घरों और कब्जों पर तोड़फोड़ के खिलाफ अंतरिम रोक लगा दी है।गौरतलब है कि यह सभी याचिका करता 2019-20 में हुए सर्वे के तहत राजीव गांधी आश्रम योजना में पात्र माने गए थे जिसके तहत इन्हें कब्जे वाली जमीन पर ही पट्टा देने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया था। हालांकि 2024 में राज्य सरकार ने अपना निर्णय अमल नहीं किया और अब नगर निगम बिलासपुर ने उस जगह पर व्यावसायिक परिसर और गार्डन बनाने की योजना बनाई है।

आज हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस एन के चंद्रवंशी ने पूर्व में राजीव गांधी आश्चर्य योजना के तहत पैसा लेने के बाद भी पट्टा क्यों नहीं दिया गया इस पर सवाल राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता प्रवीण दास और नगर पालिका निगम के अधिवक्ता रणवीर सिंह मरहास से पूछे। जवाब में अधिवक्ता गणों ने बताया कि 2023 में शासकीय जमीन पर पट्टा देने वाले नियम बदल गए हैं और बदले नियम के अनुसार इन व्यक्तियों को अब वहां पर पट्टा नहीं दिया जा सकता और इसके बदले में इन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत खमतराई इलाके में फ्लैट सिस्टम में एक-एक छोटा मकान दिया जाना प्रस्तावित है। राज्य सरकार की ओर से यह भी बताया गया कि राजीव गांधी आश्रय योजना को अब रद्द कर दिया गया है। सरकारी वकीलों ने कब्जे वाली जमीन पर बाजार दुकान लगाने का भी आरोप लगाया।

इसके जवाब में याचिका कर्ताओं की ओर से अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव अनिमेष वर्मा आशीष बैक आदि ने बताया की 2023 के अधिनियम के पूर्व ही 2019-20 की योजना में उन्हें पात्र मान लिया गया था और वह इसके तहत 2022 में प्रीमियम की राशि भी जमा कर चुके हैं ऐसे में 2023 में हुए नियम या कानून में किसी बदलाव से उनके पट्टा लेने के अधिकार पर विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। इसके अलावा यह भी कहा गया कि 2023 का अधिनियम भी उनके पट्टा लेने के अधिकार को समाप्त नहीं करता है। लगातार कई दशकों से वहां निवास करने शासन की योजना में चयनित होने और पैसा जमा करने के कारण स्थापित कानून के तहत राज्य सरकार और नगर निगम अपने वादे से अब पीछे नहीं हट सकती।

आज प्रकरण में दो याचिकाओं में से एक याचिका पर नगर निगम का जवाब आने और राज्य सरकार का जवाब अपेक्षित होने तथा दूसरी याचिका में सभी जवाब अपेक्षित होने के तहत सभी पक्षों को जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए गए। प्रारंभिक सुनवाई के बाद हाई कोर्ट की एकल पीठ ने इस मामले को विस्तृत रूप से सुनने के योग्य पाया और तब तक अंतरिम राहत के रूप में सभी याचिका कर्ताओं के मकान और कब्जा को ना तोड़ ने का आदेश दिया।

संपादकीय

पुलिस के खुफिया तंत्र को क्या हो गया है...?

पुलिस का यह तर्क बिल्कुल स्वीकार्य है कि हर व्यक्ति की रक्षा के लिए हर वक्त पुलिस मौजूद नहीं रह सकती। लोगों को अपना और अपने आसपास का ध्यान सतर्कता के साथ रखना चाहिए। मगर पुलिस प्रशासन से यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि उसके खुफिया तंत्र को क्या हो गया है? बड़ी-बड़ी घटनाओं को अपराधी अंजाम दे देते हैं, नशे की महफिल सजा लेते हैं और ऐसे आयोजनों की पुलिस को भनक तक नहीं लगती? खुफिया तंत्र पुलिस की कार्यप्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण तत्व है। पुलिस हर इलाके में ऐसे खबरी तैयार करती है जो उसे समय से पहले या फिर कम से कम समय पर तो आगाह कर ही सकते हैं। ऐसे हजारों उदाहरण मिल जाएंगे। जब किसी खबरी से मिली

जानकारी के आधार पर पुलिस ने बड़े हादसे या यूं कहें कि अपराधों को होने से रोका है। मगर अब यह धारणा बनने लगी है कि पुलिस का खुफिया तंत्र कहीं न कहीं या तो कमजोर हो गया है या फिर सुस्त हो गया है। अभी-अभी मुंबई के गोरेगांव इलाके में एक म्यूजिक कॉन्सर्ट का आयोजन किया गया। मुंबई में या फिर बड़े शहरों में म्यूजिक कॉन्सर्ट कोई बड़ी बात नहीं होती। मगर गोरेगांव के इस कॉन्सर्ट में खुल कर शराब और ड्रग्स का सेवन किया गया और नतीजा यह हुआ कि दो छात्रों की ड्रग्स के ओवरडोज से मौत हो गई। एक लड़की अभी भी अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रही है। उसने पुलिस को बताया कि ड्रग्स लेने के बाद उसे कुछ भी होश नहीं रहा। इस मामले में अभी तक छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जिसमें वह युवक भी शामिल है जिसने ड्रग्स की आपूर्ति की थी। उसके पास से ड्रग्स के कुछ टैबलेट्स जब्त भी किए गए हैं। प्रारंभिक रूप से कहा जा रहा है कि ये ड्रग्स मुंबई के बाहर से लाया गया था। सवाल है कि कहां से? अभी इसका जवाब नहीं मिला है लेकिन यह सवाल भी पूछा जाना चाहिए कि पुलिस का इतना बड़ा अमला होने और एंटी ड्रग्स फोर्स की मौजूदगी के बाद भी ड्रग्स मुंबई कैसे पहुंच रहा है? क्या यह बात किसी से छिपी हुई है कि न केवल मुंबई बल्कि महाराष्ट्र के ज्यादातर शहरों में ड्रग्स बड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाता है! कई शहरों में रेलवे स्टेशन के आसपास का इलाका ड्रग्स के धंधे का बड़ा केंद्र बना हुआ है. सवाल है कि क्या सुनियोजित रूप से ऐसे स्थानों पर पुलिस शिकंजा कसती है? क्या ऐसा कोई तंत्र पुलिस ने विकसित किया है ताकि यह पता चल सके कि स्कूल-कॉलेजों में ड्रग्स की पुड़िया कहां से पहुंच रही है और उसे कैसे रोका जाए? संभव है कि कागजों पर ऐसा तंत्र मौजूद हो लेकिन हकीकत यह है कि जमीन पर ऐसा तंत्र दिखाई नहीं दे रहा है। ड्रग्स के सौदागर बेलगाम हो रहे हैं. हमारे युवा मौत के मुंह में जा रहे हैं। उन्हें बचाना जरूरी है। हमारा महाराष्ट्र कहीं उड़ता पंजाब न बन जाए!

अनमोल रत्न

सच्चे गुरु की सेवा करते हए ही आपको संपूर्ण शांति की प्राप्ति होगी तथा जन्म और मृत्यु के सभी कष्ट मिट जाएंगे। ईश्वर ही स्वयं क्षमाकर्ता है। इंसान का स्वार्थ ही अनेक अशुभ विचारों को जन्म देता है। गुरु गोविंद सिंह जी

अपनी बात

उत्तर भारत के गाँवों में गेहूँ की कटाई केवल एक मौसम नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव होती है। यह वह समय है जब किसान की महीनों की तपस्या, धूप में जले हाथ, सर्द रातों की पहरेदारी और अनिश्चित मौसम के साथ लड़ी गई जंग अंततः रंग लाती है। खेतों में झूमती सुनहरी बालियाँ किसी साधारण फसल का दृश्य नहीं, बल्कि आशा, संघर्ष और आत्मसम्मान का प्रतीक होती हैं। जब यही फसल कटकर घर के आँगन में ढेर बनाती है,

डॉ. सत्यवान सौरभ

तो वह केवल अनाज नहीं होती—वह पूरे साल की सुरक्षा होती है, बच्चों की पढ़ाई का आधार, बीमारियों में सहारा, और भविष्य की अनिश्चितताओं से लड़ने की ताकत होती है। घर की महिलाएँ उस अनाज को सहेजती हैं, साफ करती हैं, सुखाती हैं और बड़े जतन से उसे भंडार में रखती हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि यही दाने आने वाले समय में घर की नींव को मजबूत बनाए रखेंगे। लेकिन इस सुनहरे और संतोष भरे दृश्य के साथ ही एक ऐसी परछाई भी गाँव की गलियों में उतरने लगती है, जो धीरे-धीरे इस खुशी को कम करने लगती है। यह परछाई है झोली लेकर घूमने वाले तथाकथित बाबाओं और मोड़ों की, जो इसी मौसम का इंतजार करते हैं। जैसे ही अनाज घरों में आता है, ये लोग अचानक गाँवों में दिखाई देने लगते हैं। उनके वस्त्र, उनका रूप और उनकी वाणी सब कुछ इस तरह से रचा गया होता है कि वे श्रद्धा के पात्र प्रतीत हों। माथे पर तिलक, सिर पर पटका या टोपी, रंग-बिरंगे कपड़े और हाथ में एक झोली—यह सब मिलकर एक ऐसा रूप तैयार करते हैं, जिसे देखकर सामान्य ग्रामीण सहज ही प्रभावित हो जाता है। वे घर-घर जाकर दरवाजे पर खड़े होते हैं और मीठे शब्दों में आशीर्वाद देते हैं—"भगवान भला करेगा", "माता रानी कृपा बनाए रखे"—और बदले में कुछ अनाज या पैसे की अपेक्षा रखते हैं। गाँवों में दान और सेवा की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक भी है, जो आपसी सहयोग और सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करती है। खासकर महिलाएँ इस परंपरा को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे घर की दहलीज पर खड़ी होकर आने-जाने वालों का स्वागत करती हैं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान देती हैं। उनके लिए यह केवल एक सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आस्था का हिस्सा होता है। लेकिन यही आस्था कई बार उनकी कमजोरी बन जाती है, जब कुछ लोग इसका लाभ उठाने लगते हैं। एक घर से दी गई एक मुट्ठी गेहूँ शायद बहुत छोटी बात लगती है। देने वाले को लगता है कि इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। लेकिन यही प्रक्रिया जब पूरे गाँव में दोहराई जाती है, तो यह छोटी-छोटी मुट्ठियाँ मिलकर एक बड़े ढेर में बदल जाती हैं। दिन भर में सैकड़ों घरों से इकट्ठा किया गया अनाज शाम तक एक बड़ी मात्रा में पहुँच जाता है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम : महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ते कदम

अब यही प्रभाव संसद और विधानसभाओं में भी दिखाई देगा, जिससे विकास की दिशा अधिक संतुलित और समावेशी होगी। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों ने इस परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है। 22 जनवरी, 2015 को 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरूआत की गई थी

आरती सिंह राव

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' एक युगांतरकारी पहल के रूप में सामने आया है। यह अधिनियम लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण सुनिश्चित करता है, जो केवल प्रतिनिधित्व बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि नीति निर्माण को अधिक समावेशी, संवेदनशील और प्रभावी बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। इसका उद्देश्य महिलाओं को "नीति के लाभार्थी" से "नीति निमार्ता" बनने का अवसर प्रदान करना है, जिससे वे देश के विकास की आधारशिला में सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस अधिनियम के लागू होने से शासन की प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, सुरक्षा, जल और स्वच्छता जैसे विषय अधिक प्राथमिकता प्राप्त करते हैं। स्थानीय निकायों में महिलाओं के आरक्षण के सकारात्मक अनुभव पहले ही यह साबित कर चुके हैं कि महिला नेतृत्व से नीतियां अधिक जन-केंद्रित और प्रभावी बनती हैं। अब यही प्रभाव संसद और विधानसभाओं में भी दिखाई देगा, जिससे विकास की दिशा अधिक संतुलित और समावेशी होगी। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रयासों ने इस परिवर्तन की मजबूत नींव रखी है। 22 जनवरी, 2015 को ह्बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओह्ल अभियान की शुरूआत की गई थी, इस अभियान से सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव लाया है और लड़कियों की शिक्षा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सुकन्या समृद्धि योजना के तहत करोड़ों खातों के माध्यम से बेटियों के भविष्य को आर्थिक सुरक्षा मिली है। उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी इस बदलाव का स्पष्ट संकेत देती है। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के माध्यम से करोड़ों महिलाओं को पोषण सहायता मिल रही है, जबकि पोषण 2.0 के तहत लाखों आंगनवाड़ी केंद्रों के जरिए करोड़ों लाभार्थियों तक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। इन प्रयासों का परिणाम मातृ-मृत्यु दर में कमी के रूप में सामने आया है, जो महिला स्वास्थ्य के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव को दशार्ता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत में गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। नेशनल हेल्थ मिशन के तहत कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनमें जननी सुरक्षा योजना एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देकर मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बीपीएल/एससी परिवारों की महिलाओं को सरकारी संस्थान में प्रसव पर 700 रुपये तथा शहरी क्षेत्रों में 600 रुपये की सहायता दी जाती है, जबकि घर पर प्रसव के लिए बीपीएल परिवारों को 500 रुपये प्रदान किए जाते हैं। इसके अलावा, राज्य योजना के तहत एससी वर्ग की गर्भवती महिलाओं को सरकारी या निजी संस्थानों में प्रसव पर 1,500 रुपये की नकद सहायता मिलती है। इसी प्रकार, ह्यजननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रमह्ल के माध्यम से गर्भवती महिलाओं को सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क सेवाएं दी जाती हैं, जिनमें दवाइयाँ, जांच, भोजन, रक्त की सुविधा और परिवहन शामिल हैं, जिससे इलाज पर होने वाला खर्च पूरी तरह समाप्त हो जाता है। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रसवपूर्व देखभाल प्रदान करने पर केंद्रित है। इस योजना के तहत हर महीने निर्धारित दिनों (9, 10, 23 तारीख और अंतिम कार्य दिवस) पर विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच, स्क्रीनिंग और उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। विशेष रूप से उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) के लिए प्रत्येक विजिट पर 100 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती है, जो अधिकतम 300 रुपये तक है। ये सभी योजनाएँ मिलकर देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने और महिलाओं को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। देशभर में महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में एचपीवी टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, जिसका मुख्य कारण एचपीवी के उच्च-जोखिम प्रकारों से होने वाला संक्रमण है।

इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए भारत सरकार ने एचपीवी टीकाकरण को एक प्रभावी रोकथाम उपाय के रूप में अपनाया है, जिससे भविष्य में कैंसर के मामलों को कम किया जा सके। वैश्विक स्तर पर सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन की रणनीति के तहत एचपीवी टीकाकरण को एक मजबूत स्तम्भ माना गया है। लक्ष्य रखा गया है कि वर्ष 2030 तक 15 वर्ष की आयु तक कम से कम 90 प्रतिशत लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन दी जाए। इसी दिशा में, वर्ष 2026 में विशेष अभियान जो तीन महीनों की अवधि में एक विशेष राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में लागू किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की लड़कियों को टीकाकरण के लिए पात्र माना गया है और Gardasil-4 वैक्सीन की सिंगल-डोज व्यवस्था अपनाई गई है। हरियाणा राज्य में लगभग 2.4 लाख किशोरियों को इस अभियान के तहत कवर करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की शुरूआत के बाद से अब तक 6,500 से अधिक पात्र लाभार्थियों को टीका लगाया जा चुका है। यह पहल न केवल महिलाओं के स्वास्थ्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, बल्कि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। केन्द्र सरकार द्वारा नेशनल हेल्थ मिशन के अंतर्गत संचालित आशा (ASHA) कार्यकर्ता ग्रामीण और शहरी स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं। ये समुदाय और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच सेतु का कार्य करती हैं तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, जागरूकता और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हरियाणा में पिछले लगभग 11 वर्षों में आशा कार्यकताओं की संख्या 16,861 से बढ़कर 20,623 हो गई, जिससे लगभग 4,458 नई भर्तियाँ हुई।

इसके साथ ही, उनके मानदेय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अब वर्ष 2026 में यह 14,023 रुपये प्रति माह है। साथ ही, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के तहत आशा कार्यकताओं और उनके परिवारों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देने की प्रक्रिया जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने पिछले कुछ वर्षों में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकारी योजनाओं के तहत बड़ी संख्या में घर महिलाओं के नाम पर दर्ज किए गए हैं। स्टेम क्षेत्रों तथा स्टार्ट-अप इको-सिस्टम में भी महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। भारत में महिलाओं की मतदान में भागीदारी लगातार बढ़ रही है। आज महिलाएं बड़ी संख्या में मतदान करती हैं और कई बार पुरुषों से अधिक मतदान प्रतिशत दर्ज करती हैं। यह इस बात का संकेत है कि महिलाएँ अब लोकतंत्र के केंद्र में आ चुकी हैं। हालाँकि, संसद और विधानसभाओं में उनकी संख्या अभी भी अपेक्षाकृत कम है। लेकिन पंचायत स्तर पर स्थिति अधिक सकारात्मक है, जहाँ लगभग 46 प्रतिशत प्रतिनिधि महिलाएँ हैं। यह दशार्ता है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ प्रभावी नेतृत्व कर सकती हैं। इन सभी प्रयासों ने मिलकर एक मजबूत आधार तैयार किया है, जिस पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन संभव होगा। जैसे-जैसे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ेगी, वे न केवल मौजूदा योजनाओं को और प्रभावी बनाएंगी, बल्कि नई नीतियों के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभाएंगी। इससे शासन अधिक उत्तरदायी, पारदर्शी और संवेदनशील बनेगा।

अंततः, यह अधिनियम केवल एक संवैधानिक प्रावधान नहीं, बल्कि ह्यविकसित भारत 2047ह्ल के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। महिला नेतृत्व के बढ़ने से विकास की प्रक्रिया अधिक समावेशी, संतुलित और टिकाऊ बनेगी। यह पहल आने वाले समय में भारत के लोकतंत्र और विकास मॉडल को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

(लेखिका हरियाणा प्रदेश की स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान और आयुष मंत्री हैं।)

अंकों की दौड़ नहीं, समझ और संतुलन की जरूरत: सीबीएसई बोर्ड परीक्षा-परिणाम

प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में 55,368 छात्रों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 2,21,574 छात्रों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए, जो प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और विद्यार्थियों की मेहनत को दशार्ता है। इसके साथ ही लगभग 14.7 लाख से अधिक छात्रों को ह्यकम्पार्टमेंटह्ल श्रेणी में रखा गया है, जो यह दशार्ता है कि एक बड़ा वर्ग अभी भी सुधार की दिशा में प्रयासरत है।

हाल ही में, बुधवार को 15 अप्रैल 2026 को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया, जिसमें इस वर्ष कुल 93.70% छात्र सफल हुए हैं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के 93.66% की तुलना में 0.04% अधिक है, जो परिणाम में हल्का किंतु सकारात्मक सुधार दशार्ता है। इस बार भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 94.99% पास प्रतिशत हासिल किया, जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 92.69% रहा। वहीं ट्रांसजेंडर छात्रों का पास प्रतिशत 87.50% दर्ज किया गया, जो शिक्षा के क्षेत्र में सभी वर्गों की

सुनील कुमार महला

भागीदारी और प्रगति का संकेत देता है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में 55,368 छात्रों ने 95% से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 2,21,574 छात्रों ने 90% से अधिक अंक हासिल किए, जो प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण और विद्यार्थियों की मेहनत को दशार्ता है। इसके साथ ही लगभग 14.7 लाख से अधिक छात्रों को ह्यकम्पार्टमेंटह्ल श्रेणी में रखा गया है, जो यह दशार्ता है कि एक बड़ा वर्ग अभी भी सुधार की दिशा में प्रयासरत है। इस वर्ष परीक्षार्थियों की कुल संख्या पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ी कम रही। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई ने इस बार भी टॉपर सूची जारी नहीं की और न ही फर्स्ट, सेकेंड या थर्ड डिवीजन की व्यवस्था अपनाई, ताकि छात्रों के बीच अनावश्यक तुलना और प्रतिस्पर्धा को रोका जा सके। हालांकि, परीक्षा परिणाम बेहतर रहा है, लेकिन इसके साथ एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रवृत्ति भी सामने आती है, जहां अभिभावक अपने बच्चों के अंकों की तुलना दूसरों से करने लगते हैं, जिससे बच्चों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। वास्तव में, हर बच्चा अलग होता है-किसी की गणित और विज्ञान में पकड़ मजबूत होती है तो कोई कला, खेल या भाषा में उत्कृष्ट होता है। यदि बच्चों का मूल्यांकन केवल अंकों के आधार पर किया जाए, तो इससे उनके आत्मविश्वास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और वे हीन भावना, तनाव तथा असफलता के भय से ग्रस्त हो सकते हैं। प्रतिस्पर्धा जीवन का हिस्सा अवश्य है, लेकिन वह तभी तक सकारात्मक है जब तक वह प्रेरणा देती है; जब यह दबाव और चिंता का कारण बनने लगे, तब यह मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए हानिकारक हो जाती है। इसलिए बच्चों को दूसरों से बेहतर बनने के बजाय स्वयं से बेहतर बनने की प्रेरणा देना अधिक उचित है। इस संदर्भ में माता-पिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें बच्चों के प्रयासों की सराहना करनी चाहिए, न कि केवल परिणामों पर ध्यान देना चाहिए। यदि बच्चा अपेक्षा के अनुरूप अंक प्राप्त नहीं कर पाता, तो उसे डांटने या तुलना करने के बजाय यह समझने की कोशिश करनी चाहिए कि सुधार की आवश्यकता कहां है। बच्चों के साथ संवाद बनाए रखना, उनकी रुचियों और क्षमताओं को समझना तथा उसी दिशा में प्रोत्साहित करना ही सही मार्गदर्शन है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में अपेक्षाएं स्वाभाविक हैं, लेकिन जब अभिभावक अपनी अधूरी इच्छाएं बच्चों पर थोपते हैं, तो यह उनके व्यक्तित्व विकास में बाधा बनती हैं। हर बच्चा अपनी अलग पहचान और क्षमता लेकर आता है, इसलिए उस पर अत्यधिक अपेक्षाओं का बोझ डालना उचित नहीं है। हाल फिलहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि अंकों की अंधी दौड़ बच्चों के समग्र विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

सफलता का वास्तविक पैमाना केवल अंक नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और प्रतिभा का विकास है। अत्यधिक दबाव के कारण बचपन प्रभावित हो रहा है और रचनात्मकता में कमी आ रही है, जबकि जीवन में आगे बढ़ने के लिए व्यावहारिक ज्ञान और कौशल अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि प्रसिद्ध व्यवहारवादी मनोवैज्ञानिक जॉन बी. वॉटसन ने बच्चों के विकास को लेकर एक चर्चित और विवादास्पद कथन दिया था-'मुझे एक दर्जन स्वस्थ, अच्छी तरह विकसित शिशु दे दीजिए और उन्हें अपने वातावरण में पालने का अवसर दीजिए, तो मैं उनमें से किसी को भी डॉक्टर, वकील, कलाकार, व्यापारी, यहां तक कि भिखारी या चोर बना सकता हूं, चाहे उसकी जन्मजात प्रतिभा कुछ भी क्यों न हो।' वास्तव में, इस कथन का मूल भाव यह है कि वे बच्चों के विकास में वातावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते थे। हालांकि आधुनिक मनोविज्ञान यह मानता है कि बच्चे के व्यक्तित्व और विकास में वंशानुगत गुण (हेरिडिटेरी ट्रेट्स) और वातावरण-दोनों का संतुलित योगदान होता है। यह विचार इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दशार्ता है कि सही माहौल और सकारात्मक प्रोत्साहन से बच्चों को बेहतर दिशा दी जा सकती है, न कि केवल दबाव डालकर। वास्तव में, हम सभी को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि बच्चे वास्तव में कच्चे घड़े की तरह होते हैं, जिन्हें जिस दिशा में मार्गदर्शन मिलता है, वे उसी रूप में ढलते चले जाते हैं। उनका मन कोमल, जिज्ञासु और सीखने के लिए सदैव तैयार रहता है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि उन्हें बचपन से ही सही संस्कार, संयम और सकारात्मक सोच दी जाए। यदि बच्चों में संयम विकसित किया जाए, तो वे कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखते हैं और जल्दबाजी में गलत निर्णय लेने से बचते हैं। इसके साथ ही आत्मविश्वास का विकास भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आत्मविश्वासी बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना साहस और दृढ़ता के साथ करते हैं। जब माता-पिता और शिक्षक बच्चों को प्रोत्साहित करते हैं, उनकी छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करते हैं और असफलताओं में उनका साथ देते हैं, तब उनके भीतर एक मजबूत आत्मबल विकसित होता है। यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी और कर्तव्य है कि हम बच्चों को केवल पढ़ाई तक सीमित न रखें, बल्कि उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास पर ध्यान दें। सही दिशा, स्नेह और अनुशासन का संतुलन ही उन्हें एक सफल और जिम्मेदार इंसान बना सकता है। वर्तमान समय में परीक्षा का दबाव असामान्य रूप से बढ़ गया है, जहां अच्छे अंक लाने और दूसरों से आगे निकलने की होड़ बच्चों को मानसिक तनाव और चिंता की ओर धकेल रही है। कई बच्चे पढ़ाई को सीखने की प्रक्रिया के बजाय केवल अंक प्राप्त करने का साधन मानने लगते हैं,जिससे उनकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास प्रभावित होता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना होना चाहिए। यदि बच्चा मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है, तो वह किसी भी सफलता का वास्तविक आनंद नहीं ले सकता।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं। यह इनके निजी विचार हैं।)

सामाजिक कल्याण बनाम धार्मिक हस्तक्षेप: संतुलन की अनिवार्यता

किसी भी अदालत के लिए लाखों लोगों की आस्था को गलत ठहराना मुश्किल है। समाज के विकास और प्रगतिशीलता के नाम पर किए जाने वाले सुधारों का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होता है। लेकिन जब यही सुधार किसी धर्म की मूल संरचना, परंपराओं और आस्थाओं को प्रभावित करने लगते हैं, तब एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है

सौरभ वार्ष्णेय

अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ ने सबरीमाला मामले की सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से एक टिप्पणी की सामाजिक कल्याण के नाम पर किसी धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। किसी भी अदालत के लिए लाखों लोगों की आस्था को गलत ठहराना मुश्किल है। समाज के विकास और प्रगतिशीलता के नाम पर किए जाने वाले सुधारों का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होता है। लेकिन जब यही सुधार किसी धर्म की मूल संरचना, परंपराओं और आस्थाओं को प्रभावित करने लगते हैं, तब एक गंभीर प्रश्न खड़ा होता है—क्या सामाजिक कल्याण के नाम पर किसी धर्म को कमजोर या खोखला किया जा सकता है? अगर हम इस टिप्पणी को समझने की कोशिश करते हैं तो भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां अनेक धर्म, परंपराएं और संस्कृतियां साथ-साथ विकसित हुई हैं, वहां यह सवाल और भी संवेदनशील हो जाता है। संविधान प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म का पालन, प्रचार और प्रसार करने की स्वतंत्रता देता है। ऐसे में सुधारों की प्रक्रिया को इस संवैधानिक संतुलन का सम्मान करना ही होगा। इतिहास गवाह है कि समाज में कई सुधार आवश्यक रहे हैं—चाहे वह सती प्रथा का उन्मूलन हो, बाल विवाह पर रोक हो या महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में उठाए गए कदम। इन सुधारों ने न केवल समाज को मानवीय बनाया, बल्कि धर्मों की आत्मा को भी शुद्ध किया। इसलिए यह कहना भी सही नहीं होगा कि हर सुधार धार्मिक हस्तक्षेप है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुधार के नाम पर किसी विशेष धर्म या समुदाय को लक्षित किया जाता है, या उसकी आस्थाओं को तिरस्कार की दृष्टि से देखा जाता है। यह न केवल सामाजिक विभाजन को बढ़ाता है, बल्कि सुधारों के उद्देश्य को भी संदिग्ध बना देता है। सुधार यदि समानता, न्याय और मानवाधिकार के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधारित हों, तो वे स्वीकार्य होते हैं; लेकिन यदि उनमें राजनीतिक या वैचारिक पक्षपात झलकता है, तो वे विरोध को जन्म देते हैं। सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है कि वे सुधार और आस्था के बीच एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं। सुधारों का लक्ष्य कुरीतियों को समाप्त करना होना चाहिए, न कि किसी धर्म की पहचान को कमजोर करना। साथ ही, धार्मिक समुदायों को भी आत्ममंथन के लिए तैयार रहना चाहिए, ताकि वे समय के साथ सकारात्मक बदलावों को स्वीकार कर सकें। यह समझना आवश्यक है कि सामाजिक कल्याण और धार्मिक स्वतंत्रता परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं—बशर्ते दोनों के बीच संतुलन और संवेदनशीलता बनी रहे। सुधार तब ही सार्थक होंगे जब वे समाज को जोड़ने का काम करें, न कि उसे विभाजित करने का। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की संविधान पीठ में सीजेआई सूर्यकांत के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमनुल्लाह, अरविंद कुमार, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जॉयमाल्य बागची जैसे न्यायमूर्ति अनुभवी हैं। इनकी अदालतों में कई ऐसे मामले आये होंगे। मामले की सुनवाई के दौरान 9 न्यायाधीशों की पीठ के सदस्य न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी द्वारा अनु'छेद 25(2)(ख) और अनु'छेद 26(ख) के तहत किसी धार्मिक संस्था को अपने मामलों का प्रबंधन करने के अधिकार के बीच परस्पर संबंध पर दिए गए तर्कों को सुनते हुए यह टिप्पणी की। ज्ञात रहे कि अनु'छेद 25(2)(ख) राइय को सामाजिक कल्याण और सुधार के लिए कानून बनाने या सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थानों को हिंदुओं के सभी वर्गों और समुदायों के लिए खोलने की अनुमति देता है। त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की ओर से पेश होते हुए, सिंघवी ने तर्क दिया कि यद्यपि अनु'छेद 25(2)(ख) के तहत हिंदुओं के सभी संप्रदाय सार्वजनिक हिंदू धार्मिक संस्थान में प्रवेश की मांग कर सकते हैं, वहीं धार्मिक संप्रदाय को अनु'छेद 26(ख) के तहत आंतरिक अनुष्ठानों के संचालन को विनियमित करने का अधिकार होगा। उन्होंने अनु'छेद 25(2)(ख) और अनु'छेद 26(ख) की सामंजस्यपूर्ण व्याख्या की वकालत की। न्यायमूर्ति सुंदरेश ने भी इस बात से सहमति जताते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम सामाजिक सुधार का एक उदाहरण हो सकता है। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने टिप्पणी की, सामाजिक कल्याण और सुधार के नाम पर आप धर्म को खोखला नहीं कर सकते। आखिरकार सबरीमाला मामला क्या है ? केरल के सबरीमाला मंदिर को लेकर चला विवाद केवल एक धार्मिक परंपरा का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह भारत के संविधान, लैंगिक समानता और धार्मिक स्वतंत्रता के बीच संतुलन की एक जटिल परीक्षा बन चुका है। सदियों पुरानी मान्यता के अनुसार, भगवान अयप्पा को नैष्ठिक ब्रह्मचारी माना जाता है। इसी आधार पर 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के मंदिर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। समर्थकों का तर्क है कि यह परंपरा धार्मिक आस्था से जुड़ी है, जिसमें हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर, विरोधियों का कहना है कि यह प्रतिबंध महिलाओं के मौलिक अधिकारों—विशेषकर समानता और गरिमा—का उल्लंघन है। इस पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला 2018 में आया। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने एक ऐतिहासिक निर्णय देते हुए महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया। अदालत ने कहा कि धर्म के नाम पर किसी भी प्रकार का भेदभाव स्वीकार्य नहीं है और महिलाओं को भी समान अधिकार मिलने चाहिए। फैसले के बाद केरल सहित देशभर में व्यापक विरोध-प्रदर्शन हुए। कई श्रद्धालुओं ने इसे आस्था पर आघात बताया, जबकि महिला अधिकार समूहों और प्रगतिशील वर्गों ने इसे एक बड़ी जीत के रूप में देखा। यह विवाद केवल धार्मिक नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक बहस का भी केंद्र बन गया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं दायर की गईं। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे को व्यापक संदर्भ में—अन्य धार्मिक प्रथाओं के साथ—बड़ी पीठ को सौंप दिया। फिलहाल कानूनी स्थिति जटिल बनी हुई है और अंतिम स्पष्टता का इंतजार है। सबरीमाला मामला यह सवाल उठाता है कि क्या परंपराएं समय के साथ बदलनी चाहिए, या उन्हें यथावत बनाए रखना चाहिए। लोकतंत्र में आस्था का सम्मान जरूरी है, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि संविधान के मूल सिद्धांत—समानता, स्वतंत्रता और गरिमा—सर्वोपरि रहें। समाधान टकराव में नहीं, संवाद में है। समाज, न्यायपालिका और धार्मिक संस्थाओं को मिलकर ऐसा रास्ता निकालना होगा, जो आस्था को भी सम्मान दे और अधिकारों को भी सुरक्षित रखे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं। यह इनके निजी विचार हैं।)

'सृजन' की रंगीन छटा से सजा रवींद्र भवन, आनंद विहार विद्यालय का वार्षिकोत्सव संपन्न

भोपाल। तुलसी नगर स्थित आनंद विहार विद्यालय का वार्षिकोत्सव 'सृजन' थीम पर उत्साह और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा और विशिष्ट अतिथि के रूप में सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंसके संयुक्त सचिव सुभाष गर्ग उपस्थित रहे। माँ सरस्वती पूजन से शुरू हुए समारोह में लगभग 600 विद्यार्थियों ने भाग लिया और देवी स्तुति, गुरुकुल नाटिका, राजस्थानी व भक्ति नृत्य जैसी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। 'परवरिश' नाटक और प्रकृति-आधारित नृत्य विशेष आकर्षण रहे। प्राचार्य शैलेष झोपे ने वार्षिक उपलब्धियां साझा कीं। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया गया। अब विद्यालय 18 अप्रैल को विज्ञान एवं आर्ट-क्राफ्ट प्रदर्शनी आयोजित कर विद्यार्थियों की रचनात्मकता को नया मंच देने जा रहा है।

सहकारी समिति रायपुर में गबन का खुलासा

जमीन में दबे मिले 33 लाख, चार गिरफ्तार

भोपाल/राजधानी ईटखेड़ी। जिला भोपाल (देहात) के थाना ईटखेड़ी पुलिस ने सहकारी समिति रायपुर में हुए लाखों रुपये के गबन कांड का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से जमीन के नीचे छिपाई गई ?33,46,430 की भारी-भरकम राशि बरामद की है। घटनाक्रम के अनुसार, 26 और 27 मार्च को किसानों से ऋण वसूली के रूप में प्राप्त ?41,94,000 की राशि समिति कर्मचारियों ने डकार ली थी। मामले को चोरी का रूप देने के लिए आरोपियों ने झूठी कहानी रची थी। 2 अप्रैल को प्रशासक रामचरण सिलावट की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

सीसीटीवी,तकनीकी साक्ष्य से खुला राज

पुलिस अधीक्षक रामशरण प्रजापति के निर्देशन में टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच की। संदेह के घेरे में आए कर्मचारी नरेश नागर से पूछताछ में सारा सच सामने आ गया। नरेश ने अपने साथियों शिवदयाल, अमन और अजय नागर के साथ मिलकर गबन की बात कबूल की।

जमीन खोदकर निकाली नकदी

आरोपियों ने गबन की राशि ग्राम हर्राखेड़ा की एक दुकान में लोहे की पेटी में भरकर जमीन के नीचे दबा दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर खुदाई करवाई और नकदी बरामद की। सभी आरोपी ग्राम हिनोतिया के निवासी हैं, जिन्हें न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी आशीष सप्रे एवं उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही।

आत्म आराधना शिविर में गूंजा जैन दर्शन, ब्रह्मचारी सुमत प्रकाश का प्रेरक संदेश

भोपाल। राजधानी के गुर्जर पूरा स्थित जैन धर्मशाला में आयोजित वात्सल्यमयी आत्म आराधना शिविर में ब्रह्मचारी सुमत प्रकाश जैन ने जैन दर्शन पर विशेष संबोधन दिया। उन्होंने आत्मा की अनादि-अनंत प्रकृति और दृष्टि को आत्मा में स्थिर रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर में प्रतिभागियों ने तत्व चर्चा के माध्यम से जैन सिद्धांतों को समझा। मुमुक्षु मंडल अध्यक्ष अशोक जैन और मंत्री देवेंद्र बड़कुल ने बताया कि सुमत प्रकाश का प्रवास 21 तक रहेगा। उनके सानिध्य में अक्षय तृतीया और कानजी स्वामी जयंती श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाएगी। कार्यक्रम में कई समाजजन उपस्थित रहे।

महिलाओं को घायल कर बैग लूटने वाले लुटेरे गिरफ्तार, एक आरोपी अब भी फरार

भोपाल. प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी के गोविंदपुरा क्षेत्र में महिलाओं के साथ बर्बरतापूर्वक लूट करने वाले दो शातिर बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों ने लूट के दौरान महिलाओं को स्कूटी से गिरा दिया था, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। पुलिस ने उनके पास से घटना में प्रयुक्त पल्सर बाइक और लूटा गया मशरूका बरामद कर लिया है।

10 अप्रैल की रात करीब 09:40 बजे टीआरटी गोविंदपुरा पानी की टंकी के पास तीन बाइक सवार बदमाशों ने स्कूटी सवार दो महिलाओं को निशाना बनाया। बदमाशों ने पीछे बैठी महिला का पर्स छीनने के लिए स्कूटी को जोरदार टक्कर मारी। इस हादसे में दोनों

महिलाएं सड़क पर गिर गईं, जिससे एक के सिर में गंभीर चोट आई और दूसरी का हाथ फ्रैक्चर हो गया। दोनों महिलाएं फिलहाल आईसीयू में भर्ती हैं। इस घटना से क्षेत्र में काफी जनआक्रोश व्याप्त था। पुलिस आयुक्त संजय कुमार और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और मुखबिर तंत्र की मदद से जांच शुरू की। सूचना के आधार पर पुलिस ने 15 अप्रैल को टीआरटी स्कूल के पास खंडहर क्वार्टर से घेराबंदी कर दो आरोपियों को दबोच लिया। आरोपी के नाम- मो. आदिल (25 वर्ष), मो. शाबान (20 वर्ष), । तीसरा आरोपी मो. यूसुफ, जिस पर हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित 13 मामले दर्ज हैं।

सतपुड़ा भवन में चोरी करते रंगे हाथ पकड़ा गया शातिर बदमाश, दो एक्टिवा बरामद

भोपाल. प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी के अति-सुरक्षित क्षेत्र सतपुड़ा भवन में चोरी की नीयत से घुसे एक शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी न केवल एसी के कॉपर पाइप और यूनिट चोरी करते पकड़ा गया, बल्कि पूछताछ में उसने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से दो एक्टिवा वाहन चोरी करने की बात भी कबूल की है। घटना 14 और 15 अप्रैल की दरमियानी रात की है। उच्च शिक्षा विभाग, सतपुड़ा भवन (विंग-ख) में एक अज्ञात व्यक्ति एसी के कॉपर पाइप और आउटडोर यूनिट चोरी करने का प्रयास कर रहा था। वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया।

थाना प्रभारी सुनील शर्मा के नेतृत्व में जब आरोपी विशाल गिरी (26 वर्ष), निवासी भीम नगर से पूछताछ की गई, तो उसने कई अन्य वारदातों का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपी के पास सेः दो चोरी की एक्टिवा जब्त की हैं। इन वाहनों की कुल कीमत करीब 74,000 रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, विशाल गिरी थाना अरेरा हिल्स का सूचीबद्ध निगरानी बदमाश है। उसके विरुद्ध भोपाल के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी और मारपीट जैसे लगभग 25 गंभीर अपराध पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब यह पता लगा रही है कि वह इन चोरी के वाहनों और सामान को किसे बेचने वाला था।

बच्चों और बुजुर्गों ने मिलकर जगाई पर्यावरण चेतना

भोपाल। राजधानी में बाल भारती पब्लिक स्कूल के छात्रों ने ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 'सेव एनर्जी' थीम पर नुक्कड़ रैली निकाली। इस अनोखी पहल में बच्चों के साथ उनके दादा-दादी भी शामिल हुए, जिससे पीढ़ियों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। रैली के दौरान छात्रों ने नारे और संदेशों के माध्यम से लोगों को ऊर्जा बचाने, संसाधनों के सही उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक किया। बच्चों ने ग्रीन एनर्जी अपनाने और बिजली की बचत जैसे छोटे प्रयासों को भविष्य के लिए जरूरी बताया। यह पहल समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का प्रेरणादायक संदेश देती है।

निरीक्षण

कलेक्टर ने ईटखेड़ी में परखीं आजीविका गतिविधियां, गेहूं उपार्जन केंद्रों का लिया जायजा

किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो : प्रियंक मिश्रा

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।

भोपालः कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने शुक्रवार को ईटखेड़ी स्थित 'समर्थन सीएलएफ सेंटर' का दौरा कर स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों का अवलोकन किया। 'एक जिला-एक उत्पाद' पहल के तहत उन्होंने जरी-जरदौजी, जूट और बांस के स्टालों का निरीक्षण करते हुए महिलाओं को आजीविका एक्सप्रेस संचालित करने का सुझाव दिया। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने बताया कि इस क्लस्टर से जुड़ी 4,000 महिलाओं में से आधी से अधिक 'लखपति दीदी' की श्रेणी में आ चुकी हैं। ये महिलाएं पशुपालन, बैंक सखी और सिलाई जैसे कार्यों से आत्मनिर्भर बन रही हैं। कलेक्टर ने आंगनवाड़ियों को नर्सरी के रूप में विकसित करने पर जोर दिया और ग्रामीणों की मांग पर हलाली बांध परियोजना से पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य बिंदु

उद्देश्यः ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण।
उपलब्धिः 2,000 से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनीं।
निर्देशः पेयजल समस्या हेतु हलाली बांध परियोजना का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश।
उपस्थितिः जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी, एसडीएम श्री विनोद सोनकिया सहित अन्य अधिकारी।

गेहूं खरीदी का निरीक्षण

इसके पश्चात, कलेक्टर ने गोलखेड़ी स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का निरीक्षण किया। जिले में अब तक 4,315 किसानों से 2.41 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

एक नजर इधर भी...

भोपाल.प्रातः किरण। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के आगामी कार्यक्रम को लेकर संभाग प्रभारी एवं जिला प्रभारियों की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी एवं श्री गौरव रणदिवे मंचासीन रहे।

भोपाल.प्रातः किरण। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शुक्रवार को जबलपुर और शहडोल संभाग के सभी जिला अध्यक्षों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

भोपाल.प्रातः किरण। राजधानी में प्रदर्शनः 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' जैसे विषयों पर बजरंग दल का हल्लाबोल, दोषियों को चिह्नित कर त्वरित दंडात्मक कार्रवाई की उठाई मांग।

भोपाल.प्रातः किरण। एम्स हॉस्पिटल में चूहे ओर कॉकरोच की समस्या को लेकर कॉग्रेस कार्यकताओं ने चूहे का पिजरा ओर कीटनाशक स्प्रे लेकर प्रदशन किया।

भोपाल.प्रातः किरण। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में पार्टी के आगामी कार्यक्रम को लेकर संभाग प्रभारी एवं जिला प्रभारियों की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी एवं श्री गौरव रणदिवे मंचासीन रहे।

भोपाल.प्रातः किरण। State Crime Records Bureau द्वारा Bhopal में 15-16 अप्रैल को CrPIसिस्टम/MCUके प्रभावी संचालन हेतु दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद के निर्देशन में हुई इस कार्यशाला का उद्देश्य डिजिटल साक्ष्यों को सुदृढ़ बनाना था। National Crime Records Bureau के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को सैद्धांतिक व प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। CrPI अधिनियम 2022 के तहत बायोमेट्रिक और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के संग्रहण व विश्लेषण पर विशेष जोर दिया गया। इसमें प्रदेशभर से 67 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों ने भाग लेकर तकनीकी दक्षता और कार्यकुशलता बढ़ाई।

देश दुनिया की ताजा खबरे पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
www.pratahkiranlive.com @pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

गाजियाबाद में 40 हजार गाड़ी मालिकों पर संकट

गाजियाबाद, एजेंसी। जिले में करीब 40 हजार दोपहिया और चारपहिया वाहन स्वामी को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। वजह यह है कि उनके वाहनों पर अब तक हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगी है। परिवहन विभाग की नई व्यवस्था के तहत बुधवार से एचएसआरपी के बिना अब प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, बार-बार नोटिस और अपील के बावजूद हजारों वाहन स्वामियों ने एचएसआरपी नहीं लगवाई। अब जैसे ही पुराने पीयूसी की अवधि समाप्त होगी, वाहन स्वामियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। एआरटीओ प्रशासन अशोक श्रीवास्तव के अनुसार, केंद्र सरकार के निर्देशों के तहत एचएसआरपी सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य है। उल्लंघन पर लगेगा 15 हजार का जुर्माना इससे वाहनों की पहचान आसान होती है और चोरी या अपराध में प्रयुक्त वाहनों की निगरानी में मदद मिलती है। इसी कारण पीयूसी को एचएसआरपी से जोड़ा गया है। नियम उल्लंघन पर 10 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है, जबकि बिना एचएसआरपी वाहन चलाने पर पांच हजार रुपये तक का दंड निर्धारित है। वहीं दोनों न होने पर 15 हजार का ठंड वाहन स्वामियों से वसूला जाएगा।

गाजियाबाद में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी पर बड़ी कार्रवाई

गाजियाबाद, एजेंसी। मालीवाड़ा क्षेत्र में खाद आपूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी का पर्दाफाश किया है। जिला खाद्य एवं पूर्ति विभाग की टीम ने मालीवाड़ा चौक पर एक मकान के नीचे दुकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से रखे गए 18 घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों जब्त किए हैं। बुधवार को जिला पूर्ति विभाग को सूचना मिली कि प्यारेलाल पार्क मालीवाड़ा चौक पर कूलर की दुकान में अवैध रूप से घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलिंडरों का भंडारण किया गया है। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने विभागीय टीम गठित कर औचक निरीक्षण किया, जहां 14.2 किग्रा के नौ घरेलू, 19 किग्रा के आठ व्यावसायिक और पांच किग्रा का एक व्यावसायिक छोटू सिलिंडर समेत कुल 18 सिलिंडर जब्त किए गए। विभागीय टीम जब्त किए गए सिलिंडरों को सिहानी गेट कोतवाली ले आई। जब्त सिलिंडरों को कालाबाजारी के उद्देश्य से जमा किया गया था। जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी ने बताया कि यह दुकान अनिल गर्ग की बताई गई है, जिनसे इस संबंध में पुलिस द्वारा पूछताछ और मामले की जांच के साथ ही संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कहा कि गैस सिलिंडरों की कालाबाजारी करने वालों की सूचना जिला पूर्ति विभाग और जिला प्रशासन को दें ताकि समय रहते ऐसे लोगों पर कार्रवाई की जा सके।

फरीदाबाद-बल्लभगढ़ में जाम से मिलेगी मुक्ति

बल्लभगढ़, एजेंसी। बस स्टैंड के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगने वाले जाम से छुटकारा दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन भी कमर कस चुका है। डीसीपी बल्लभगढ़ प्रतीक अग्रवाल ने सोमवार को बस स्टैंड के आसपास का दौरा करके यहां लगने वाले जाम के कारणों को जाना था। जाम से निपटने के लिए अभी ठोस कार्ययोजना बनाई जानी है लेकिन फौरी तौर पर यह निर्णय लिया गया है कि राजमार्ग पर बनी सफेद पट्टी से बाहर जो भी वाहन खड़ा दिखाई देगा, उसका चालान काट दिया जाएगा। दरअसल, बस स्टैंड के सामने सब्जी मंडी भी है। यहां बल्लभगढ़ के अलावा दूर दराज से लोग सब्जी खरीदने के लिए आते हैं। वे अपने चार पहिया, दो पहिया वाहनों को राजमार्ग पर आड़ा तिरछा खड़ा कर देते हैं। इस कारण अन्य वाहन यहां फंस जाते हैं और यातायात बहुत धीमा हो जाता है। सुबह और शाम के वक्त तो यहां भीषण जाम की स्थिति बनी जाती है। सब्जी मंडी में आने वाले वाहनों को ठीक से पार्क करने के लिए सफेद पट्टी का सहारा लिया जाएगा। राजमार्ग प्राधिकरण को बोला गया है कि वह स्पष्ट दिखने वाली सफेद पट्टी लगाए। इसके बाद पुलिस प्रशासन चेतावनी बोर्ड लगाएगा, ताकि वाहन चालक स्वयं ही अपने वाहन सफेद पट्टी के अंदर खड़ा करें।

लखनऊ में लगी भीषण आग की राख में मिली दो बच्चों की लाश, कई लापता

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के विकास नगर में बुधवार की शाम लगी आग आठ घंटे की मशक्कत के बाद देर रात बुझा तो ली गई लेकिन कई अपनों की तलाश अब भी जारी है। इस बीच पुलिस ने आग बुझाने के बाद दो बच्चों की लाश बरामद की है। दोनों बच्चों की उम्र दो साल के आसपास बताई जा रही है। लगभग एक हजार झुग्गी झोपड़ियों में लगी आग से सबकुछ खाक हो गया है। सौ के करीब एलपीजी सिलेंडर और बाइकों की टंकियां फटने से आग भड़कती रही। इससे करीब दस किलोमीटर के इलाके में धुएं का गुबार देखा गया।

विकास नगर में मुंशीपुलिया से आगे सीतापुर बाईपास किनारे सैकड़ों झुग्गी झोपड़ियां लंबे समय से आबाद थीं। बस्ती के विशाल गौतम का दावा है कि शाम करीब चार बजे देशी शराब ठेके के बगल में बनी कैंटीन से आग की लपटें एकाएक उठीं और विकराल होने लगीं। उनके साथ ही पड़ोसी धर्मेंद्र, बबलू, विमलेश, राम स्वरूप, मंत्री, मो. आसिफ कुरैशी, रहमान, सुनीता और करन की झोपड़ियां जलने लगीं। लोगों ने पानी फेंककर काबू पाने का प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली। इस बीच, झोपड़ियों में रखे गैस सिलेंडर ताबड़तोड़ धमाकों के साथ फटने लगे और पूरी बस्ती धू-धूकर जलने लगी। करीब डेढ़ घंटे बाद दमकल और पुलिस पहुंची। राहत व बचाव के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ भी पहुंच गए।

मौके पर कोई कह रहा था कि मेरा बच्चा गायब है तो कोई बेटी को खोज रहा था। किसी को पिता तो कोई भाई

को तलाश रहा था। पुलिस और सिविल डिफेंस के लोग उन्हें रोक रहे थे लेकिन कोई मानने को तैयार नहीं था। सिविल डिफेंस ने मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को रोका। इस बीच, दम घोंटू धुएं से आसपास के लोग बेचैनी महसूस करने लगे। सभी अपने घरों को सुरक्षित करने की कोशिश में थे। बस्ती के लोग नम आंखों से अपने आशियाने राख होते देख रहे थे। देर रात तक कोहराम जैसी स्थिति बनी रही। फायर ब्रिगेड ने चारों तरफ से पानी डाल कर किसी तरह देर रात आग पर काबू पाया जा सका।

इसके बाद शुरू हुई तलाशी में दो बच्चों की लाश मिली है। डीसीपी पूर्वी दीक्षा शर्मा ने बताया आग पर काबू पा लिया गया था। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ अब भी राहत कार्य में लगी है। इस पूरी घटना में दो बच्चों की मौत हुई है। फोटो के जरिए उनके पैरेंट्स की पहचान कराई जा रही है।

कुछ लोगों को रात में रैन बसेरे में रखा गया तो काफी लोग सड़क किनारे ही खुले में रातभर रहे। सुबह होते ही लोग अपने बचे सामानों को बंटोरने और अपनों को खोजने में जुटे रहे। हालांकि भीषण आग में सबकुछ राख होने से खाने के भी लाले पड़ने की आशंका हो गई है। मनीष की चाची पूजा ने नम आंखों से बताया कि लपटें इतनी तेज थीं कि किसी को कुछ सोचने का मौका नहीं मिला। जैसे ही लोग जान बचाकर बाहर भागे, सिलेंडरों में धमाके शुरू हो गए।

गुरुग्राम में झुग्गी माफिया सक्रिय, सरकारी जमीन पर कब्जा कर अवैध वसूली का धंधा

गुरुग्राम, एजेंसी। शहर में कई जगहों पर झुग्गी माफिया सक्रिय हैं। माफिया ने अलग-अलग जगहों पर खाली पड़ी सरकारी जमीनों पर कब्जा कर वहां सैकड़ों झुग्गियां तो बसाई ही, साथ ही दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों को यहां झुग्गी देकर उनसे अवैध वसूली भी की जा रही है। गुरुग्राम पुलिस ने बीते तीन महीनों में बड़ी संख्या में शहर के झुग्गी माफिया को चिह्नित किया है। इनके खिलाफ लगातार कार्रवाई अभियान भी चलाए जा रहे हैं। शहर में कई सालों से सेक्टर 70, नखड़ौला, नाथूपुर, सिलोखरा, मानेसर, बादशाहपुर, सिकंदरपुर, सेक्टर 56, सेक्टर 37, तिगरा, वजीराबाद समेत अन्य जगहों पर झुग्गी माफिया सक्रिय हैं। इस अवैध काम में झुग्गी माफिया के साथ इलाकों के कुछ राजनीतिक रसूखदारों का भी हाथ रहता है। गुरुग्राम में अलग-अलग जगहों की सरकारी जमीनों पर हजारों की संख्या में झुग्गियां बसी हुई हैं। झुग्गी माफिया रहने के लिए इन झुग्गियों को ढाई से तीन हजार रुपये और व्यापार करने के लिए दस हजार रुपये किराये पर देते हैं। यहां पर बिहार, बंगाल, असम, मिजोरम, ओडिशा समेत अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के लोग चोरी छिपे रहते हैं। न तो इनका वेरिफिकेशन होता है और न ही इनके पास कोई कागजात। ज्यादा समय तक रहने वाले लोगों ने फर्जी आधार कार्ड बनवा रखे हैं। कई बार पुलिस की कार्रवाई में ऐसे लोग पकड़े जा चुके हैं। वहीं शराब, गांजा, चरस की तस्करी भी कई लोग इन झुग्गियों से करते हैं।

आंध्र में सुबह-सुबह भीषण सड़क हादसा, ट्रक से टकरा गई बोलेरो गाड़ी; तीर्थ करने जा रहे 8 लोगों की मौत

कुरनूल, एजेंसी। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में गुरुवार सुबह भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहां कुरनूल जिले के चिलकलाडोना के पास एक बोलेरो गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो गई। हादसे में कम से कम 8 लोगों के मारे जाने की खबर है। जानकारी के मुताबिक ये लोग तीर्थयात्रा के लिए निकले थे। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। कुरनूल पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पाँच पीड़ितों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि तीन अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। दुर्घटना में लगभग 10 से 12 लोग घायल भी हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए एम्मिगनूर अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने आगे बताया कि मृतकों की पहचान कर्नाटक के चिक्कमगलुरु क्षेत्र के तीर्थयात्रियों के रूप में हुई है। हादसे के बाद का एक वीडियो भी सामने आया है। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए सहायता राशि देने की घोषणा की है। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। मैं उन लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया, और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। पीएम ने आगे लिखा कि [illegible] की ओर से, हर मृतक के निकटतम परिजन को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

नोएडा में रची गई थी खतरनाक साजिश, पकड़े गए 66 में से 45 की जांच में चौंकाने वाला खुलासा

नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के नोएडा में श्रमिक आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाने की साजिश को योगी सरकार ने कुछ ही घंटों में सख्ती और सूझबूझ के साथ नाकाम कर दिया। एसटीएफ और पुलिस की जांच में यह मामला श्रमिक असंतोष का नहीं, बल्कि इसके पीछे एक सुनियोजित साजिश थी, जिसमें कुछ संदिग्ध राजनीतिक विचारधारा के दलों की भूमिका सामने आई है। उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक, जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। कुल 66 गिरफ्तारियों में से 45 लोग ऐसे हैं, जो वास्तविक श्रमिक नहीं थे। आगजनी की घटना में चिन्हित 17 में से 11 को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 8 गैर-श्रमिक हैं।

वहीं भड़काने के आरोप में 32 लोगों की पहचान हुई, जिनमें से 19 को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 34 ऐसे लोगों को भी पकड़ा गया है, जो श्रमिक नहीं होते हुए भी कथित आंदोलन में शामिल होकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास कर रहे थे। साजिश रचने के आरोप में 4 लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है, जिनके कथित तौर पर कुछ संगठित नेटवर्क से जुड़े होने की बात सामने आई है। अब तक गिरफ्तार हुए लोग संदिग्ध विचारधारा वाले राजनीतिक संगठनों से जुड़े बताए जा रहे हैं।

उच्च स्तरीय सूत्रों ने बताया कि नोएडा के आर्थिक ढांचे को बर्बाद करने की एक घिनौनी, सुनियोजित और बड़े पैमाने की साजिश रची गई थी, जिसमें कुछ

राजनीतिक दलों का पूरा इकोसिस्टम खुलकर शामिल था। ये पार्टियां मिलकर यूपी की प्रगति को कुचलने और नोएडा जैसे आर्थिक हब को आग में झोंकने की कुटिल चाल चल रही थीं। सूत्रों ने बताया कि आंदोलन के झूठे मुखौटे के पीछे छिपे चार दर्जन से ज्यादा यादव और मुस्लिम व्यक्ति पकड़े गए हैं, जो कुछ राजनीतिक दलों के एजेंडे के तहत अराजकता फैलाने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पूरे इलाके को आर्थिक रूप से लूटने की तैयारी में थे। ये तत्व न सिर्फ नोएडा की विकास यात्रा को रोकना चाहते थे, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को पटरी से उतारकर सत्ता के खेल में अपना स्वार्थ साधना चाहते थे। उच्चस्तरीय सूत्रों ने बताया कि इतना ही नहीं, बंगाल, बिहार, यूपी समेत देश के अलग-अलग कोनों से आई कुछ महिलाएं भी इस साजिश में सक्रिय रूप से शामिल पाई गई हैं, जिनकी भूमिका बेहद संदिग्ध और खतरनाक है। ये हिंसक प्रदर्शन में शामिल लोगों की मदद कर रही थीं। इनका मकसद अराजकता भड़का कर नोएडा को आग के हवाले कर देना था। यह पूरा खेल न सिर्फ एक राजनीतिक साजिश था, बल्कि देश की आर्थिक रीढ़ को तोड़ने का देशद्रोही षड्यंत्र था, जिसे पुलिस ने समय रहते नाकाम कर दिया। उच्च स्तरीय सूत्रों के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम में कुछ संदिग्ध सोशल मीडिया हैंडल्स और बाहरी राज्यों से आए तत्वों की भी भूमिका जांच के दायरे में है। सोशल मीडिया पर इस पूरे मामले को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर माहौल को भड़काने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया। श्रमिकों के हित में वेतन वृद्धि की घोषणा के बाद मजदूरों और फैक्ट्री मालिकों ने सहयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप नोएडा में औद्योगिक गतिविधियां तेजी से सामान्य हो गई हैं और तमाम फैक्ट्रियों में कामकाज सामान्य तरीके से संचालित हो रहा है। सरकार की त्वरित कार्रवाई का असर यह रहा कि जहां अन्य राज्यों में ऐसे विवादों के कारण उद्योग प्रभावित हुए हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में स्थिति शीघ्र सामान्य हो गई।

होर्मुज की नाकेबंदी पर ईरान की यूएस को धमकी, कहा- पहली मिसाइल से ही अमेरिकी जहाजों को डुबो देंगे

तेहरान, एजेंसी। इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच हुई बातचीत नाकाम होने के बाद हालात बिगड़ गए हैं। अमेरिका ने अरब और ओमान की खाड़ी में ईरानी बंदरगाहों की पूरी तरह नाकेबंदी कर दी है। अब किसी भी देश का जहाज ईरान के बंदरगाहों पर न तो आ सकता है और न ही वहां से जा सकता है। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत ओमान की खाड़ी में लगातार गश्त कर रहे हैं। इस कार्रवाई पर ईरान ने बहुत सख्त रुख अपनाया है। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने अमेरिका को सीधी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी करने का फैसला करता है, तो ईरान अमेरिकी जहाजों को डुबो देगा। मोहसिन रेजाई को पिछले महीने ही सैन्य सलाहकार नियुक्त किया गया था। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर तंज कसते हुए पूछा कि क्या ट्रंप अब होर्मुज जलडमरूमध्य के पुलिस बनना चाहते हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह वास्तव में आपका काम है? क्या यह अमेरिका जैसी शक्तिशाली सेना का काम है? एक सरकारी टीवी चैनल को दिए बयान में रेजाई ने कहा कि अमेरिकी जहाज ईरान की पहली मिसाइल की मार से ही समुद्र में डूब जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि ये जहाज निश्चित रूप से ईरानी मिसाइलों की चपेट में आ सकते हैं और हम इन्हें नष्ट कर सकते हैं। रेजाई ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर जमीनी हमला करता है, तो यह ईरान के लिए और भी अच्छा होगा। उन्होंने दावा किया कि वे हजारों अमेरिकी सैनिकों को पकड़ लेंगे और फिर हर एक बंधक सैनिक के बदले अमेरिका से एक अरब डॉलर की मांग करेंगे। रेजाई ने साफ किया कि वे व्यक्तिगत रूप से युद्धविराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं हैं। बढ़ते तनाव को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने एक बार फिर शांति की अपील की है।

ईरान-यूएस वार्ता में नई हलचल, पाकिस्तान के जरिए संदेश आदान-प्रदान का दावा; गाजा में संघर्ष जारी

इस्लाबाद, एजेंसी। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के 200 से अधिक बुनियादी ढांचा स्थलों पर हमला किया है। वहीं, इस्राइल सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि हिजबुल्ला की तरफ से बुधवार को इस्राइल पर 40 रॉकेट दागे गए। यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि इस्राइली सेना ने टायर शहर में किसको निशाना बनाया था। लेकिन हमले के बाद पूरे शहर से उठता धुआं, टूटी-फूटी इमारतों, मलबे के ढेरों और बिखरी सड़कों में साफ दिखाई दे रहे थे। इस्राइली हमले में लेबनान में अब तक 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, हजारों घायल हैं और 10 लाख से अधिक विस्थापित भी हुए हैं। इस्राइल और लेबनान के बीच मंगलवार को वाशिंगटन में हुई ऐतिहासिक वार्ता का हिजबुल्ला विरोध कर रहा है। उसका मानना है कि यह इस्राइलियों को रियायत देना है, जबकि वह लेबनान में बमबारी जारी रखे हुए है। आतंकी समूह ने इस्राइल के साथ वार्ता को एक राष्ट्रीय पाप बताया और कहा कि इससे लेबनान में विभाजन और बढ़ जाएगा। दोनों देशों के बीच बातचीत में शामिल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इसे ऐतिहासिक अवसर बताया और यह भी स्पष्ट किया कि कोई भी निर्णायक समझौता एक बैठक में नहीं होगा। बातचीत में हिजबुल्ला का कोई प्रतिनिधि शामिल नहीं था।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने दावा किया है कि

होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिका द्वारा लागू नाकेबंदी के बाद पिछले 48 घंटों में कोई भी जहाज ईरानी बंदरगाहों तक नहीं पहुंच पाया है। सेंटकॉम के अनुसार, नौ जहाजों ने अमेरिकी निर्देशों का पालन करते हुए अपना रास्ता बदल लिया। हालांकि, यह दावा ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की पहले आई रिपोर्ट से अलग है, जिसमें कहा गया था कि एक प्रतिबंधित ईरानी सुपरटैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य पार कर इमाम खुमैनी बंदरगाह की ओर बढ़ गया। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल ले जाने की क्षमता वाले इस टैंकर ने अपना माल उतारा या नहीं। ईरान की राजधानी तेहरान में विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह प्रतिनिधिमंडल अमेरिका की ओर से एक नया संदेश लेकर आया है और दोनों देशों के बीच संभावित दूसरे दौर की वार्ता पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में क्षेत्रीय हालात और कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया। गाजा में हालात अब भी गंभीर बने हुए हैं। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में इस्राइली सेना की कार्रवाई में 8 फलस्तीनियों की मौत हुई है और 29 लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी दावा किया है कि अक्टूबर 2023 से जारी संघर्ष में अब तक 72,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग घायल हुए हैं। संघर्ष विराम के बाद भी हिंसा जारी रहने से हालात और बिगड़ते जा रहे हैं। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही बातचीत के दूसरे दौर की तारीख अभी तक तय नहीं हो सकी है।

हथियार नहीं इंसाफ और करुणा से ही आएगी शांति

वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप और पोप लियो के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पोप पर निशाना साधा है, वहीं पोप ने वैश्विक शांति की अपील करते हुए हिंसा को त्यागने का संदेश दिया है। पोप लियो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दुनिया को युद्ध और हिंसा की सोच से बाहर निकलना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शांति प्रेम और न्याय पर आधारित होनी चाहिए, न कि डर, हथियारों या धमकियों पर। उन्होंने लिखा कि दुनिया को शांति चाहिए। अब युद्ध और उससे होने वाली मौत, विनाश और विस्थापन को रोकना होगा। पोप ने यह भी स्पष्ट किया कि सच्ची शांति जबरदस्ती से नहीं आती, बल्कि यह विश्वास, सहानुभूति और उम्मीद पैदा करती है। उन्होंने निर्अस्त्र शांति की अवधारणा पर बल देते हुए कहा कि यही मॉडल दुनिया को स्थिरता की ओर ले जा सकता है। दूसरी तरफ, डोनाल्ड ट्रंप ने पोप के इस रुख पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल के महीनों में हजारों निहत्थे प्रदर्शनकारियों को मार दिया है और ऐसे देश को परमाणु हथियार हासिल करने देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोप की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि पोप का रुख वास्तविकता से दूर है। ट्रंप ने पहले भी पोप की आलोचना करते हुए उन्हें कमजोर बताया था और माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि वे पोप की राय से सहमत नहीं हैं और अपनी नीतियों पर कायम रहेंगे। हालांकि, पोप ने इस राजनीतिक विवाद में उलझने से इनकार किया है। अल्जीरिया की यात्रा के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि वे राजनीति में नहीं पड़ना चाहते। उन्होंने कहा कि मैं कोई राजनेता नहीं हूं और न ही मेरी किसी राजनीतिक बहस में शामिल होने की मंशा है। लोग खुद निष्कर्ष निकाल सकते हैं। पोप ने यह भी चेतावनी दी कि धार्मिक संदेशों का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और उनका ध्यान केवल वैश्विक शांति और मानवीय मूल्यों पर केंद्रित रहेगा। इस पूरे घटनाक्रम ने अमेरिका और वेटिकन के बीच वैचारिक टकराव को उजागर कर दिया है, जहां एक तरफ सुरक्षा और शक्ति की राजनीति है, तो दूसरी तरफ शांति और नैतिक मूल्यों की अपील।

ईरानी परमाणु कार्यक्रम पर बोले आईएईए प्रमुख- तेहरान बेहद महत्वकांक्षी

सियोल, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक मारियानो राफेल ग्रॉसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते में ईरान के परमाणु कार्यक्रम की जांच के लिए व्यापक उपाय शामिल किए जाने चाहिए। ग्रॉसी ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम की सख्त और विस्तृत जांच की व्यवस्था के बिना कोई भी समझौता सिर्फ एक भ्रम साबित होगा। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने साफ कहा है कि आईएईए निरीक्षकों को इसके लिए यदि पूरी पहुंच नहीं मिलती, तो ऐसा समझौता वास्तविक नहीं होगा। सियोल में संवाददाताओं से बात करते हुए ग्रॉसी ने कहा, 'ईरान का परमाणु कार्यक्रम बहुत महत्वाकांक्षी और व्यापक है, इसलिए इन सभी पहलुओं के लिए आईएईए निरीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने कहा कि परमाणु प्रौद्योगिकी पर किसी भी समझौते के लिए 'बेहद विस्तृत सत्यापन तंत्र' की जरूरत होती है।

ईरान के परमाणु ठिकानों तक एजेंसी की पहुंच नहीं: इससे पहले फरवरी की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार, जून में 12 दिनों के युद्ध के दौरान इस्राइल और अमेरिका द्वारा बमबारी किए गए परमाणु ठिकानों तक ईरान ने आईएईए को पहुंच नहीं

दी। रिपोर्ट में कहा गया कि एजेंसी यह सत्यापित नहीं कर सकती कि ईरान ने संवर्धन से संबंधित सभी गतिविधियां बंद कर दी हैं या प्रभावित परमाणु सुविधाओं में ईरान के यूरेनियम भंडार का आकार कितना बड़ा है। ईरान लंबे समय से अपने कार्यक्रम को शांतिपूर्ण बताता आया है। वहीं, आईएईए और पश्चिमी देशों का दावा है कि तेहरान के पास 2003 तक संगठित परमाणु हथियार कार्यक्रम था। आईएईए के अनुसार, ईरान के पास 60% तक संवर्धित 440.9 किलोग्राम यूरेनियम मौजूद है। ग्रॉसी ने कहा, ईरान अपने कार्यक्रम को हथियार बनाने की दिशा में ले जाता है, तो यह भंडार 10 परमाणु बम बनाने योग्य होगा। ग्रॉसी ने बताया कि उत्तर कोरिया के परमाणु ठिकानों पर गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। उनकी टिप्पणी उन विदेशी पर्यवेक्षकों के नजरिये से मेल खाती है, जो मानते हैं कि वर्ष 2019 में अमेरिका के साथ कूटनीति विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने मुख्य योंगब्योन परमाणु परिसर का विस्तार किया है और अतिरिक्त यूरेनियम संवर्धन केंद्र बनाने के लिए कदम उठाए हैं। पिछले सितंबर में, दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्री चुंग डोंग-यंग ने कहा था कि उत्तर कोरिया चार यूरेनियम संवर्धन केंद्र संचालित कर रहा है और वे प्रतिदिन काम कर रहे हैं। घटनाक्रम से संकेत मिलता है कि आईएईए की कड़ी शर्तें अमेरिका-ईरान के बीच किसी संभावित समझौते को प्रभावित कर सकती हैं। राफेल ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ वार्ता का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना युद्ध का एक प्रमुख लक्ष्य है।

अग्रवैश्य युवक युवती परिचय सम्मेलन 21 एवं 22 मई को ग्वालियर में

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन निरन्तर हर माह आयोजित किए जाने वाले युवक युवती परिचय सम्मेलन का इस बार का दो दिवसीय आयोजन 21 एवं 22 मई को ग्वालियर के तोरण वाटिका में होगा, उक्त जानकारी देते हुए राजेश ऐरन राष्टीय अध्यक्ष ने बताया कि 137वां आयोजन है। इससे पूर्व में देश के 136 शहरों में युवक युवती परिचय सम्मेलन के माध्यम से सैकड़ों रिश्ते अभी तक संस्था के द्वारा कराये जा चुके हैं। संस्था के द्वारा भोपाल, होशंगाबाद, शिवपुरी, मुरैना, झांसी आगरा मथुरा, हरिद्वार वाराणसी धौलपुर जयपुर, करौली हिसार,करनाल, आदि शहरों में वहां पहुंच कर समाजसेवा का कार्य किया है, अब ग्वालियर में होने वाले परिचय सम्मेलन की तैयारियां शुरू कर दी गई है।

अभी तक 200 युवक युवतीयो का पंजीयन उत्तर प्रदेश, राजस्थान हरियाणा दिल्ली, के अग्रबनधुयो ने अपने विवाह योग्य बच्चों का करा दिया है परिचय सम्मेलन की पूरी टीम, नीलम शाह, विनीता तायल,बबीता अग्रवाल ललिता बंसल, पूनम अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, मीना अग्रवाल,साधना गोयल प्रीति बिंदल, कविता मंगल, रेनू मंगल शशी गर्ग पदमा अग्रवाल,रश्मि अग्रवाल पूर्णिमा अग्रवाल,सुधा अग्रवाल हर्षनी जेन,मीना अग्रवाल, साधना अग्रवाल मुकेश सिंघल अनिल गर्ग महेंद्र अग्रवाल,दिलीप अग्रवाल सुभाष अग्रवाल ओमप्रकाश अग्रवाल सहित सभी का सहयोग रहा है, परिचय सम्मेलन सम्मेलन को विसाल स्तर पर करने करने के लिए पूरे चम्बल संभाग में जाकर अग्रबंधुयोको की मिटिग आयोजित की जायेगी, 25 अप्रैल को ग्वालियर में बायोडाटा पंजीयन की शुरुआत दोपहर 3 बजे सीटी प्लाजा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में होगी।

संक्षिप्त समाचार

नंद घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। दौलतगंज स्थित राजा बाक्षर मंदिर पर चल रहे उर्स शताब्दी समारोह के अंतर्गत भागवत कथा के चौथे दिन पंडित हरिओम महाराज ने कहा सृष्टि पर नियंत्रण करने के लिए मृत्यु लोक में भगवान ने अपने पार्षदों को नियुक्त किया है जो सदैव मनुष्य को संचालित करते हैं मन बड़ा विश्वास घाती है मन का विश्वास मत करो उसे अंकुश में रखो महाराज श्री ने कहा जो जीव सदैव प्रभु की भक्ति करता है तो उसे शक्ति मिलती है उन्होंने राजा बलि की कथा सुनाते हुए कहा यदि मनुष्य पूरी निष्ठा से प्रभु की भक्ति करता है तो वह राजा बलि बनता है एवं उस पर कृपा करने के लिए भगवान स्वयं वामन के रूप में पधारते हैं और राजा बलि से तीन पग भूमि की मांग की जब दैत्यों के गुरु शु ाचार्य ने रोकने का प्रयास किया तो बामन रूपी भगवान विष्णु ने उनकी एक आंख में सीख डाल दी। इस प्रकार राजा बलि ने भगवान को दो पद में तीनों लोक एवं एक पग अपने ऊपर रखकर भगवान को अर्पण कर दिया। महाराज श्री ने आगे की कथा सुनाते हुए कहा की राम कथा हमारे मार्गदर्शक है मनुष्य का मन कैसा है इसको जानने के लिए रामायण का पढ़ना आवश्यक है क्योंकि रामायण का मनन करने से उसमें अपना मन दिखाई पड़ने लगता है कथा व्यास हरिओम जी महाराज ने कहा यदि भौतिक चीजों का मनुष्य चिंतन छोड़ दें तो वह प्रभु में लीन हो सकता है। कथा के अंत में परीक्षित श्रीमती रमा संतोष कृतिका अंकित रेनू गगन अग्रवाल मंदिर के महल तरुण सूर्यवंशी सुनील सूर्यवंशी अजय दुबे प्रताप शर्मा गगन यादव अंकित कुकरेजा योगेश बेदोरिया बाबूलाल चौरसिया मनीराम पाल रामबाबू अग्रवाल सहित अनेक लोगों ने श्री भागवत महापुराण की आरती की आरती के उपरांत प्रसादी वितरण की गई।

कृष्णा मित्तल ने 10वीं में किया शानदार प्रदर्शन

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) द्वारा घोषित कक्षा 10वीं परीक्षा के परिणाम में शहर के छात्र कृष मित्तल ने शानदार प्रदर्शन कर अपने परिवार और स्कूल का नाम रोशन किया है। लिटिल एंजेल्स हाई स्कूल लश्कर के छात्र कृष ने सभी विषयों में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करते हुए प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। प्राप्त अंकों के अनुसार कृष को अंग्रेजी में 87, संस्कृत में 96, गणित में 94, विज्ञान में 99 और सामाजिक विज्ञान में 93 अंक मिले हैं। वहीं अतिरिक्त विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भी उन्होंने 99 अंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। कृष्णा ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। यह परिणाम अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

गर्मी को ध्यान में रखकर 20 अप्रैल से स्कूलों के समय में परिवर्तन

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। बढ़ते हुए तापमान एवं गर्मी के कारण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य, सुविधा, सुरक्षा एवं आवागमन को ध्यान में रखकर ग्वालियर जिले में संचालित सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया गया है। स्कूलों के समय में बदलाव संबंधी यह आदेश 20 अप्रैल से आगामी आदेश तक प्रभावशील रहेगा।

कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी द्वारा इस आशय का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के अनुसार जिले में संचालित एमपी बोर्ड, सीबीएसई, आईसीएसई एवं शासन द्वारा मान्यता प्राप्त सभी विद्यालयों में प्री-प्राइमरी कक्षाएँ विद्यालय अपनी सुविधा अनुसार अधिकतम दोपहर 12 बजे तक लगा सकेंगे।

इसी प्रकार कक्षा 1 से 12वीं तक की कक्षाएँ प्रातः 7:30 बजे से अधिकतम दोपहर 12 बजे तक ही संचालित की जा सकेंगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि शासन द्वारा पूर्व से निर्धारित परीक्षाएँ एवं अन्य आवश्यक कार्य म पूर्व निर्धारित समय-सारणी के अनुसार यथावत संचालित होते रहेंगे।

एक हफ्ते तक लोगों को करेगी जागरूक

फायर ब्रिगेड विभाग ने निकाली वाहन रैली, ऊर्जा मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। नगर निगम द्वारा अग्नि सुरक्षा जागरूकता के लिए अग्निशमन सप्ताह मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को फायर ब्रिगेड मुख्यालय सिटी सेंटर से एक वाहन रैली निकाली गई। ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने मुख्य अतिथि के रूप में हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने कहा कि फायर अधिकारी अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी सुरक्षा करते हैं। यह सप्ताह कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ-साथ आम जनता में भी जागरूकता ला रहा है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि आमजन की सुरक्षा के लिए फायर विभाग को किसी भी आवश्यकता पर सरकार पूर्ण सहयोग करेगी।

अपर आयुक्त मुनीश सिकरवार ने बताया कि फायर सप्ताह के तहत यह जागरूकता रैली पूरे शहर में भ्रमण करेगी। इसका उद्देश्य लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है। रैली मुख्यालय से शुरू होकर विभिन्न रास्तों से गुजरते हुए वापस मुख्यालय पर समाप्त हुई।

नोडल अधिकारी फायर रजनीश गुप्ता ने अग्निशमन सप्ताह के आयोजन का ऐतिहासिक संदर्भ बताया। उन्होंने जानकारी दी कि 14 अप्रैल 1944 को मुंबई के विक्टोरिया डॉक में एक पानी के जहाज में सेना की विस्फोटक सामग्री में आग लग गई थी। इस घटना में आग पर काबू पाते हुए मुंबई फायर ब्रिगेड के 66 अधिकारी और कर्मचारी शहीद हो गए थे। उन्हीं की स्मृति में और नागरिकों को अग्नि दुर्घटनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से यह सप्ताह मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न फायर गैजेट्स का प्रदर्शन भी किया गया। इनमें फायरवॉल, फायर सिलेंडर, वाटर कैनन और फायर सूट जैसी अग्नि संबंधी वस्तुएं शामिल रहीं।

अनायास कृपा हेतु सुदामा सदृश भक्ति कीजिए: राघव

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। ऋषि सेवा समितिके तत्वावधान में आयोजित भागवत कथा के सप्तम दिवस राघव ऋषि ने कहा कि मनुष्य सुख पाना चाहता है परन्तु सही दिशा में प्रयास नहीं करता है। मनुष्य का स्वभाव है वह बिना किसी प्रयत्न और कष्ट के सुख चाहता है। मनुष्य पुण्य करना नहीं चाहता फिर भी पुण्य के फल की इच्छा रखता है। पाप करता है फिर भी पाप के फल को नहीं चाहता। वेद की ऋचाएं कन्या बनकर प्रभु सेवा करने आई थीं। वेद के तीन काण्ड व एक लाख मंत्र हैं। कर्मकांड जिसमें अस्सी हजार मंत्र जो ब्रह्मचारी के लिए हैं। उपासनाकाण्ड इसके सोलह हजार मंत्र जो गृहस्थ के लिए हैं।भगवान ने सोलह हजार उपासना रूपी वेद की ऋचाओं से विवाह किया। धर्म की मर्यादा में रहकर अर्थोपार्जन एवं गृहस्थ धर्म का पालन करना है।

सुदामा चरित्र की व्याख्या करते हुए राघव ऋषि ने कहा कि सुदामा अर्थात् सुंदर रस्सी से बंधा हुआ। माता, पिता, भाई, पत्नी, पुत्र आदि दस रस्सियों से जीवरूपी सुदामा बंधा है। सुदामा जी गरीब थे। जो भगवान को देता नहीं वह गरीब होता है। सुदामा ज्ञानी थे। आजकल ज्ञान केवल अर्थोपार्जन का माध्यम रह गया है ज्ञान का फल धन या प्रतिष्ठा नहीं परमात्मा से मिलना है। भगवान की सेवा पूजा माध्यम है परन्तु लक्ष्य परमात्मा से मिलना है। इसके लिए जीवन में साधना आवश्यक है। सुशीला के आग्रह पर पर साधना रूपी तंडुल पोटली में लेकर सुदामा द्वारिका की ओर प्रस्थान किए। दुर्बलता के कारण उन्हें मूर्छा आ गई भगवान ने सोते हुए सुदामा को गरुण के माध्यम से द्वारिका में पहुंचाया। जीव यदि दो कदम प्रभु के लिए आगे बढ़े तो भगवान सौ कदम आगे बढ़ते हैं। सिंहासन पर बिठाकर भगवान ने अपने आंसुओं से सुदामा के चरणों को धोया। सुदामा पोटली को संकोचवश छुपा रहे थे। भगवान मन में हंसते हैं कि इसने उस दिन चने छुपाए थे और आज तंदुल। जो मुझे देता नहीं उसे मैं भी कुछ नहीं देता। भगवान ने तंदुल का प्राशन कर समस्त विश्व को अन्नदान का पुण्य सुदामा को दिया।

रिटायर्ड शिक्षक ने गूगल से हेल्पलाइन नंबर तलाशा,2.45 लाख खाते से निकले

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। गूगल से हेल्पलाइन नंबर तलाशना एक रिटायर्ड शिक्षक को भारी पड़ गया और ठगों ने उनके खाते से 2 लाख 45 हजार 500 रुपए चोरी कर लिए। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम फेस दो की है। रिटायर्ड शिक्षक जियो फाइबर की तकनीकी सहायता के लिए नंबर तलाश रहे थे। ठगी का पता उस समय चला जब उनके मोबाइल पर रुपए निकाले जाने के मैसेज आए, तब उन्होंने पुलिस की हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। शिकायत पर महाराजपुरा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के शताब्दीपुरम फेस-2 निवासी दिनेश कुमार हरदैनिया पुत्र रतिराम हरदैनिया रिटायर्ड शिक्षक हैं। उनके घर का जियो फाइबर टीवी काम नहीं कर रहा था। समस्या के समाधान के लिए उन्होंने गूगल पर हेल्पलाइन नंबर सर्च किया और मिले मोबाइल नंबर पर कॉल किया। कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को जियो फाइबर कर्मचारी बताते हुए मोबाइल में कुछ निर्देश दिए। पीड़ित ने बताया कि गूगल से मिले नंबर पर बात करने और उसके बताए निर्देश का पालन करने पर टीवी तो चालू हो गया, लेकिन अगले दिन उनके मोबाइल पर बैंक खाते से रुपए कटने के मैसेज आने लगे। जब उन्होंने बैंक में जाकर जानकारी ली, तो पता चला कि उनके खाते से अलग-अलग यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 2.45 लाख रुपए निकाल लिए गए हैं।

ठगी का पता चलते ही पीड़ित ने तुरंत ही बैंक में खाता ब्लॉक कराया और पुलिस की हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत की। शिकायत पर जीरो पर मामला दर्ज कर केस डायरी महाराजपुरा थाना भेज दी। जिस पर महाराजपुरा थाना पुलिस ने असल कायमी कर ली है।

डॉ. अंबेडकर ने दिया नारी शक्ति को समानता का अधिकार

ग्वालियर। मप्र जन अभियान परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्था सर्वे भवन्तु सुखिन समिति ने उटीला सेक्टर के ग्राम पंचायत सौंसा में डाक्टर अंबेडकर जयंती नारी शक्ति को वंदन कर मनाई, कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर को नमन करते हुए समिति अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति ने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर ने दशकों से उपेक्षित नारी शक्ति को संविधान में समानता का एवं अन्य अधिकार दिलाने के लिए दृढ़ता पूर्वक संघर्ष किया और अंततः नारी शक्ति को संविधान में समानता का अधिकार प्राप्त हुआ, साथ ही समाज में ऊंच नीच का का भेद मिटाकर सभी को समानता का अधिकार दिया,इस अवसर पर श्रीमती कल्पना तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

जल ही जीवन का आधार: दीक्षित

ग्राम सुपावली में दो प्याऊ का शुभारंभ, जल संरक्षण का दिया

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। मप्र जन अभियान परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवांकुर संस्था रमन शिक्षा समिति के सहयोग से ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा विकासखंड मुरार के ग्राम सुपावली में दो जल मंदिर (प्याऊ) का शुभारंभ किया गया, ताकि राहगीरों को गर्मी के मौसम में स्वच्छ व शीतल जल मिल सके।

इस अवसर पर मप्र जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक धर्मेंद्र दीक्षित, विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रीति बाजपेई एवं रमन शिक्षा समिति के अध्यक्ष हरिओम गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जिला समन्वयक धर्मेन्द्र दीक्षित ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और वर्तमान समय में जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक हो गया है। रमन शिक्षा समिति के अध्यक्ष हरिओम गौतम ने ग्रामीणजनों से अपील की कि वे जल के सदुपयोग एवं संरक्षण के प्रति जागरूक रहें तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों को सुरक्षित रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रीति वाजपेयी ने शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान से ग्रामीणजनों को अवगत कराया।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष जितेन्द्र जाटव, सचिव मायाराम जाटव, मेन्टर उर्मिला कुशवाह, राहुल पंडित, जीवन बाथम, गिरीश जैन, दशरथ सिंह शर्मा, गोपाल लहरिया, कैलाश शर्मा, केशव सिंह जाटव, रणजीत सिंह, भीमसेन, गजेंद्र सिंह परिहार, मोहन सिंह कुशवाहा, धीरेंद्र सिंह परिहार, अमित मण्डेलिया, आदित्य बाथम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वारदात

चोर गिरोह ने वाहनों में सवार महिला-पुरूषों को बनाया टारगेट

सवारी वाहन से महिला का तीन तोला वजनी हार चोरी

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। चोरों का सॉफ्ट टारगेट सवारी वाहन बन गए हैं। चोर गिरोह इन वाहनों में सवार महिला-पुरूषों को अपना टारगेट बनाकर वारदात कर निकल जाते है। ऐसे ही एक बार फिर चोरों ने एक महिला का तीन तोला वजनी सोने का हार चोरी किया तो एक युवक की जेब काटकर तीस हजार रुपए चोरी कर लिए। घटना हजीरा और पड़ाव थाना क्षेत्र की है। घटना के शिकार पीड़ित थाने पहुंचे और शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

अमलताश कॉलोनी पटरी रोड गोला का मंदिर निवासी संजू जादौन पत्नी शिशुपाल सिंह जादौन गृहिणी हैं। उनके भाई के बेटे विशेष की लगुन फलदान का कार्यक्रम मुरैना में आयोजित हो रहा था। जिसके चलते उन्हें बहन और भाई के साथ मुरैना जाना था। बहन जलालपुर में रहती है। इसलिए वह गोला का मंदिर से ऑटो में सवार हुई। ऑटो में दो युवक पहले से ही सवार थे और उसके बैठते ही एक युवती व महिला भी उसमें सवार हो गई। महिला और युवती चेहरे पर मास्क लगाए हुए थे। गदाईपुरा पहुंचकर महिला व युवती उतर गई। उतरने के कुछ देर बाद उसने अपना पर्स चेक किया तो पता चला कि पर्स में रखा उसका तीन तोला वजनी सोने का हार गायब है। इसका पता चलते. ही उसने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी।

जेब काटकर ले गए तीस हजार रुपए बदमाश

अम्बाह तिराहा निवासी जितेन्द्र शर्मा पुलिस जवान है और अभी पुलिस लाइन में पदस्थ है। जितेन्द्र के मौसा अशोक शर्मा अंबाह से ग्वालियर प्रेम मोटर्स पर सुधरवाने को दी हुई कार को लेने के लिए आए थे। बस स्टैण्ड से ई रिक्शा में सवार हुए। जिसमें दो युवक पहले से बैठे हुए थे, वह उनके सामने की सीट पर बैठ गए। तभी एक युवक उनके बगल में आकर बैठ गया। ई रिक्शा पड़ाव पुल पर पहुंचा तो उनके बगल में बैठा युवक उतरा और बाइक सवार साथी के साथ बैठकर चला गया। इससे उन्हें शंका हुई और जेब देखी तो पता चला कि जेब में रखे तीस हजार रुपए युवक जेबकाट कर ले गया है। मामले का पता चलते ही वह थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

महिला को सरकारी नौकरी का झांसा देकर दोस्त ने किया दुष्कर्म, मामला दर्ज

ग्वालियर, प्रातः किरण संवाददाता। दोस्त ने सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर महिला मित्र को झांसे में लिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना हजीरा थाना क्षेत्र के पीएचई कॉलोनी की है। इसके बाद आरोपी नौकरी लगवाने के नाम पर उसका शोषण करने लगा। इसी बीच उनके साथ घूमने का दोस्त के भाई को पता लगा तो वह महिला के घर पहुंचा और उसकी मारपीट कर दी। शोषण और मारपीट की शिकार पीड़िता थाने पहुंची और मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

हजीरा थाना क्षेत्र के पीएचई कॉलोनी निवासी महिला की एक साल पहले मुलाकात शादी समारोह में लूटपूरा निवासी करण धाकड़ से हुई। हमउम्र होने और एक ही समाज के होने के कारण उनके बीच दोस्ती हो गई और बातचीत होने लगी। इसी बीच आरोपी ने उसे बताया कि उसके लिंक हैं और वह उसकी सरकारी नौकरी लगवा देगा। पीड़िता उसकी बातों में आ गई। एक दिन करण उसके किराए के कमरे पर आया तो वह अकेली थी और अकेला देखकर आरोपी ने जॉब लगवाने के नाम पर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वह उसका शोषण करने लगा। जब भी वह नौकरी की बात करती तो आरोपी उसे टहला देता।

करण से दोस्ती होने के कारण वह साथ-साथ घूमते थे। एक दिन करण के भाई सन्नी ने उन्हें साथ घूमते देखा तो वह उसके कमरे पर आया और उससे भाई के साथ घूमने से मना किया, साथ ही धमकी दी कि अगर वह उसके भाई से दूर नहीं हुई तो वह उसे जान से मार देगा। धमकी से घबराई पीड़िता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपी के घर पर पहुंची तो आरोपी अपने घर से फरार मिला है। पुलिस आरोपी की तलाश में उसके संभावित स्थानों पर दबिश दे रही है।

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता

पहली भारतीय महिला बनीं, अब वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन से भिड़ंत

साइप्रस (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने एफआईडीई विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया। 24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी।

10 साल बाद कोई गैर चीनी खिलाड़ी फाइनल में – साल 2016 से विमेंस वर्ल्ड चैंपियनशिप पूरी तरह से चीनी खिलाड़ियों के कब्जे में रही है। वैशाली पिछले एक दशक में पहली ऐसी खिलाड़ी हैं जो चीन के इस दबदबे को चुनौती देंगी। खेल विशेषज्ञ अब वैशाली की तुलना गुकेश से कर रहे हैं, जिन्होंने 2024 में चीन के ही डिंग लिरेन को हराकर वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती थी। उम्मीद जताई जा रही है कि 2026 में वैशाली भी जू वेनजुन को हराकर वही कारनामा दोहराएंगी।

गुकेश ने जीता था पिछला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट – पिछली बार भारत के डी गुकेश ने इसे जीतकर चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दी थी। तब गुकेश कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बने थे। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 1995 में पहली बार कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता था।

ओपनिंग से ही बनाई मजबूत पकड़

- रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके।
- इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली।
- करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट क्या है और क्यों अहम

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट शतरंज की दुनिया का सबसे अहम इवेंट माना जाता है, क्योंकि यही तय करता है कि वर्ल्ड चैंपियन को अगला चैलेंजर कौन होगा। इसे वर्ल्ड चैंपियनशिप का सेमीफाइनल भी कहा जाता है। विजेता को सीधे वर्ल्ड चैंपियन से खेलने का मौका मिलता है। यह शतरंज का सबसे बड़ा क्वालिफाइंग टूर्नामेंट है। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट हर दो साल में होता है और विजेता वर्ल्ड चैंपियन को चुनौती देता है। ओपन कैटेगरी के विजेता का मुकाबला भारत के डी गुकेश से, जबकि विमेंस कैटेगरी की विजेता चीन की जू वेनजुन से होगा।

कैसे होता है टूर्नामेंट?

- इसमें दुनिया के टॉप 8 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं।
- सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से 2 बार (राउंड-रॉबिन फॉर्मेट) खेलते हैं।
- कुल 14 राउंड होते हैं।
- हर जीत पर 1 अंक, ड्रॉ पर 0.5 अंक मिलता है।
- सबसे ज्यादा पॉइंट्स वाला खिलाड़ी विजेता बनता है।

बेंगलुरु की इस आईपीएल सीजन में चौथी जीत

- **लखनऊ को 5 विकेट से हराया; टेबल के टॉप पर आई, कोहली ने 49 रन बनाए**

बेंगलुरु (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल सीजन में चौथी जीत हासिल की है। टीम ने बुधवार को लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। बेंगलुरु ने अपने होमग्राउंड में 147 रन का टारगेट 15.1 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। लखनऊ 20 ओवर में 146 रन पर ऑलआउट हो गई।
मैच का स्कोरकार्ड

- **मैच में एक भी फिफ्टी नहीं** – इस मैच एक भी फिफ्टी नहीं लगाई। सबसे ज्यादा रन विराट कोहली (49 रन) ने बनाए। वे एक रन से फिफ्टी चूक गए। रजत पाटीदार ने 27 और जितेश शर्मा ने 23 रन बनाए।
- **रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके** – इससे पहले टॉस जीतकर गेंदबाजी कर रही बेंगलुरु की ओर से रसिख सलाम ने 4 विकेट झटके। भुवनेश्वर कुमार ने 3 और क्रुणाल पंड्या ने 2 विकेट लिए। एलएसजी से मिचेल मार्श ने 40 रन बनाए।
- **बेंगलुरु टेबल के टॉप पर लौटी, लखनऊ 7वें नंबर पर** – बेंगलुरु की टीम मौजूदा सीजन की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंच गई। टीम के खाते में 8 अंक हैं। वहीं, लखनऊ की टीम तीसरी हार के बाद 7वें स्थान पर है। उसके पास 4 अंक हैं।
- **कोहली पहली बार इम्पैक्ट प्लेयर बने, सुयश बाहर** – विराट कोहली इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। वे पहली बार इस रोल में नजर आए हैं। कोहली को सुयश शर्मा की जगह मैदान पर ला गया।

विनोद कांबली को 'ब्रेन स्ट्रोक' का खतरा

- **दिमाग में क्लॉटिंग, याददाश्त भी कमजोर, मदद के लिए पूर्व क्रिकेटर दोस्तों ने वॉट्सएप ग्रुप बनाया**

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के 'विनोद' यानी विनोद कांबली इन दिनों अपनी जिंदगी की सबसे कठिन पारी खेल रहे हैं। कभी मैदान पर चौके-छक्के जड़ने वाला यह दिग्गज बल्लेबाज आज चलने-फिरने और याददाश्त खोने जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांबली के दिमाग में एक 'ब्लड क्लॉट' (खून का थक्का) है, जिसकी वजह से उन्हें कभी भी ब्रेन स्ट्रोक आ सकता है।

- **भूल जाते हैं कि सिगरेट नहीं पीना है** – कांबली के करीबी दोस्त मार्कस कूटो ने बताया कि कांबली की मानसिक स्थिति काफी नाजुक है। उनकी याददाश्त इतनी कमजोर हो गई है कि वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें क्या करना है और क्या नहीं। कूटो के मुताबिक, कांबली ने शराब छोड़ दी है, लेकिन वे अक्सर भूल जाते हैं कि उन्हें स्मोकिंग नहीं करना है। वे घर के नीचे जाकर राहगीरों या ऑटो वालों से सिगरेट मांग लेते हैं। लोगों को लगता है कि वे दिग्गज कांबली की मदद कर रहे हैं, लेकिन वे नहीं जानते कि यह उनके दिमाग के लिए कितना खतरनाक है।
- **बचपन के दोस्त सचिन और पुराने साथी बने सहारा** – कांबली की इस मुश्किल घड़ी में उनके बचपन के दोस्त सचिन तेंदुलकर मजबूती से साथ खड़े हैं। सचिन पर्दे के पीछे से लगातार उनकी मेडिकल जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं।

सीएसके ने डोसा, इडली, सांभर, चटनी गाने पर नाराजगी जताई

आरसीबी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, कहा– हमारे खिलाड़ियों और टीम का मजाक उड़ाया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुकाबले के बाद विवाद सामने आया है। सीएसके ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से आरसीबी के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

मामला 5 अप्रैल का है, जिस दिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई और बेंगलुरु का मैच खेला गया। इस दौरान स्टेडियम में एक गाना बजाया गया, जिसमें डोसा, इडली, सांभर, चटनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। सीएसके का आरोप है कि यह गाना उनके खिलाड़ियों और टीम पर तंज के तौर पर बजाया गया।

बीसीसीआई को पत्र लिखा

सूत्रों के मुताबिक सीएसके के मैनेजिंग डायरेक्टर काशी विश्वनाथन ने कहा, आमतौर पर डीजे घरेलू टीम का समर्थन करने के लिए होते हैं। लेकिन चिन्नास्वामी स्टेडियम में स्थिति अलग थी। हमारे खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ खास टिप्पणियां की गईं। इसी को ध्यान में रखते हुए, हमने बीसीसीआई को पत्र लिखकर मामले की जांच का अनुरोध किया है।

पिछले साल जितेश शर्मा ने गाना गाया था

आरसीबी ने पिछले साल चेन्नई से मुकाबले से पहले अपने विकेटकीपर जितेश शर्मा का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वे इडली-डोसा वाला गाना गा रहे थे। तब उन्हें सीएसके फैंस ने ट्रोल किया था। हालांकि, इस पर ज्यादा विवाद नहीं हुआ था। इस गाने को संगीतकार गाना अप्पु ने बनाया था।

आरसीबी-सीएसके मैच को सदर्न डर्बी कहा जाता है

पिछले कुछ सालों में सीएसके और आरसीबी के बीच राइवलरी देखने को मिली है, जिस वजह इसे आईपीएल का सदर्न डर्बी कहा गया। हेड टु हेड में सीएसके का आरसीबी पर पलड़ा भले ही भारी रहा हो, लेकिन पिछले कुछ सीजन में बेंगलुरु ने चेन्नई पर अपना दबदबा बनाया है।

सीएसके को बड़ा झटका

स्टार तेज गेंदबाज खलील अहमद पूरे टूर्नामेंट से बाहर

चेन्नई (एजेंसी)।

चेन्नई सुपर किंग को आईपीएल 2026 के बीच बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार तेज गेंदबाज खलील अहमद चोट के कारण पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं।

मैच के दौरान लगी चोट

खलील अहमद को 14 अप्रैल को खलील कोलकत्ता राइडर के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान चोट लगी। उन्होंने अपने चौथे ओवर की पांचवीं गेंद डालने के बाद दर्द की शिकायत की और मैदान छोड़ना पड़ा। वह अपना कोटा पूरा नहीं कर सके, जिससे टीम को बड़ा नुकसान हुआ।

चोट की गंभीरता क्या है?

रिपोर्ट्स के मुताबिक खलील को क्वाड्रिसेप्स में ग्रेड-2 टियर हुआ है। इसके अलावा उनकी दाहिनी जांघ (रेक्टस फेमोरिस) में गंभीर स्ट्रेच इंजरी और मसल टियर भी पाया गया है। डॉक्टर्स के अनुसार, उन्हें पूरी तरह फिट होने में कम से कम 10 से 12 हफ्ते लगेंगे, यानी वह आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे।

इस सीजन में प्रदर्शन

28 वर्षीय खलील अहमद का इस सीजन प्रदर्शन खास नहीं रहा था।
मैच- 5
विकेट- 2
औसत- 73
इकॉनमी- 8.67
सीएसके ने उन्हें 4.8 करोड़ रुपये में रिटेन किया था, लेकिन चोट के कारण उनका सीजन जल्दी खत्म हो गया।

70 लाख डॉलर के अनुबंध मामले में फंसे लियोनेल मेस्सी, इवेंट प्रमोटर ने दायर किया मुकदमा

मियामी (एजेंसी)। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है।

अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी-डेड सर्किट कोर्ट में मेस्सी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था। मेस्सी और व्रि ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। मेस्सी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखने के लिए अक्सर बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं। मुकदमे के अनुसार विड ने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए एएफए के साथ एक समझौता किया था। विड का दावा है कि मेस्सी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना था, बशर्ते कि वह घायल न हों। मेस्सी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे।

कलाई की चोट के कारण अल्काराज बार्सिलोना ओपन से बाहर

बार्सिलोना (एजेंसी)। टॉप सीड अल्काराज कलाई की चोट के चलते बार्सिलोना ओपन से बाहर हो गए हैं। स्पेन के 22 वर्षीय स्टार खिलाड़ी ने पहले राउंड में जीत दर्ज की थी, लेकिन चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा।

- **पहले राउंड में मिली जीत, फिर बढ़ी परेशानी** – अल्काराज ने अपने पहले मुकाबले में क्वालिफायर ओटो विरटेनन को सीधे सेटों में हराया था। हालांकि, मैच के दौरान ही उनकी कलाई में तकलीफ शुरू हो गई थी, जो बाद में गंभीर साबित हुई।
- **मेडिकल टेस्ट के बाद लिया फैसला** – अल्काराज को गुरुवार को थामस के खिलाफ खेलना था, लेकिन दाहिनी कलाई के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। उन्होंने कहा, मैच के दौरान रिटर्न करते समय लगा कि मेरी कलाई जवाब दे गई है। टेस्ट के बाद पता चला कि चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। मुझे अपने शरीर की सुननी होगी।

नंबर-1 रैंकिंग भी गंवाई

इस सप्ताह की शुरुआत में जैनिक सिनर ने उन्हें पछाड़कर दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया। अगर अल्काराज बार्सिलोना ओपन जीत जाते, तो उनके पास फिर से नंबर-1 बनने का मौका था।

अब रिकवरी पर फोकस

अल्काराज ने बताया कि वह जल्द से जल्द घर लौटकर अपनी टीम—डॉक्टर्स और फिजियो के साथ रिकवरी शुरू करेंगे, ताकि आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट हो सकें।

फ्रेंच ओपन पर नजर

अल्काराज को उम्मीद है कि वह 18 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। वह लगातार तीसरी बार इस ग्रैंड स्लैम को जीतने की तैयारी में हैं।

आज कोलकाता पहली जीत के लिए बेताब

घरेलू मैदान पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा गुजरात

अहमदाबाद (एजेंसी)। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण दबाव में चल रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार फॉर्म में चल रही गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अपनी लय में लौटकर पहली जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। कप्तान अजिंक्य रहाणे और कोच अभिषेक नायर के नेतृत्व में केकेआर की स्पष्ट रणनीति नजर नहीं आ रही है। उसे अब तक पांच मैच में से चार मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने तथा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देश पर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर किए जाने के बाद टूर्नामेंट से पहले उसकी गेंदबाजी काफी कमजोर हो गई थी। उसके लिए हालांकि सबसे बड़ी चिंता सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती जैसे स्पिन गेंदबाजों की खराब फॉर्म है। चक्रवर्ती इस टूर्नामेंट में अभी तक एक भी विकेट नहीं ले पाए हैं।

केकेआर की समस्याएं मैदान के अंदर और बाहर के कुछ फैसलों के कारण बढ़ गई हैं। टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि टॉस जीतने के बाद उनके फैसले भी समझ से परे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ बारिश के कारण रद्द कर दिए गए मैच में रहाणे ने बल्लेबाजी का फैसला करके सभी को चौंका दिया जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने ऐसी पिच पर पहले

टीम इस प्रकार हैं

गुजरात टाइटंस – शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स – अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

समय – शाम 7.30 बजे।

टाटा मोटर्स ने अपने लखनऊ प्लांट में 10 लाख कमर्शियल गाड़ियों के प्रोडक्शन का माइलस्टोन हासिल किया

लखनऊ, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी कमर्शियल वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड ने आज एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। कंपनी के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें कमर्शियल वाहन को रोल-आउट किया गया। यह महत्वपूर्ण पड़ाव उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की साढ़े तीन दशकों से अधिक की उपस्थिति और औद्योगिक उत्कृष्टता, आर्थिक विकास, कौशल विकास व रोजगार सृजन में इसके योगदान को दर्शाता है।

ऐसे समय में जब भारत का कमर्शियल वाहन उद्योग साफ-सुथरी, स्मार्ट और ज्यादा कुशल तकनीक की ओर बढ़ रहा है, यह उपलब्धि भविष्य की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को आकार देने में टाटा मोटर्स की अग्रणी भूमिका को रेखांकित करती है। यह 10 लाखवां वाहन एक जीरो-एमिशन (शून्य उत्सर्जन) इलेक्ट्रिक बस है, जो उत्तर प्रदेश सरकार और टाटा मोटर्स की ग्रीन मोबिलिटी के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दिखाती है। यह कदम राज्य सरकार के 2070 के नेट-जीरो विजन और कंपनी के 2045 तक नेट-जीरो लक्ष्य के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

इस इलेक्ट्रिक बस को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और टाटा संस लिमिटेड के चेयरमैन श्री एन. चंद्रशेखरन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर माननीय उप-मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक, टाटा मोटर्स लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्री गिरीश

वाघ के साथ कई माननीय मंत्री, जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी और टाटा मोटर्स के वरिष्ठ नेतृत्व मौजूद रहे।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, टाटा मोटर्स के लखनऊ प्लांट से 10 लाखवें ट्रक और बस का तैयार होकर निकलना पूरे राज्य के लिए गर्व की बात है। यह उपलब्धि हमारे राज्य की क्षमताओं, यहाँ की अपार संभावनाओं और यहाँ के प्रतिभाशाली लोगों की पहचान है। हमारा सपना उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, जिसमें उद्योगों और उद्यमियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। हमारा राज्य बड़े बिजनेस के लिए एक बेहतरीन माहौल देता है, जहाँ बड़ा उपभोक्ता बाजार, कुशल युवा और शानदार कनेक्टिविटी मौजूद है। उत्तर प्रदेश में टाटा मोटर्स की यह सफलता हमारे इकोसिस्टम की मजबूती को दिखाती है। यह जिम्मेदारी से की जा रही औद्योगिक तरक्की को बढ़ावा देने, रोजगार के नए अवसर पैदा करने, कौशल विकास और सामाजिक-आर्थिक विकास के सतत् विकास के प्रति हमारे संकल्प को और मजबूत करती है। 1992 में स्थापित टाटा मोटर्स का लखनऊ प्लांट आज कंपनी के सबसे महत्वपूर्ण कमर्शियल वाहन निर्माण केंद्रों में से एक बन चुका है। यहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर के ट्रक और बसें बनाई जाती हैं, जिनमें शून्य-उत्सर्जन इलेक्ट्रिक और फ्यूल-सेल गाड़ियाँ भी शामिल हैं। लगभग 600 एकड़ में फैला यह प्लांट आधुनिकता के साथ-साथ पर्यावरण और लोगों की भलाई पर भी ध्यान देता है। यहाँ 8,000 से ज्यादा लोगों को आजीविका मिलती है।

महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई को सहारा देने के लिए एक्सिस बैंक ने लॉन्च की 'वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग' सुविधा

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने अपनी वूमेंस स्मॉल बिजनेस बैंकिंग सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य महिला-नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए किफायती और व्यवस्थित वित्तीय समाधानों तक पहुंच को आसान बनाना है। यह पेशकश कर्ज सुविधाओं को व्यापक बैंकिंग सेवाओं और करंट अकाउंट के फायदों के साथ जोड़ती है। इसका मकसद महिला-मालकिन वाले व्यवसायों की तरक्की और स्थिरता को बढ़ाने के लिए एक संपूर्ण बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है। इस पहल के तहत महिला-नेतृत्व वाले एमएसएमई को विशेष दरों का लाभ मिल सकता है, जिसमें सिक्योर्ड और क्रेडिट-गारंटी आधारित लोन पर ब्याज दरों में रियायत शामिल है। इसके साथ ही, करंट अकाउंट से जुड़े तय फायदे भी मिलते हैं, जो रोजमर्रा के बिजनेस लेनदेन और नकदी प्रबंधन को सरल बनाते हैं। इसका उद्देश्य किफायती कर्ज तक पहुंच सुधारना और महिला उद्यमियों को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद करना है।

ट्रंप ने दिया मौका भारत ने लपक लिया

7 साल में पहली बार हुआ ऐसा, ईरान भी खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच भारत को ईरान से लगभग 40 लाख बैरल कच्चा तेल (क्रूड) मिला है। करीब सात सालों में यह पहली बार है जब भारत ने ईरान से कच्चा तेल खरीदा है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ईरानी तेल खरीद के लिए एक डेडलाइन तय की है। भारत इस समयसीमा से पहले ही सप्लाई सुरक्षित करना चाहता है। यह डेडलाइन

इस वीकेंड पर खत्म हो रही है। भारत आयातित ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है। यह चीज उसे कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है। भारत ने फरवरी के अंत से ग्लोबल ऑयल फ्लो में आई रुकावटों का असर महसूस किया है। अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों के बाद ऐसा हुआ है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में मामले से परिचित सूत्रों और इंटेलिजेंस फर्मों केप्लर और वोर्टेक्सा के जहाज-ट्रैकिंग डेटा का हवाला दिया गया है। इसमें बताया गया है कि 'जया' नाम का एक बड़ा क्रूड कैरियर इस समय भारत के पूर्वी तट पर स्थित पारादीप में अपना माल उतार रहा है। यह ईरानी तेल से पूरी तरह भरा हुआ है। एक अन्य टैंकर 'फेलिसिटी' पश्चिमी तट पर स्थित सिक्का में इसी तरह का काम कर रहा है। ब्लूमबर्ग न्यूज के मुताबिक, ये दोनों जहाजों के शुक्रवार तक भारतीय बंदरगाहों से रवाना होने की उम्मीद है। इन पर अमेरिका के प्रतिबंध लगे हुए हैं। पारादीप में कच्चे तेल की खेप को संभालने का काम इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन करता है। वहीं, सिक्का का इस्तेमाल रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की ओर से किया जाता है। ये इस क्षेत्र में एक 'सिंगल-पॉइंट मूरिंग' फैसिलिटी को ऑपरेट करते हैं।

ईरानी तेल के साथ पेमेंट की मुश्किल

पिछले साल तक भारत समंदर के रास्ते आने वाले रूसी कच्चे तेल का प्रमुख आयातक था। उसने इन खरीदों में तेजी से बढ़ोतरी की थी। हालांकि, लगातार जारी वित्तीय प्रतिबंधों के कारण रिफाइनरियों को ईरानी खेप की खरीद और उसके पेमेंट में अधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। भारत ने संकेत दिया था कि सप्लाई में जारी कमी से निपटने के लिए वह अन्य स्रोतों के साथ ईरान से भी कच्चा तेल खरीदेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टैंकर 'जया' और 'फेलिसिटी' की ओर से लाई गई खेप का आगमन दिखाता है कि इन आयातों को सुगम बनाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं।

भारत पर बढ़ता दबाव

पेट्रोल-डीजल के दाम न बढ़ाकर रोक रखा है सैलाब, हर दिन 1,600 करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पेट्रोल पंप पर ईंधन की कीमतें अभी स्थिर दिख रही हैं। लेकिन, पर्दे के पीछे कहानी बिगड़ी हुई है। तेल कंपनियां इन कीमतों को ऐसे ही बनाए रखने के लिए भारी नुकसान उठा रही हैं। इंडस्ट्री के जानकारों के मुताबिक, सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) मिलकर हर दिन करीब 1,600 करोड़ रुपये का नुकसान उठा रही हैं। इन कंपनियों में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड शामिल हैं। यह ऐसे समय में हो रहा है जब 28 फरवरी को ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से भू-राजनीतिक तनाव बढ़ा है। इसके कारण कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतें बढ़ गई हैं। वहीं, भारत में खुदरा ईंधन की कीमतें काफी हद तक जस की तस रही हैं। 135-165 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा (स्पॉट) पेट्रोल-डीजल कीमतों पर हमारा अनुमान है कि भारत की तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर 18 रुपये और 35 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। अगर घरेलू ईंधन की कीमतें कच्चे तेल के वैश्विक रुझानों को पूरी तरह से दर्शातीं तो मौजूदा अनुमानों के अनुसार, पेट्रोल लगभग 113 रुपये प्रति लीटर और डीजल 123 रुपये प्रति लीटर बिक रहा होता। इसके बजाय ओएमसी इस अंतर को खुद

वहन कर रही हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नियंत्रण-मुक्त करने के बावजूद इन कंपनियों ने अप्रैल 2022 के बाद से खुदरा दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। सूत्रों के हवाले से पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे नुकसान बढ़कर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 35 रुपये प्रति लीटर हो गया है। मैक्वेरी ग्रुप की एक रिपोर्ट ने इस दबाव की गंभीरता का जिक्र किया। रिपोर्ट में कहा गया, '135-165 डॉलर प्रति बैरल की मौजूदा (स्पॉट) पेट्रोल-डीजल कीमतों पर हमारा अनुमान है कि भारत की तेल मार्केटिंग कंपनियों को पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर 18 रुपये और 35 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।' रिपोर्ट में आगे कहा गया, 'कच्चे तेल की कीमतों में हर 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से मार्केटिंग में होने वाला नुकसान लगभग 6 रुपये प्रति लीटर बढ़ जाता है।' एक समय जब कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी थीं तो दैनिक नुकसान 2,400 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। इसके बाद यह कम होकर मौजूदा 1,600 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। सरकार ने इस दबाव को कुछ हद तक कम करने के लिए हस्तक्षेप किया है। लेकिन, इसकी भी एक कीमत चुकानी पड़ी है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क यानी एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती से ओएमसी पर पड़ने वाले बोझ को कम करने में मदद मिली। हालांकि, कंपनियों ने इस लाभ को उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के बजाय अपने नुकसान की भरपाई करने के लिए इसे खुद ही रखा।

फास्टैग से अलग गाड़ी का नंबर तो होगा बंद, ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपका फास्टैग का नंबर आपकी गाड़ी के नंबर से मेल नहीं खाता है तो सावधान हो जाएं। ये आपस में मैच नहीं करते हैं तो आपका फास्टैग बंद कर ब्लैक लिस्ट में डाला जा सकता है। टोल प्लाजाओं पर फास्टैग से टोल कटते हुए फास्टैग रीडर और गाड़ी नंबर का मेल ना खाने के बाद मिली इस तरह की शिकायतों पर अमल करते हुए एनएचएआई ने फास्टैग जारी करने वाले सभी बैंकों से कहा है कि वह इनका मिलान करें। नहीं कहीं ऐसा तो नहीं कि इसमें किसी तरह की हेराफेरी की जा रही हो। अगर किसी फास्टैग में कोई गड़बड़ी मिलती है तो उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाए। एनएचएआई ने स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा है : इस तरह की किसी भी विसंगति से बचने के लिए इसे क्रॉस चेक करना जरूरी है। इसका मकसद यह है कि सिस्टम में कहीं कोई लीकेज ना रहे। यह देखा गया है कि इस तरह की विसंगतियों की एक बड़ी संख्या गाड़ी डेटाबेस में दर्ज होने से पहले जारी किए गए फास्टैग से संबंधित है। इस अवधि के दौरान जांच व्यवस्था अपेक्षाकृत सीमित थी और 'मैन्युअल' प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भर थी। एनएचएआई ने कहा है कि उसने विशेष रूप से आने वाले समय में देश में 'मल्टी-लेन फ्री फ्लो' (एमएलएफएफ) टोलिंग जैसे सिस्टम को देखते हुए फास्टैग के साथ वीआरएन मैपिंग की सटीकता सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

पहले की तरह धड़ाधड़ गैस सिलेंडर मिलने में लगेंगे कई साल, सप्लाई चेन चरमराई

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर में एलपीजी सप्लाई चेन में रुकावट आई है। इसे ठीक होने में तीन से चार साल लग सकते हैं। अभी यह साफ नहीं है कि प्रोडक्शन कुछ समय के लिए रुका है या उसे हमेशा के लिए नुकसान पहुंचा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से 'मनी कंट्रोल' ने यह जानकारी दी है। इसका सीधा मतलब है कि पहले की तरह धड़ाधड़ एलपीजी गैस सिलेंडर मिलने में अभी कई साल का इंतजार करना पड़ सकता है। यह भारत के लिए अच्छा नहीं है। अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर 'मनी कंट्रोल' से कहा, 'प्रभावित सप्लायरों से मिली जानकारी के आधार पर सप्लाई को फिर से शुरू करने में कम से कम तीन साल और शायद उससे भी ज्यादा समय लग सकता है।' उन्होंने भारत के बढ़ते आयात जोखिमों और लागत के दबाव की ओर भी इशारा किया। युद्ध से पहले और बाद की स्थिति

ईरान युद्ध शुरू होने से पहले इस सप्लाई का लगभग 90 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही आता था। 24 मार्च तक खाड़ी देशों से होने वाले आयात का हिस्सा घटकर 55 फीसदी रह गया था। यह इस बात का संकेत है कि सप्लाई में रुकावट आई है। साथ ही भारत ने सप्लाई के नए स्रोत भी खोजे हैं। रुबिक्स डेटा साइंसेज और वयाना ट्रेडएक्सचेंज की अप्रैल में आई एक रिपोर्ट के

अनुसार, सप्लाई के रास्ते बदलने और नए स्रोत खोजने के बाद भी सप्लाई में रुकावट का असर 40-50 फीसदी तक बना रह सकता है। रुबिक्स डेटा साइंसेज रिस्क मैनेजमेंट और एनालिटिक्स कंपनी है। वहीं, वयाना ट्रेडएक्सचेंज सप्लाई-चेन फाइनेंस और ट्रेड डेटा का एक प्लेटफॉर्म है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की सालाना एलपीजी मांग लगभग 3.3 करोड़ टन है। मार्च के मध्य तक भारत के पास केवल 15 दिनों की खपत के बराबर ही एलपीजी का भंडार मौजूद था।

ऐसे में सप्लाई के स्रोतों में बदलाव होने से कम समय के लिए सप्लाई में रुकावट का जोखिम बढ़ जाता है। कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव का भी सामना करना पड़ सकता है। मार्च के मध्य से घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें 60 रुपये बढ़ गई हैं। इसी दौरान कमर्शियल सिलेंडरों की कीमतों में 115 रुपये का इजाफा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की 92 फीसदी एलपीजी की सप्लाई की।

कोरोना महामारी वाले इंतजामों पर नजर

अधिकारी ने बताया कि सरकार घरों तक एलपीजी की लगातार सप्लाई सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रही है। साथ ही कमी को पूरा करने के लिए सप्लाई के नए विकल्प भी तलाश रही है। अधिकारी के मुताबिक, 'आपकी एलपीजी सप्लाई बहाल होने में समय लग सकता है। कारण है कि एलपीजी के कुछ बहुत ही जरूरी स्रोत बंद हो गए हैं। 'बंद होने' का ठीक-ठीक क्या मतलब है, यह अभी पूरी तरह साफ नहीं है। या तो कुएं पूरी तरह सूख गए हैं या फिर प्रोडक्शन रोक दिया गया है।

भारत के बड़े शहरों में होटल के कमरे खाली

युद्ध ने बिगाड़ा काम

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से भारत के कई सेक्टरों पर सीधा असर पड़ा है। होटल और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर भी इससे अछूता नहीं है। बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे जीसीसी शहरों में होटलों की ऑक्यूपेंसी गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। कारण है कि भारत आने वाले ज्यादातर विदेशी यात्री दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे एविएशन हब से होकर आते हैं। जीसीसी यानी ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर ऐसे केंद्र होते हैं जिन्हें बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियां (एमएनसी) अपने देश से बाहर दूसरे देशों में स्थापित करती हैं। इनमें हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर शामिल हैं। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमले किए। ईरान ने भी पलटवार किया। उसने कई खाड़ी देशों में अमेरिकी अड्डे को निशाना बनाया। इससे यह संकट पूरे क्षेत्र में फैल गया। इसने हवाई यातायात को भी प्रभावित किया। शैले होटल्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्वेतांक सिंह ने बिजनेस टुडे को बताया, 'पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध की वजह से होटल

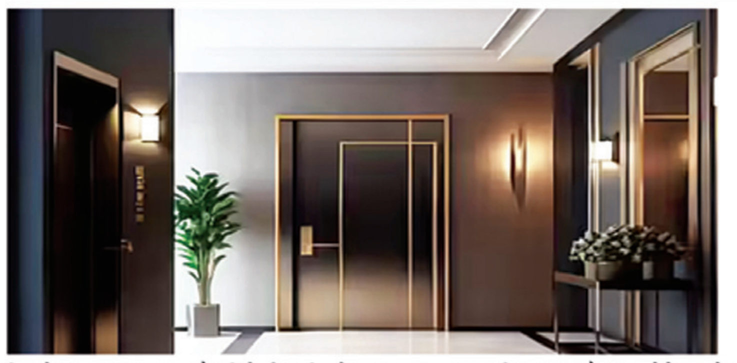

बिजनेस पर असर पड़ा है। विदेशी पर्यटकों के आने में कमी आई है। इसका असर बड़े शहरों के बड़े होटलों की ऑक्यूपेंसी पर पड़ा है।' सिंह ने कहा, 'मिडिल ईस्ट के रास्ते यात्रा करने वाले लोगों की संख्या बहुत ज्यादा है। अगर मैं अपने पोर्टफोलियो को देखूं तो 40 प्रतिशत बिजनेस विदेशी पर्यटकों से आता है। बड़े शहरों के बड़े होटलों का हिस्सा हमारे पोर्टफोलियो में लगभग 60 प्रतिशत है। साफ तौर पर इसका असर दिख रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'ये यात्री होटल के अंदर ज्यादा खर्च करते हैं। ज्यादा समय तक रुकते हैं। वे अपने साथ एक पूरा ग्रुप लेकर चलते हैं।' सिंह ने बताया, 'हालांकि, लक्जरी रिजॉर्ट का बिजनेस अच्छा चल रहा है। लेकिन, कुल मिलाकर हमें जितना फायदा हुआ है, उससे ज्यादा नुकसान हुआ है। मार्च में ऑक्यूपेंसी 10 प्रतिशत तक गिर गई है। जीसीसी से जुड़ी यात्राओं की वजह से बेंगलुरु और हैदराबाद पर इसका बहुत गहरा असर पड़ा है।' हालांकि, प्रीमियम हॉस्पिटैलिटी अनुभवों की बुनियादी मांग अभी भी बनी हुई है। इस पर भू-राजनीतिक हालात की वजह से कुछ हद तक असर पड़ा है। पिट्टी ने आगे कहा, 'मार्च के महीने में हमने बड़े शहरों के लक्जरी होटलों की बुकिंग में अचानक आई भारी गिरावट के बजाय कुछ हद तक बदलाव या रीकैलिब्रेशन देखा है। हालांकि, पश्चिम एशिया में हो रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से अंतरराष्ट्रीय यात्रा के कुछ खास हिस्सों पर असर पड़ा है। लेकिन, घरेलू यात्रियों और बिजनेस ट्रैवल्स के सहारे कुल मांग काफी हद तक स्थिर बनी हुई है।' हवाई किराए में हुई भारी बढ़ोतरी का भी मांग पर असर पड़ रहा है। पिट्टी ने कहा, 'फ्यूल सरचार्ज और ऑपरेशनल खर्चों में बढ़ोतरी की वजह से हवाई किराए में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। घरेलू रूट्स पर किराए में लगभग 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

पीएफ खाते से विड्रॉल टीडीएस बचाने के लिए अब नहीं चलेंगे पुराने फॉर्म, बदल गया है नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएफ खाताधारकों के लिए टैक्स से जुड़े नियम बदल गए हैं। अब पीएफ से पैसा निकालते समय टीडीएस बचाने के लिए पुराने फॉर्म नहीं चलेंगे। इनकी जगह फॉर्म 121 शुरू किया है। नियम 1 अप्रैल से लागू है। फॉर्म भरने वाले को यह सुनिश्चित करना होगा कि उसकी साल भर की टैक्स लायबिलिटी जीरो है। कंपनियां, फर्में और एनआरआई इस फॉर्म को भरने के पात्र नहीं हैं। 13 अप्रैल को जारी अपने सर्कुलर में ईपीएफओ ने बताया कि पहले 60 साल से कम उम्र के लोग फॉर्म 15त भरते थे और सीनियर सिटीजन फॉर्म 15॥ का इस्तेमाल करते थे। अब इन दोनों की जगह केवल फॉर्म 121 इस्तेमाल होगा। यह फॉर्म केवल उन लोगों के लिए है जिनकी पूरे साल की कुल अनुमानित कमाई पर टैक्स की देनदारी शून्य है। यानी अगर आपकी सालाना कमाई टैक्स छूट की सीमा से कम है, तो आप इस फॉर्म को भरकर अपनी

इनकम बिना ञ्छ्रस् कटे हासिल कर सकते हैं। ईपीएफओ ने साफ किया है कि यह फॉर्म सबके लिए जरूरी नहीं है। यह केवल उन लोगों के लिए है जो टीडीएस कटने से बचना चाहते हैं। ईपीएफओ ने कहा है कि 1 अप्रैल के बाद अगर किसी ने पुराने फॉर्म के साथ क्लेम फाइल कर दिया है, तो उसे रिजेक्ट करके वापस नहीं भेजा जाएगा। हालांकि, कर्मचारी से फॉर्म 121 लेने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले लोगों के लिए पीएफ एक अनिवार्य सरकारी बचत योजना है। इसमें कर्मचारी अपनी बेसिक सैलरी का 12 प्रतिशत हिस्सा कंट्रीब्यूट करता है जबकि कंपनी भी इतना ही योगदान देती है। एम्प्लॉयर के कंट्रीब्यूशन में से 8.33 प्रतिशत कर्मचारी पेंशन योजना में जाता है।

संक्षिप्त समाचार

गर्मी में पारा 42 पार सुबह की पाली में विद्यालय लगाने की मांग

बरेला। मौसम विभाग द्वारा 31 अप्रैल तक लगातार भीषण गर्मी बढ़ने की चेतावनी जारी की जा रही है की 19 अप्रैल के बाद पारा 45 से ऊपर जा सकता है वर्तमान में पारा 42 डिग्री सेल्सियस पहुंच चुका है, सूर्य देवता तापमान में निरंतर वृद्धि करते जा रहे हैं तापमान बढ़ने से छोटे-छोटे बच्चों को शाला में आने जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, चिलचिलाती धूप में पालक भी बच्चों को स्कूल भेजने में परेशानी महसूस कर कह रहे हैं कि सुबह से विद्यालय होना चाहिए, भीषण गर्मी से बच्चे बीमार ना हो और सुरक्षित रहें साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में जलस्तर नीचे हो जाने से कई क्षेत्रों में पीने के पानी की भी समस्या सामने आ रही है इसीलिए मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने कलेक्टर महोदय से विद्यालय सुबह की पाली में लगाये जाने की मांग की है मांग करने वालों में शहजाद सिंह द्विवेदी, दालचंद पासी, रजनीश कुमार पाण्डेय,रामदास बरकडे, शुभसंदेश सिंगौर, निर्मल लोधी,अंशुल साहू, सतीश बरकड़े, बृजेश दीक्षित,अजय दुबे,सतीश उपाध्याय, मनोज सिंह, शेर सिंह,मुकेश मेहरा,गणेश त्रिपाठी, उमेश द्विवेदी, बी एस ठाकुर, कपिलधर दुबे,प्रदीप मिश्रा,अनिल सोनकर, जगरूप पटेल,अमितशुक्ला,रामकुमार झरिया, किशोर दुबे, अभिषेक वर्मा, विजय लोधी, गणेश सिंग, उदित पाठक,मोहित नाथ,सुंयाशु झरिया, देवी सिंग, सुरेन्द्र चौबे,जयप्रकाश गुप्ता, दिनेश पासी, प्रफुल्ल बनाफर,राममिलन बरकड़े कृष्ण कुमार मरावी,नितिन पाण्डेय, शिवराम झारिया,आई डी पड़रहा,जे एल झारिया, विजय नामदेव, सी पी झारिया, राजकुमार दुबे,हरबंश मार्को, राजेश नन्दलाल रजक, सुनील कटारे,संतोष दुबेदी, प्रमोद विश्वकर्मा, आदि ने प्रशासन से बच्चों, पालकों के साथ शिक्षकों को भीषण गर्मी से राहत दिलाने हेतु सुबह की पाली में विद्यालय लगाने हेतु शीघ्र आदेश जारी करने की मांग की है।

बेलखाडू में अनियंत्रित आटो दीवार तोड़ कर दुकान में जा घुसा

बेलखाडू । जबलपुर कटंगी मार्ग पर बेलखाडू के सिमरिया तिराहे पर एक बड़ा हादसा टल गया, गेहूं

की बोरियों से लोड एक लोडिंग ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक दुकान में जा घुसा गनीमत रही कि उस समय दुकान में एवं दुकान के पास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, और ना ही कोई वाहन रोड से निकल रहा नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था जानकारी के अनुसार लोडिंग ऑटो क्रमांक एमपी 20 जी वी 1930 शुक्रवार सुबह 11 बजे पाटन के ब्यौहारी पड़रिया ग्राम से गेहूं लोड कर कृषि उपज मंडी जबलपुर जा रहा था। इसी दौरान बेलखाडू के सिमरिया तिराहा के पास चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिसके चलते आटो रोड को पार करने के बाद

दुकान की दीवार तोड़ते हुए सीधे अंदर पहुंच गया। इस हादसे में बंटू साहू की जनरल स्टोर की दुकान को भारी नुकसान हुआ है और अंदर रखा सामान पूरी तरह अस्त-व्यस्त एवं क्षतिग्रस्त हो गया वही बाजू की किराना दुकान की दीवार भी टूट गई है हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ऑटो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया था, जबकि ऑटो में सवार एक व्यक्ति को मामूली चोटे आई है सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची बेलखाडू चौकी प्रभारी राजेश धुर्वे ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण कर मामला दर्ज कर लिया है चालक को हिरासत व आटो को कब्जे में लिया आगे मामले की जांच जारी है

अवैध कॉलोनाइजरों पर कसा शिकंजा ! पनागर में प्लॉटिंग माफिया पर एफआईआर

बिना अनुमति काटी जा रही थी कॉलोनी, कलेक्ट्रेट जांच के बाद पुलिस ने दर्ज किया मामला; गिरफ्तारी की तैयारी

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददातु

शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से पनप रहे अवैध कॉलोनी कारोबार पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पनागर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पड़रिया में अवैध रूप से कॉलोनी निर्माण किए जाने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई कलेक्ट्रेट द्वारा कराई गई जांच और तहसीलदार की शिकायत के आधार पर की गई है।

जानकारी के अनुसार प्रशासन को लंबे समय से ग्राम पड़रिया क्षेत्र में बिना अनुमति कॉलोनी विकसित किए जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद राजस्व विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर विस्तृत जांच की, जिसमें नियमों के विरुद्ध भूमि का विकास और प्लॉटिंग किए जाने की पुष्टि हुई।

गिरफ्तारी बाकी, पुलिस ने कहा जल्द होगी कार्रवाई

हालांकि अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस का कहना है कि मामले में वैधानिक कार्रवाई जारी है और जल्द ही आरोपी को हिरासत में लिया जाएगा।

अवैध कॉलोनाइजरों में मचा हड़कंप

प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में सक्रिय अन्य अवैध कॉलोनाइजरों में हड़कंप मच गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में ऐसे और मामलों में भी प्रशासन बड़ी कार्रवाई कर सकता है।

प्रशासन का संदेश, नियम तोड़ोगे तो कार्रवाई तय

अधिकारियों का कहना है कि बिना अनुमति कॉलोनी निर्माण, प्लॉटिंग या भूमि विकास करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रंजीत चौधरी पर दर्ज हुआ मामला

नगर पुलिस अधीक्षक अधारताल राजेश्वरी कौरव ने बताया कि जांच प्रतिवेदन के आधार पर रांझी निवासी रंजीत चौधरी के खिलाफ अवैध कॉलोनी निर्माण के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी पर बिना वैधानिक अनुमति और नियमों का पालन किए कॉलोनी विकसित करने का आरोप है।

शहर की शक्तिशाली कुर्सी के लिए जारी है सियासी जद्दोजहद,संगठन सारे मोहरे साधने

जेडीए अध्यक्ष:विश्नोई खुद पीछे हटे, अब संदीप और स्वाति में टक्कर

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष पद की नियुक्ति को लेकर चल रही सियासी उठापटक के बीच एक बड़ा घटना म सामने आया है। अब तक इस पद के लिए सबसे सशक्त दावेदार माने जा रहे पूर्व मंत्री अजय विश्नोई ने खुद को इस दौड़ से बाहर कर लिया है। उनके इस फैसले ने शहर के राजनैतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है और नियुक्ति के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं। विश्नोई के इनकार के बाद अब प्राधिकरण की कमान संभालने के लिए नए नामों पर विचार शुरू हो गया है, जिससे प्रतिस्पर्धा और भी रोचक हो गई है। गौरतलब है कि जबलपुर विकास प्राधिकरण के मुखिया के चयन की प्रि या अंतिम दौर में मानी जा रही थी और अजय विश्नोई का नाम लगभग तय माना जा रहा था। उनकी वरिष्ठता और प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए संगठन उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी में था। हालांकि, ताजा जानकारी के अनुसार श्री विश्नोई ने संगठन के समक्ष विनम्रतापूर्वक अपनी असमर्थता जाहिर करते हुए पद स्वीकार करने से मना कर दिया है। उनके इस कदम के पीछे के सटीक कारणों का आधिकारिक खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन उनके हटने से सत्ता के गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

रेस में स्वाति गोडबोले के नाम की एंट्री

श्री विश्नोई के रेस से बाहर होते ही कुछ नए चेहरे मजबूती से उभरकर सामने आए हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण नाम जबलपुर की पूर्व महापौर स्वाति गोडबोले का जुड़ा है। नगर निगम में महापौर के रूप में उनके कार्यकाल और शहर के बारे में उनकी समझ को देखते हुए उन्हें एक मजबूत विकल्प माना जा रहा है। स्वाति गोडबोले की सक्रियता और संगठन में उनकी पकड़ इस दौड़ में उन्हें अन्य दावेदारों के समकक्ष खड़ा करती है। महिला नेतृत्व के तौर पर उनके नाम पर विचार करना प्राधिकरण के भविष्य के लिए एक नया मोड़ साबित हो सकता है।

-संदीप जैन की दावेदारी हुई और प्रबल

अध्यक्ष पद की सूची में संदीप जैन का नाम काफी पहले से शामिल था और विश्नोई के हटने के बाद उनकी दावेदारी पहले से कहीं अधिक प्रबल नजर आ रही है। संदीप जैन लंबे समय से संगठन के विभिन्न पदों पर सक्रिय रहे हैं और विकास प्राधिकरण की कार्यप्रणाली से भी वाकिफ हैं। पिछले कुछ समय से वे लगातार शीर्ष नेतृत्व के संपर्क में बने हुए हैं। उनकी दावेदारी यथावत बनी रहने से यह संकेत मिल रहे हैं कि वे इस पद के लिए शीर्ष चयनकर्ताओं की पसंद में अभी भी शीर्ष पर बने हुए हैं।

- ऐसे बदले सियासी समीकरण

शहर के विकास से जुड़े इस महत्वपूर्ण पद के लिए अजय विश्नोई के इनकार ने अन्य महत्वाकांक्षी नेताओं के लिए रास्ते खोल दिए हैं। अब कई अन्य नेता भी अपनी दावेदारी को लेकर सक्रिय हो गए हैं और संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। पल-पल बदलते घटनाक्रमों के बीच यह कहना मुश्किल है कि अंतिम मुहर किसके नाम पर लगेगी। दावेदारों की बढ़ती संख्या और बदलते समीकरणों ने चयन प्रक्रिया को पेचीदा बना दिया है, जिससे यह स्पष्ट है कि अभी कई दौर की चर्चाएं होना शेष हैं।

फिलहाल जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर सस्पेंस बरकरार है। अब गेंद संगठन के पाले में है कि वह किसी अनुभवी चेहरे को चुनता है या किसी नए नेतृत्व पर भरोसा जताता है। स्वाति और संदीप के बीच चल रही इस प्रतिस्पर्धा में आने वाले दिनों में कुछ और चौकाने वाले नाम भी सामने आ सकते हैं। स्थानीय नेताओं की आपसी खींचतान और जातीय समीकरणों का संतुलन बिठाना भी नेतृत्व के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। जब तक अंतिम घोषणा नहीं होती, तब तक कयासों का दौर जारी रहेगा।

अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशन के दौरान हंगामा, पुलिस ने युवक को थप्पड़, डंडे-बेल्ट से पीटा

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

जबलपुर में अमरनाथ यात्रा रजिस्ट्रेशन के दौरान विवाद का मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने पुलिसकर्मियों पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। युवक का कहना है कि उसे चौकी ले जाकर डंडे और बेल्ट से पीटा गया, जबकि पुलिस ने इसे हल्का बल प्रयोग बताया है।

लाइन में लगे युवक से विवाद, फिर बढ़ा मामला

गोरखपुर थाना क्षेत्र के कांचघर निवासी गौरव महरोलिया (33) गुरुवार सुबह अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन के लिए पंजाब नेशनल बैंक पहुंचा था। वह सुबह 6 बजे से लाइन में लगा था। सुबह करीब 10:30 बजे बैंक खुलने पर अचानक भीड़ बढ़ गई और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। इसी दौरान गौरव और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों के बीच विवाद हो गया।

युवक का आरोप- गला पकड़ा, थप्पड़ मारे, चौकी में पीटा- गौरव का आरोप है कि मौके पर मौजूद कॉन्स्टेबल योगेंद्र कुमार और तरुण मिश्रा ने उसे पीछे धकेला। विरोध करने पर उसका गला पकड़ा गया और थप्पड़ मारे गए। इसके बाद उसे रामपुर पुलिस चौकी ले जाया गया, जहां करीब आधे घंटे तक बेल्ट और डंडों से पिटाई की गई। युवक ने शरीर पर चोटों के निशान भी दिखाए हैं। उसका यह भी कहना है कि छोड़ते समय उसे धमकी दी गई कि अगर उसने शिकायत की तो अंजाम भुगतना पड़ेगा।

थाने में शिकायत पर भी आनाकानी का आरोप- गौरव के मुताबिक, वह शाम को गोरखपुर थाने पहुंचा और लिखित शिकायत दी, लेकिन वहां भी पुलिसकर्मियों ने आवेदन लेने में आनाकानी की। उसने आरोप लगाया कि शिकायत वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया और झूठे केस में फंसाने की धमकी भी दी गई।

हल्का बल प्रयोग किया गयाः पुलिस- मामले में गोरखपुर थाना प्रभारी नितिन कमल का कहना है कि युवक बैंक में उपद्रव कर रहा था। समझाने के बाद भी नहीं मानने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया था।

एसपी ने जांच का दिया आश्वासन- इस पूरे मामले में एसपी संपत उपाध्याय ने जांच के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

3 जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा- अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हो चुके हैं। श्रद्धालु ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन कर सकते हैं।यह यात्रा इस साल 57 दिनों तक चलेगी और 3 जुलाई से शुरू होने की संभावना है।

गेहूं खरीदी

गेहूं बेचने को तरस रहे किसान

अन्नदाता लाइन में, सिस्टम ऑफलाइन!

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

फोटो किसान 17

जबलपुर। गेहूं खरीदी शुरू हुए तीन दिन बीत चुके हैं, लेकिन ज़मीन पर हालात ऐसे हैं मानो व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी हो। स्लॉट बुकिंग ठप, सर्वर डाउन और प्रशासनिक सुस्ती के बीच किसान अब खुलकर आक्रोश जताने लगे हैं। खरीदी केंद्रों के बाहर किसानों की भीड़ बढ़ रही है, लेकिन सिस्टम की खामियों ने उनकी मेहनत को रोककर रख दिया है।

सर्वर डाउन बना सबसे बड़ा बहाना

किसानों का कहना है कि वे पिछले कई दिनों से लगातार स्लॉट बुक कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हर बार सर्वर फेल हो जाता है। कई किसान सुबह से शाम तक ऑनलाइन केंद्रों और साइबर कैफे के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ सर्वर डाउन का जवाब मिल रहा है। इससे गुस्साए किसान अब इसे सिर्फ तकनीकी दिक्कत नहीं, बल्कि सरकार और प्रशासन की नाकामी बता रहे हैं।

तैयारी शून्य, किसान पर भारी सिस्टम

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब खरीदी की तारीख पहले से तय थी, तो आखिर तैयारी क्यों नहीं की गई? क्यों सर्वर क्षमता नहीं बढ़ाई गई? क्यों किसानों को इस तरह सिस्टम के भरोसे छोड़ दिया गया? किसानों का आरोप है कि सरकार सिर्फ कागजों में खरीदी की तैयारी दिखाती है, जबकि हकीकत में व्यवस्था पूरी तरह फेल है।

केंद्रों पर आक्रोश, प्रदर्शन की चेतावनी

इस पूरे मामले ने अब प्रदर्शन की स्थिति पैदा कर दी है। कई केंद्रों पर किसान इकट्ठा होकर विरोध जताने लगे हैं और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। किसानों का कहना है कि अगर जल्द समस्या हल नहीं हुई तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

समयसीमा का डर, औने-पौने दाम का खतरा

सबसे ज्यादा चिंता किसानों को समयसीमा को लेकर है। उनका कहना है कि अगर इसी तरह देरी होती रही तो खरीदी की तय तारीख निकल जाएगी और वे अपनी फसल बेच नहीं पाएंगे। मजबूरी में उन्हें औने-पौने दामों पर व्यापारियों को गेहूं बेचना पड़ेगा, जिसका सीधा नुकसान उन्हें उठाना होगा।

खरीदी केंद्रों पर पसरा सन्नाटा

जहां इस समय ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की कतारें लगनी चाहिए थीं, वहां सन्नाटा पसरा हुआ है। किसान इंतजार कर रहे हैं, लेकिन सिस्टम आगे बढ़ने का नाम नहीं ले रहा। हर साल बेहतर व्यवस्था के दावे करने वाली सरकार इस बार भी शुरुआती दौर में ही फेल होती नजर आ रही है।

किसानों की दो टूक चेतावनी

किसानों ने साफ कह दिया है कि अगर तत्काल सर्वर समस्या ठीक नहीं की गई और स्लॉट बुकिंग शुरू नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। साथ ही उन्होंने खरीदी की अवधि बढ़ाने और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

रिटायर्ड एसडीओ पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

ईओडब्ल्यू छापे में करोड़ों की संपत्ति उजागर

जबलपुर, प्रातः किरण संवाददाता

आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो ने लोक निर्माण विभाग के रिटायर्ड एसडीओ महेंद्र नागवंशी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में उनके पास 5.47 करोड़ रुपए की अनुपातहीन संपत्ति मिलने का खुलासा हुआ है।

ईओडब्ल्यू एसपी अनिल विश्वकर्मा के निर्देशन में गुरुवार को छिंदवाड़ा के आदर्श नगर, परासिया रोड स्थित नागवंशी के निवास पर सर्चिंग कार्रवाई की गई। इस दौरान टीम को नकदी, आभूषण, वाहन और अन्य संपत्तियों के रूप में बड़ी मात्रा में संपत्ति मिली।

तलाशी के दौरान करीब 40 लाख रुपए मूल्य का मकान, 91,500 रुपए नकद और लगभग 24 लाख रुपए का घरेलू सामान मिला। इसके अलावा 22 बीमा पॉलिसियों में करीब 20 लाख रुपए का निवेश पाया गया। टीम को 187 ग्राम सोने और लगभग 1 किलोग्राम चांदी के आभूषण भी बरामद हुए।

सर्चिंग में 13 लाख रुपए मूल्य की एक दुकान, तीन चारपहिया वाहन (करीब 20 लाख रुपए) और तीन दोपहिया वाहन (करीब 2.10 लाख रुपए) भी सामने आए। इसके साथ ही महेंद्र नागवंशी के 8 और उनकी पत्नी सीमा नागवंशी के 10 बैंक खातों की जानकारी मिली है, जिनकी विस्तृत जांच की जा रही है।

ईओडब्ल्यू ने शिकायत के सत्यापन में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है।

स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित I RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, भोपाल कार्यालय- 9229122444, 0755-3167255